खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 18 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-48

### कांग्रेस सांसद की विदेशी पत्नी के पाकिस्तानी सहयोगी पर एफआईआर दर्ज

# एलिजाबेथ कोलबर्न और अली तौकीर शेख अब जांच के दायरे में

**गुवाहाटी/नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े अली तौकीर के लिंक की आधिकारिक जांच का आदेश जारी कर दिया गया है। एलिजाबेथ कोलबर्न के सुपरवाइजर रहे पाकिस्तानी अली तौकीर शेख के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कर ली गई है। असम सरकार के मंत्रिमंडल ने भारत में उन लोगों और संगठनों की भी जांच करने को कहा है, जो अली तौकीर शेख से जुड़े हुए थे और उसके काम में सहायता की थी। इस जांच के लिए असम पुलिस केंद्रीय एजेंसियों की सहायता लेगी और पूरी सच्चाई सामने रखेगी।

अली तौकीर शेख स्वयं को एक पर्यावरण और पानी से जुड़े मुद्दों का एक्सपर्ट बताता है। वह कई एनजीओ के साथ काम कर चुका है। अब शेख के भारत विरोधी एजेंडा चलाने के सबूत सामने आए हैं। उसे अपने ट्विटर अकाउंट से भारत की गलत छवि विश्व के सामने पेश करने की कोशिश की थी। एलिजाबेथ के साथ काम करने वाले शेख ने भारतीय मुस्लिमों की नागरिकता चले जाने उन्हें डिटेंशन सेंटर में भेजे जाने जैसी अफवाह फैलाई जाएंगी। शेख ने लव जेहाद और तबलीगी जमात के मामलों पर भी जहर फैलाया था। उसने दिल्ली दंगों का मामला संसद में उठाने पर कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की तारीफ भी की थी। इसको

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के भी पाकिस्तानी लिंक खंगाले जाएंगे

असम मंत्रिमंडल के फैसले के बाद असम पुलिस को जांच सौंपी गई

केंद्रीय जांच एजेंसियां भी जांच में असम पुलिस का सहयोग करेंगी

लेकर उसने एक ट्वीट किया था। अली शेख इसके अलावा और भी कई भारत विरोधी ट्वीट कर चुका है। उसने बांग्लादेशी घुसपैठियों के भारत में घुसने को समस्या मानने से इनकार किया था। उसने दावा किया था कि भाजपा इसे हिंदू-मुस्लिम विवाद की तरह पेश कर रही है। अली तौकीर शेख ने लगातार असम से जुड़े मुद्दों पर सरकार या फिर भाजपा के खिलाफ ट्वीट किए थे। जबकि पाकिस्तानी नागरिक होने के चलते इसने उसका कोई सीधा सरोकार नहीं था।

असम कैबिनेट की रविवार 16 फरवरी को हुई बैठक में इस मामले की जांच कराने का फैसला लिया गया। कैबिनेट ने असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को इस मामले में एक केस दर्ज करने का आदेश दिया है। कैबिनेट ने कहा है कि पुलिस असम और पूरे भारत में अली शेख के नेटवर्क की जांच करे। असम कैबिनेट ने कहा है कि अली तौकीर शेख पाकिस्तान सरकार से जुड़ा रहा है और क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएम) तथा लीड इंटरनेशनल पाकिस्तान नाम के दो संगठन भी चलाता था। इनमें एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई भी हिस्सा थीं। यह संगठन भारत और पाकिस्तान दोनों देशों में काम करता है। कैबिनेट ने कहा कि एलिजाबेथ और तौकीर के जुड़े होने की बात भी सामने आई है। असम कैबिनेट ने कहा है कि एक पाकिस्तानी का भारत के आंतरिक और नीतिगत मामलों में ऐसा दखल संदेह पैदा करता है। कैबिनेट ने कहा कि कथित तौर पर पर्यावरण के लिए काम करने वालों का असल उद्देश्य क्या था, ▶10 पर

### कांग्रेस पार्टी खुद ही खोल रही अपनी पोल-पट्टी

### राहुल गांधी के सलाहकार सैम पित्रोदा ने कहा

# चीन हमारा दुश्मन नहीं, भारत सरकार बतंगड़ बनाती है

### कांग्रेस नेता के बयान पर बवाल, तीखी प्रतिक्रियाएं जारी

### कांग्रेस पार्टी ने सैम पित्रोदा के बेजा बयान से पल्ला झाड़ा

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

कांग्रेस पार्टी ने खुद ही यह साफ कर दिया है कि कांग्रेस नेताओं के चीन के साथ गहरे संबंध रहे हैं। इंडियन ओ-वरसीज़ कांग्रेस के अध्यक्ष और राहुल गांधी के परम सलाहकार सैम पित्रोदा ने चीन के चरित्र के बारे में कैरेक्टर सर्टिफिकेट जारी करते हुए कहा है, चीन से हमें कोई खतरा नहीं है। हमें चीन को अपना दुश्मन नहीं मानना चाहिए। भारत सरकार चीन को लेकर बतंगड़ बनाती है। सैम पित्रोदा के इस कथन पर जैसे ही बवाल खड़ा हुआ, कांग्रेस पार्टी ने फौरन अपना पल्ला झाड़ लिया और कहा कि उक्त बयान सैम पित्रोदा का व्यक्तिगत बयान है, उसका पार्टी से कोई लेना देना नहीं है। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने ऐसे बेजा और भारत विरोधी बयान देने वाले अपने नेता पर कोई अनुशासनिक कार्रवाई नहीं की है। सैम पित्रोदा ने यह भी कहा, मुझे नहीं लगता कि चीन से कोई बड़ा खतरा है। इस विषय को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। अमेरिका में ही रह रहे पित्रोदा डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति चुने जाने से काफी दुखी हैं। पित्रोदा जो बाइडेन और जॉर्ज सोरोस जैसे भारत विरोधी षडयंत्रकारियों से जुड़े थे। जॉर्ज सोरोस से तो भारत विरोधी एजेंडे के लिए उन्हें काफी धन भी मिलता था। ▶10 पर

### सैम पित्रोदा का बयान पार्टी का विचार नहीं है : जयराम

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा के बयान से कांग्रेस पार्टी ने खुद को अलग कर लिया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा है कि सैम पित्रोदा की तरफ से चीन पर व्यक्त किए गए विचार निश्चित रूप से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विचार नहीं हैं।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, चीन हमारी सबसे बड़ी विदेश नीति, बाहरी सुरक्षा और साथ ही आर्थिक चुनौती बना हुआ है। कांग्रेस ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार-बार सवाल उठाए हैं, ▶10 पर

### सुप्रीम कोर्ट धर्म स्थल कानून पर बढ़ती याचिकाओं पर नाराज

# बस बहुत हो गया, हर चीज की सीमा होती है : सीजेआई

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

सुप्रीम कोर्ट ने प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के मुकदमे में याचिकाओं की बढ़ती संख्या पर सख्त नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दखल देने के लिए दाखिल की जाने वाली नई याचिकाएं स्वीकार नहीं करने का आदेश दिया है। इस मामले की सुनवाई तीन जज की संविधान बेंच करने वाली है।

धर्म स्थल कानून पर अब कोई याचिका स्वीकार नहीं होगी

प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट मुकदमे की सुनवाई के दौरान सोमवार 17 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने कहा कि मामले में दखल देने वाली याचिकाओं पर एक सीमा होनी चाहिए। उन्होंने याचिकाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए सोमवार को इस मामले की सुनवाई से इन्कार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, हम आज प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट मामले पर सुनवाई नहीं करेंगे। यह 3 जजों की बेंच का मामला है। बहुत सारी याचिकाएं दाखिल की गई हैं। मार्च में इसकी तारीख लगाई जाए। दखल देने वाली याचिका दायर करने की भी एक सीमा होती है। इस मामले में वही याचिकाएं अब स्वीकार की जाएंगी जो इस मुकदमे के कोई नए पहलू से जुड़ी हों। इसके अलावा पहले दाखिल हो चुकी याचिकाओं में से जिन पर कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है, उनको भी कोर्ट ने रद्द कर दिया। इस मामले को लेकर केंद्र सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के समक्ष अभी जवाब पेश नहीं हुआ है। लेकिन याचिकाएं दाखिल करने की होड़ लगी हुई है। इसी होड़ पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, बस बहुत हो गया। इसे खत्म होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में किसी भी नई याचिका पर सुनवाई नहीं करेगा।

अब इस मामले की सुनवाई अप्रैल 2025 में एक संवैधानिक मामलों की सुनवाई करने वाली एक बेंच करेगी। गौरतलब है कि प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट के इस मामले में कानून का समर्थन करते हुए कांग्रेस, जमीयत-उलेमा-ए-हिंद, कम्युनिस्ट पार्टी और ज्ञानवापी मस्जिद कमेटी समेत कई लोगों ने याचिका दाखिल की है। ▶10 पर

# बांग्लादेश में जो पुलिस वाले रोक रहे थे हिंसा यूनुस सरकार सबको कर रही गिरफ्तार

निशाने पर 1000 से अधिक पुलिसकर्मी, 41 जेल में
'ऑपरेशन डेविल हंट' में 4700 से अधिक गिरफ्तार

**ढाका, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

बांग्लादेश में तख्तापलट के सहारे सत्ता में आई यूनुस सरकार लगातार दमन चक्र चला रही है। उसने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग को खत्म करने की कसम खा ली है। आवामी लीग के कार्यकर्ताओं और नेताओं को पकड़ने के लिए विशेष ओपरेशन चलाया जा रहा है। शेख हसीना की सरकार में हिंसा रोकने वाले पुलिसकर्मियों को भी जेलों में भरा जा रहा है।

शेख हसीना की पार्टी में रहे लोगों पर भी यूनुस सरकार दमनचक्र चला रही है। उन्होंने पकड़ने के लिए यूनुस सरकार ने 'ओपरेशन डेविल हंट' नाम का एक अभियान चलाया है। इसके तहत अब तक 4790 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें से अधिकांश आवामी लीग और ऐसे ही संगठनों से जुड़े हुए लोग हैं। यूनुस सरकार नहीं चाहती कि आवामी लीग के कार्यकर्ता उसकी कारस्तानियों को उजागर करें। ▶10 पर

# यूक्रेन युद्ध पर बातचीत के लिए तैयार हुआ रूस

### सऊदी अरब में होगी क्रेमलिन और अमेरिकी दूत की बैठक

**न्यूयॉर्क, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

भारत और अमेरिका की पहल रंग ला रही है। रूस आखिरकार यूक्रेन के साथ चल रहे संघर्ष को लेकर बातचीत करने के लिए तैयार हो गया है। सऊदी अरब में क्रेमलिन और अमेरिका के कुछ अधिकारियों के बीच इस सिलसिले में बैठक होगी।

लंबे समय से यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के खत्म होने के आसार नजर आने लगे हैं। रूस बातचीत के लिए तैयार हो गया है। क्रेमलिन का कहना है कि शीर्ष रूसी अधिकारी मंगलवार को सऊदी अरब में अमेरिका के साथ संबंधों को बहाल करने और यूक्रेन में युद्ध के मुद्दे पर बातचीत करेंगे। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बताया कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव सोमवार को सऊदी अरब की राजधानी रियाद के लिए रवाना होंगे। वहां मंगलवार को अमेरिकी अधिकारियों के साथ वार्ता करेंगे। ▶10 पर

### वेंकटेश्वर मंदिर और पद्मनाभस्वामी मंदिर के बाद राम मंदिर का स्थान

# अयोध्या के राम मंदिर ने कमाए 700 करोड़

**अयोध्या, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

पर्यटकों और श्रद्धालुओं की पहली पसंद बना अयोध्या का राम मंदिर रोजाना नए-नए रिकॉर्ड बना रहा है। सालाना आय के मामले में राम मंदिर देश का तीसरा सबसे बड़ा मंदिर बन चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से अब तक अयोध्या में 13 करोड़ से अधिक श्रद्धालु व पर्यटक पहुंच चुके हैं। मंदिर की सालाना आय 700 करोड़ के पार पहुंच चुकी है। सालाना आय के मामले में राम मंदिर ने स्वर्ण मंदिर, वैष्णो देवी और शिरडी के साईं मंदिर को पीछे छोड़ दिया है। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित वेंकटेश्वर मंदिर और केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित पद्मनाभ स्वामी मंदिर के बाद राम मंदिर का स्थान आ गया है।

अयोध्या उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहा है। वर्तमान में अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या लगभग दो से पांच लाख के बीच है, जिसके लिए सर्वसुलभ दर्शन एवं ठहराव की

**कमाई के मामले में इन मंदिरों से आगे निकला राम मंदिर**

| मंदिर | स्थान | वार्षिक आय (करोड़ रुपए) |
| --- | --- | --- |
| तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर | आंध्रप्रदेश | 1500-1650 |
| पद्मनाभस्वामी मंदिर | केरल | 750-800 |
| स्वर्ण मंदिर | पंजाब | 650 |
| वैष्णो देवी मंदिर | जम्मू-कश्मीर | 600 |
| शिरडी साईं मंदिर | महाराष्ट्र | 500 |
| जगन्नाथ मंदिर, पुरी | ओडिशा | 400 |
| अक्षरधाम मंदिर | नई दिल्ली | 200-250 |
| सोमनाथ मंदिर | गुजरात | 150-200 |

### स्वर्ण मंदिर, वैष्णो देवी और शिरडी साईं मंदिर को पीछे छोड़ा

व्यवस्था करना एक महत्वपूर्ण चुनौती हो गई है। श्रद्धालुओं के बढ़ते हुए प्रवाह के कारण ही आज अयोध्या का राम मंदिर भारत के 10 महत्वपूर्ण मंदिरों में धार्मिक दान अर्जित करने वाली सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। राम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु निधि समर्पित करते हैं। इसके अलावा सोना-चांदी भी अर्पित करते हैं। उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन के महासचिव प्रो. विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि एक अध्ययन एवं अनुमान के अनुसार वर्ष 2024-25 में आंध्र प्रदेश के तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर की वार्षिक दान राशि लगभग 1500 से 1650 करोड़ रही। द्वितीय स्थान पर केरल तिरुवनंतपुरम का श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर है जिसका ▶10 पर

# पाक आर्मी और आतंकियों में मुठभेड़ 15 दहशतगर्दों समेत 19 की मौत

**इस्लामाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां) ।**

उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के अस्थिर खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में कम से कम 15 आतंकवादी और सेना के चार जवान मारे गए हैं। मारे जाने वालों में कई हाईप्रोफाइल आतंकवादी शामिल बताए जा रहे हैं।

खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान खासतौर पर पाकिस्तानी आर्मी के टारगेट पर है। इस बार खैबर पख्तूनख्वा में सेना और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई है। पाकिस्तानी सेना ने 15 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। साथ ही सेना के 4 जवान भी मारे गए हैं। पाकिस्तान ने अफगान तालिबान पर आतंकवादियों को शह देने का आरोप लगाया है।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के एक बयान के अनुसार, इंटेलिजेंस रिपोर्ट के बाद डेरा इस्माइल और उत्तर वजीरिस्तान जिलों में स्पेशल कैंपेन चलाया गया। पडेरा इस्माइल खान जिले के हठाला क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को उनके ठिकाने सहित घेर लिया। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई।

आईएसपीआर ने बताया कि इनमें से 9 आतंकवादी हाईप्रोफाइल बताए गए हैं। फार्मान उर्फ साकिब, खारजी अमानुल्लाह उर्फ तोरी, खारजी सईद उर्फ लियाकत और खारजी बिलाल जैसे कुख्यात आतंकियों को मारने का दावा किया गया है। ये सभी आतंकवादी क्षेत्र में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे और वॉन्टेड की लिस्ट में शामिल थे। नॉर्थ वजीरिस्तान जिले के मीरानशाह क्षेत्र में भी मुठभेड़ हुई। यहां सुरक्षा बलों ने 6 आतंकवादियों को प्रभावी ढंग से निष्क्रिय कर दिया। पाकिस्तान आर्मी ने बताया कि लाहौर के 21 साल के लेफ्टिनेंट मुहम्मद हसन अरशफ अपने तीन साथियों के साथ मारे गए हैं। तीन सैनिकों की पहचान नायब सूबेदार मुहम्मद बिलाल, 39, निवासी डेरा इस्माइल खान जिला; सिपाही फरहत उल्लाह, 27, निवासी लक्की मरवत जिला, और सिपाही हिमत खान, 29, निवासी मोमंद जिला के रूप में हुई है।

## न्यूज ब्रीफ

### दो साल बाद खाई दिवंगत पति के हाथ की सब्जी तो हुई भावुक

**फ्लोरिडा।** अमेरिका की एक महिला ने अपने दिवंगत पति के हाथ की बनी हुई सब्जी को दो साल बाद खाया और भावुक हो गई। 32 साल की सब्रीना इंस्टाग्राम पर अपने जीवन से जुड़ी कहानियां साझा करती हैं। उनके पति टोनी का 2022 में निधन हो गया था। हाल ही में जब वह लॉस एंजेलिस से न्यूयॉर्क शिफ्ट हो रही थीं, तब उन्होंने एक वीडियो बनाया जिसमें वह एक कटोरी में पति के हाथ की बनी सब्जी खाते हुए नजर आईं। सब्रीना ने बताया कि जिस दिन टोनी की मौत हुई थी, उसी दिन उन्होंने यह सब्जी बनाई थी। इस गहरे दुख के बीच सब्रीना ने उस खाने को फ्रीजर में स्टोर कर दिया और दो साल तक संभालकर रखा। जब वह अपने पुराने घर को छोड़ने जा रही थीं, तो उन्होंने फैसला किया कि इस सब्जी को फेंकने के बजाय खुद खाकर अपने पति को एक बार फिर महसूस करेंगी। वीडियो में सब्रीना ने बताया कि इस सब्जी में कई तरह की सब्जियां और मीट डाला गया था। इसे खाते वक्त उनकी आंखों में आंसू आ गए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और 67 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। लोगों ने वीडियो पर भावुक प्रतिक्रिया दी। किसी ने लिखा, यह वीडियो देखकर दिल भारी हो गया। एक अन्य यूजर ने कहा, मरने के बाद भी उसने तुम्हारा पेट भर दिया। किसी ने इसे प्यार और यादों को संजोने का सबसे अनोखा तरीका बताया। जब कोई अपना इस दुनिया को छोड़कर चला जाता है, तो उसकी यादें जीवनभर हमारे साथ रहती हैं। प्रियजनों की छोटी-छोटी चीजें भी हमें उनकी मौजूदगी का एहसास दिलाती हैं।

### स्टारलिंक बांग्लादेश में देगी इंटरनेट सेवा! यूनुस ने की मस्क से बात

**ढाका।** एलन मस्क की स्टारलिंक कंपनी करीब 100 देशों में अपनी सेवा दे रही है और जल्दी ही इस सूची

में भूटान के बाद बांग्लादेश का नाम भी जुड़ सकता है। बांग्लादेश सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने एक ट्वीट में इसकी जानकारी दी। मस् की कंपनी ने अब तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। यूनुस का दावा है कि उन्होंने स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए संभावित सहयोग पर मस्क के साथ बातचीत की है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बांग्लादेश में जल्द ही यह सेवा शुरू हो जाएगी। मोहम्मद यूनुस ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश में स्टारलिंक की सर्विस शुरू करने के लिए मस्क ने आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि हाई-स्पीड और कम लागत वाली इंटरनेट कनेक्टिविटी बांग्लादेश में डिजिटल विभाजन को पाट सकती है। इससे पिछड़े इलाकों में एजुकेशन, हेल्थ सर्विसेज और इकनॉमिक ग्रोथ को सशक्त बनाया जा सकता है। साथ ही लाखों छोटे कारोबारियों को ग्लोबल प्लेटफॉर्म मिल सकता है। इससे देश में लाखों लोगों के लिए नए अवसर पैदा होंगे और देश को वैश्विक डिजिटल अर्थव्यवस्था में और ज्यादा निकटता से एकीकृत किया जा सकेगा। स्टारलिंक ने हाल में भूटान में भी अपनी सर्विस शुरू की है। कंपनी ने भारत में भी लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। मस्क ने हाल ही में पीएम मोदी के साथ मुलाकात की थी। माना जा रहा है कि जल्द ही स्टारलिंक और टेस्ला की भारत में एंट्री हो सकती है। स्टारलिंक और ऐमजॉन भारत में सैटेलाइट से ब्रॉडबैंड सेवाएं लाने के लिए अपने लो-अर्थ ऑर्बिट सैटेलाइट का इस्तेमाल करने की योजना बना रही हैं।

### सैकडों जगह आवेदन देने के बाद मिली नौकरी तो मात्र 10 मिनट में छोडी

**लंदन।** ब्रिटेन की रहने वाली 32 वर्षीय सोफी वॉर्ड ने ऑस्ट्रेलिया में नौकरी पाने के लिए सैकड़ों जगहों पर

आवेदन किया। लंबे स्ट्रगल के बाद नौकरी मिली, तो महज 10 मिनट में ही उन्होंने वह नौकरी छोड़ दी । सोफी पिछले कुछ महीनों से ऑस्ट्रेलिया में नौकरी ढूंढ रही थीं। उन्होंने ग्रोसरी स्टोर्स, रिटेल शॉप्स, ऑफिस और कई अन्य क्षेत्रों में आवेदन किया था। कई बार उन्हें रिजेक्शन झेलना पड़ा और कहीं-कहीं इंटरव्यू के नाम पर धोखा भी मिला। आखिरकार, उन्हें एक चाइल्ड केयर सेंटर में नौकरी मिल गई। यह उनके लिए नया अनुभव था, लेकिन नौकरी मिलने की खुशी में उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। सोफी जब पहले दिन काम पर पहुंचीं, तो जैसे ही उन्होंने चाइल्ड केयर सेंटर में कदम रखा, उन्हें एहसास हुआ कि यह उनके बस की बात नहीं है। सेंटर के एक कमरे में 10 छोटे बच्चे थे, जो जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। कुछ रो रहे थे, तो कुछ इधर-उधर भाग रहे थे। यह माहौल देखकर सोफी परेशान हो गईं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि बच्चों को कैसे संभालें। मुश्किल से 10 मिनट तक वहां टिकने के बाद वे सेंटर से भाग निकलीं। सोफी इतनी घबरा गई थीं कि वे अपना पास्ता का डिब्बा भी वहीं छोड़कर भाग गईं।

# डॉ. जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद, बिम्सटेक सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

**मस्कट में मॉरीशस, मालदीव, नेपाल, भूटान और श्रीलंका के अपने समकक्षों के साथ भी डॉ. जयशंकर ने की बैठक**

**मस्कट, 17 फरवरी (एजेंसियां) ।**

ओमान में आठवें हिंद महासागर सम्मेलन के मंच से इतर रविवार को भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद से मुलाकात हुई। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों और बिम्सटेक पर विस्तृत चर्चा हुई।

विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट साझा कर बताया है कि, उनकी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन से मुलाकात हुई। उन्होंने लिखा कि मोहम्मद तौहीद हुसैन से बातचीत द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ बिम्सटेक पर केंद्रित थी।

बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (बिम्सटेक) में सात देश बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमा, भूटान और नेपाल शामिल हैं। बांग्लादेश, इस साल 2-4 अप्रैल को बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन की अगली अध्यक्षता करेगा। हुसैन ने द्विपक्षीय संबंधों में और तनाव को रोकने के प्रयासों के तहत यह मुलाकात की। में पिछले साल शेख हसीना सरकार के पतन के बाद दोनों देशों के संबंधों में आई कड़वाहट के बाद उच्च स्तर पर हुई यह पहली मुलाकात है। पिछले साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए थे। जिसके बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देने को मजबूर होना पड़ा था और वे भारत आ गईं। बांग्लादेश में चल रही मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान हिंदुओं सहित व्यापक स्तर पर अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ गए। तब से दोनों देशों के बीच तनाव जारी है।

ओमान में आयोजित आठवें हिंद महासागर सम्मेलन के मंच से इतर विदेश मंत्री जयशंकर ने बांग्लादेश के अतिरिक्त मॉरीशस, मालदीव, नेपाल, भूटान और श्रीलंका के अपने समकक्षों के साथ बैठकें कीं। जयशंकर ने मॉरीशस के अपने समकक्ष धनंजय रितेश रामफल से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच दोस्ती को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला खलील के साथ भी बैठक की। डॉ. जयशंकर ने एक्स पर इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा कि भारत-मालदीव सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत हुई। हमारे सहयोग के कई पहलुओं पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

जयशंकर ने अपने श्रीलंकाई समकक्ष विजेता हेराथ से भी मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग पर चर्चा की। उन्होंने श्रीलंका की आर्थिक सुधार और प्रगति के लिए भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

डॉ. जयशंकर ने नेपाल की समकक्ष आरजू राणा देउबा से भी मुलाकात की जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की और संबंधों को मजबूत करने की आशा व्यक्त की।

जयशंकर ने अपने भूटान समकक्ष डीएन धुंगयेल के साथ बैठक कर द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने पर चर्चा की। डॉ. जयशंकर ने एक्स पर लिखा- मस्कट में एफएम भूटान डी.एन. धुंगयेल के साथ बात करके खुशी हुई। हमारी चर्चा हमारे द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर केंद्रित थी।

# पाकिस्तान से कैलिफोर्निया तक कांपी धरती, पीओके में भी आए झटके

**इस्लामाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां) ।**

**बीते रोज पाकिस्तान में देर रात धरती कांपने लगी। इससे लोगों में हड़कंप मच गया। कई लोग नींद थे उन्हे जगाया गया और बाहर निकलने को कहा गया। हालांकि कोई क्षति नहीं हुई है। वहीं अमेरिका के कैलिफोर्निया में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।**

पाकिस्तान के रावलपिंडी और इस्लामाबाद में शनिवार देर रात जब लोग सो रहे थे, तभी भूकंप के कारण धरती हिल गई। पाकिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, भूकंप का केंद्र रावलपिंडी से आठ किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में था। इसकी गहराई 17 किलोमीटर थी। भूकंप का झटका रात 10:48 बजे दर्ज किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक झटके मुरी और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भी महसूस किए गए।

झटके के कारण अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप के झटकों ने दोनों शहरों में दहशत फैला दी, जिसके बाद लोग अपने घरों और दुकानों से बाहर निकल आए। इससे पहले नवंबर में भी अफगानिस्तान के दख्शां क्षेत्र में आए भूकंप के झटके खैबर पख्तूनख्वा और इस्लामाबाद के विभिन्न शहरों में महसूस किए गए।

कैलिफोर्निया में शुक्रवार शाम 3.7 तीव्रता का भूकंप आया। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप रात 11:44 बजे आया। भूकंप 15.3 किमी की गहराई में आया। भूकंप का केंद्र मालिबू से 11 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित था। थाउजेंड ओक्स, ऑक्सनार्ड, सिमी वैली और वेंचुरा में झटके महसूस किए गए और लॉस एंजिल्स के कुछ निवासियों ने भी झटके की सूचना दी। भूकंप से किसी तरह के नुकसान की रिपोर्ट सामने नहीं आई है। भूकंप के झटके पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों के हिलने या टकराने से पैदा होते हैं। जब प्लेटों के बीच मौजूद ऊर्जा अचानक मुक्त होती है, तो धरती हिलने लगती है।

## मुस्लिम देश दुनिया में कराएंगे शांति! सऊदी अरब में तीन देश मिलकर करेंगे बात

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में संकेत दिया था कि वे आने वाले भविष्य में सऊदी अरब में पुतिन से मिल सकते हैं। लेकिन उन्होंने यह भी कहा है कि कोई औपचारिक निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा था, 'हम सोचते हैं कि शायद सऊदी अरब में मिलेंगे, यह पहली मुलाकात होगी।' राष्ट्रपति ने यह भी संकेत दिया है कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान इन चर्चाओं में भूमिका निभाएंगे। अब ट्रंप प्रशासन ने रूस और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन का प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में युद्ध खत्म करने को लेकर यूक्रेनी और रूसी वार्ताकारों से बातचीत शुरू करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत तुरंत शुरू होगी। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ एक लंबी बातचीत की थी।

# रूस ने रातभर दागे ड्रोन, बुनियादी ढांचे को पहुंचा नुकसान : यूक्रेन

**कीव , 18 फरवरी (एजेंसियां) ।** यूक्रेन ने रविवार को दावा किया कि रूस ने रातभर करीब 143 ड्रोन दागे जिनमें 95 को मार गिराया गया। जबकि 46 संभवत: इलेक्ट्रॉनिक जवाबी कार्रवाई के कारण अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि हमलों में कम से कम एक व्यक्ति घायल हो गया और दक्षिणी शहर माइकोलाइव में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की इमारत में आग लग गई। इसके साथ ही कीव क्षेत्र में घरों को नुकसान पहुंचा।माइकोलाइव क्षेत्र के गवर्नर विटाली किम ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर बताया कि शहर में लगी आग को जल्द बुझा दिया गया। यह स्पष्ट नहीं है कि किस बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है।

ड्रोन के मलबे के गिरने से पांच अपार्टमेंट इमारतें, कई दुकानें और कार्यालय क्षतिग्रस्त हो गए।यूक्रेन की स्टेट इमरजेंसी सर्विस ने टेलीग्राम पर बताया कि कीव राजधानी क्षेत्र में ड्रोन हमले में कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ।

रूस के पास अब यूक्रेन का 20त्न हिस्सा है और वह धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ रहा है।

इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक ट्वीट में आरोप लगाया कि रूस को अपनी मौजूदा स्थिति में सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए युद्ध की आवश्यकता है, और वह हर दिन यूक्रेन पर बमबारी करके लड़ाई जारी रखने के अपने इरादे को साबित करता है।

जेलेंस्की ने कहा, अकेले इस सप्ताह, रूस ने हमारे लोगों के खिलाफ लगभग 1,220 हवाई बम, 850 से अधिक हमलावर ड्रोन और विभिन्न प्रकार की 40 से अधिक मिसाइलें लॉन्च की हैं।

उन्होंने कहा, यूक्रेन खुद का बचाव कर रहा है - हम अपने योद्धाओं की बहादुरी और अपने सहयोगियों के समर्थन की बदौलत खड़े हैं और लड़ रहे हैं। लेकिन हमें यूक्रेन के लोगों की जान बचाने के लिए और अधिक वायु रक्षा प्रणालियों की आवश्यकता है।

जेलेंस्की ने कहा कि यूरोप, अमेरिका और हमारे सभी भागीदारों के साथ मिलकर हम इस युद्ध को न्यायपूर्ण और स्थायी शांति के साथ समाप्त कर सकते हैं।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सप्ताह यूरोपीय सहयोगियों और यूक्रेन को चौंकते हुए पुतिन को फोन किया और शांति वार्ता की तत्काल शुरुआत की घो-षणा की।

# मानोएल और मारिया की उम्र 100 से ऊपर, अभी भी नहीं रहे एक दूसरे के बगैर

**55 पोते-पोतियां, 54 परपोते और 12 परपरपोतों का है परिवार**

**ब्राजीलिया, 17 फरवरी (एजेंसियां) ।**

ब्राजील के एक दंपति मानोएल (105) और मारिया (101) ने सबसे लंबे शादीशुदा जीवन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। दोनों 84 साल से एक साथ हैं और उनके 100 से ज्यादा पोते-पोतियां हैं। दोनों की शादी को कई साल हो गए हैं, जितना बहुत से लोगों की उम्र भी नहीं होती है। मानोएल और मारिया ने 1940 में ब्राजील के सियारा राज्य के बोआ वेंचुरा चैपल में शादी की थी। यह एक ऐसा समय था जब दुनिया बहुत अलग थी। तब तक ब्राजील फीफा वर्ल्ड चैंपियन नहीं बना था। दुनिया के पहले प्रोग्रामेबल इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर का आविष्कार नहीं हुआ था।

मानोएल और मारिया ने लव मैरिज की थी। इनकी प्रेम कहानी 1936 में शुरू हुई थी, जब मानोएल बोआ विएजम के अल्मीडा क्षेत्र में रपादुरास का एक शिपमेंट लेकर पहुंचे थे। रपादुरास ब्राजील की पारंपरिक मिठाई का नाम है। जब वह डिलीवरी के लिए पहुंचे थे, तभी उनकी मुलाकात मारिया से हुई। पहली मुलाकात में दोनों का रिश्ता नहीं बना।

साल 1940 में उनके बीच फिर जुड़ाव पैदा हुआ। मानोएल को यकीन हो गया कि मारिया ही उनकी जीवनसंगिनी हैं और उन्होंने अपने प्यार का इजहार कर दिया। मारिया ने तब उनकी बात मान ली और दोनों का रिश्ता जुड़ गया।

शुरुआत में मारिया की मां दोनों के रिश्ते पर संदेह कर रही थीं लेकिन मानोएल अपनी लगन से उनका दिल जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने घर बनाना शुरू किया, परिवार की मंजूरी मिलने के बाद दोनों ने शादी कर ली। अपना परिवार चलाने के लिए दशकों तक उन्होंने तंबाकू की खेती की। उनके 13 बच्चों हुए, जिनसे आगे चलकर 55 पोते-पोतियां, 54 परपोते और 12 परपरपोतों का बड़ा परिवार बना।

## माली में सोने की खदान ढहने से 48 की मौत, 10 गंभीर रुप से घायल

**माली।** पश्चिम अफ्रीकी के माली में सोने की खदान ढहने से 48 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं। बताया जा रहा है कि यह खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी। यह हादसा कायेस क्षेत्र के केनीबा जिले में स्थित डाबिया कम्यून के एक गांव बिलालकोटो में हुआ। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारी ने कहा कि कैटरपिलर मशीन एक कारीगर खदान पर गिर गई, जहां महिलाएं सोने की तलाश का काम कर रही थीं। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि 48 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 10 गंभीर रूप से घायल हुए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों ने बताया कि करीब 50 मौतों की रिपोर्ट है। अभी अस्थायी तौर पर भी सटीक संख्या की पुष्टि करना मुश्किल है, क्योंकि कुछ चोटों की गंभीरता के कारण किसी भी समय यह संख्या बढ़ सकती है। राहत और बचाव कार्य जारी है। इस तरह की एक घटना कौलीकोरो क्षेत्र के कंगाबा जिले के डांगा इलाके में हुई थी। 29 जनवरी को खनन स्थल पर सोने की खदान ढहने से करीब 10 लोगों की मौत हो गई थी। कुछ दिनों पहले भी माली की सेना की निगरानी में जा रहे वाहनों के काफिले पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया था। इस घटना में 25 लोग मारे गए थे। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि मरने वालों में अधिकतर सोने की खदान में काम करने वाले मजदूर थे। यह हमला देश के उत्तर-पूर्व में स्थित सबसे बड़े शहर गाओ से करीब 30 किलोमीटर दूर हुआ, जहां सत्तारूढ़ जुंटा के विरोधी सशस्त्र समूह सक्रिय हैं। यह इस साल नागरिकों पर किया गया सबसे घातक हमला था।

राष्ट्र प्रथम
बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे
Best Wishes
BS
Basai Steels And Power (P) Ltd.
MANUFACTURERS OF
BILLETS | POWER | SPONGE IRON & M.S & G.P PIPE 15mm to 150mm
SQUARE, RECTANGULAR & ROUND PIPES IN ALL REGULAR THICKNESS
A-23/586, APIE, Balanagar, Hyderabad 500037
Cell: 9848030471,7799555555
gopalagarwal@basaisteels.com
Ward No 3, Plot No 412, Sidiginamola Village
Bellary-Alur Highway, Bellary 583138
www.basaisteels.com

# हेमा मालिनी के इश्क में दीवाने थे संजीव कुमार!

## मुमताज संग एक फिल्म ने बना दिया था सुपरस्टार, पढ़ाई के लिए बेच दिए थे मां के गहने

हेमा मालिनी को चाहने वाले एक्टर की बात करें तो बस धर्मेंद्र की तस्वीर ही जेहन में आती है। लेकिन बॉलीवुड में एक सितारा और था जो बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल पर पूरी तरह फिदा था। ये एक्टर एक मंझा हुआ अभिनेता था, जो अलग-अलग फ्लेवर से सजे किरदारों में बड़े पर्दे पर नजर आया। जिसने अपनी एक्टिंग से न सिर्फ दर्शकों बल्कि आलोचकों को भी अपना दीवाना बना दिया था। ये एक्टर थे संजीव कुमार, जिन्होंने बमुश्किल 30 फिल्मों में ही काम किया। लेकिन इन फिल्मों से ही वो दर्शकों के दिलों को छू गए। फिल्मों में आने से पहले संजीव कुमार ने बेहद गरीबी से भरे दिन भी देखे।

**पढ़ाई की खातिर बेचने पड़े गहने**

संजीव कुमार जितने उम्दा कलाकार थे पढ़ाई करने के भी उतने ही शौकीन थे। लेकिन बचपन में उनके हालात बहुत जुदा थे। उन्होंने बचपन में बेहद गरीबी वाला दौर देखा। हालात ये थी कि उन्हें अपनी पढ़ाई करने के लिए मां के गहने बेचने तक की नौबत आ गई थी। लेकिन संजीव कुमार खुद इस बात के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन मां जानती थी कि संजीव पढ़ाई करना चाहते हैं। इसलिए मां ने ही उन्हें मजबूर किया और अपने गहने दिए और बेचने को कहा, जिससे संजीव कुमार की फीस भरी गई और एडमिशन करवाया जा सका।

**ब्लॉकबस्टर थी खिलौना फिल्म**

संजीव कुमार ने एक्टिंग की दुनिया में आते ही अपने हुनर से बहुत जल्दी दर्शकों को इंप्रेस कर लिया। उस दौर की शायद ही कोई ऐसी एक्ट्रेस थी जिसके साथ संजीव कुमार ने काम न किया हो। हेमा मालिनी के साथ उन्होंने सीता गीता मूवी में काम किया था। हालांकि धर्मेंद्र की वजह से वो हेमा मालिनी के बहुत करीब कभी नहीं जा सके। साल 1970 में संजीव कुमार ने मुमताज के साथ फिल्म की थी, जिसका नाम था खिलौना। इस फिल्म में संजीव कुमार मेंटली डिस्टर्ब शख्स के रूप में थे। ये फिल्म उस दौर की ब्लॉकबस्टर मूवी थी।

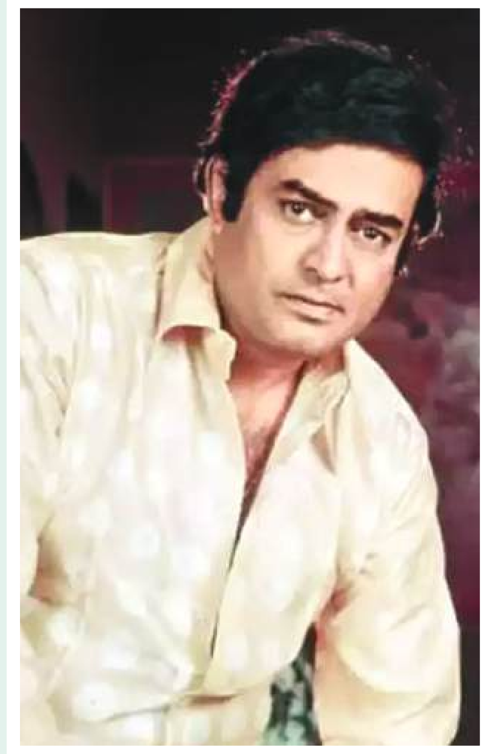

# सालगिरह पर स्वरा ने फहाद को दी मुबारकबाद

## बोलीं- तुमने रोशन की मेरी जिंदगी

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने शादी की दूसरी सालगिरह पर पति फहाद अहमद को मुबारकबाद दी। सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर अभिनेत्री ने बताया कि फहाद ने उनकी जिंदगी को रोशन किया और वह उनका 'सेफ स्पेस' हैं। इंस्टाग्राम पर फहाद के साथ खास तस्वीरें शेयर करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, हमारे साथ बिताए खुशी और झगड़े वाले समय को, खट्टे-मीठे पलों को दो साल हो गए। फहाद और मैं अपने इस जल्दबाजी में लिए गए फैसले को लेकर बहुत खुश हैं। स्वरा ने फहाद को मुबारकबाद देते हुए कहा कि वह न केवल उनकी सबसे सुरक्षित जगह हैं, बल्कि जिंदगी को रोशन भी किया है।

भास्कर ने लिखा, हैप्पी एनिवर्सरी लव। तुम मेरा सेफ स्पेस हो और तुमने मेरी जिंदगी को रोशन किया है। हाल ही में स्वरा भास्कर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने पति फहाद अहमद को खास अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। अभिनेत्री ने फहाद को 'शहजादा' और 'प्यारा चोर' का नाम दिया था।

इंस्टाग्राम पर 12 तस्वीरों को शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा था, शहजादे को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! हालांकि एक चेतावनी भी है क्योंकि वह हेडफोन, परफ्यूम, टॉयलेटरीज और पत्नी की हर एक अच्छी चीज को चुरा लेता है, वह दिल भी चुरा लेता है। इसके साथ ही उन्होंने 'भाई' शब्द का

भी इस्तेमाल किया।

स्वरा ने लिखा, जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं जान! आपका साल बेहतरीन रहे और हमेशा की तरह भाई का कॉन्फिडेंस बरकरार रहे। स्वरा ने 16 फरवरी 2023 को अपने खास दोस्त फहाद अहमद के साथ कोर्ट मैरिज की थी। एक्ट्रेस से उनकी मुलाकात साल 2020 में एक प्रोटेस्ट के दौरान हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी। फिर उनका दोस्ती से शुरू हुआ रिश्ता शादी के मुकाम तक पहुंच गया। स्वरा और फहाद को एक बेटी है, जिसका नाम उन्होंने राबिया रखा है।

फहाद के बारे में बता दें कि वह राजनीतिक पृष्ठभूमि से संबंध रखते हैं। फहाद इसी साल अक्टूबर में समाजवादी पार्टी छोड़कर एनसीपी-एसपी में शामिल हुए थे। वह पिछले साल हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुंबई के अणुशक्ति नगर सीट से लड़े। कांटे की टक्कर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

## हरिद्वार, दिल्ली, मुंबई से लेकर स्कॉटलैंड तक

# मेरे हसबैंड की बीवी में दिखेंगे देसी और विदेशी नज़ारे!

मेरे हसबैंड की बीवी एक बेहतरीन विजुअल ट्रीट है, जो भारतीय स्थलों की खूबसूरती को अंतरराष्ट्रीय लोकेशंस के साथ शानदार तरीके से जोड़ती है। फिल्म दर्शकों को दिल्ली और मुंबई की हलचल भरी गलियों से लेकर हरिद्वार की शांति और स्कॉटलैंड की सुरम्य वादियों तक का सफर कराती है। ये अलग-अलग लोकेशंस न सिर्फ कहानी को और खास बनाते हैं, बल्कि दर्शकों को एक समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक अनुभव भी देते हैं।हाल ही में रिलीज़ हुआ गाना इक्क वारी स्कॉटलैंड की खूबसूरती को शानदार तरीके से पेश करता है, जो फिल्म की कहानी में एक ताज़गी भरा एहसास जोड़ता है। इन विविध लोकेशंस पर शूटिंग के ज़रिए 'मेरे हसबैंड की बीवी' एक आकर्षक विजुअल अनुभव देने का वादा करती है, जो इसकी दिलचस्प कहानी को और मज़बूती देता है। वाशु भगनानी और पूजा एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत और वाशु भगनानी, जैकी भगनानी और दीपशिखा देशमुख द्वारा निर्मित यह फिल्म 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

## बढ़ी हुई दाढ़ी, इंटेंस लुक में दिल टूटे आशिक बने कार्तिक आर्यन

# फिल्म आशिकी 3 का फर्स्ट लुक रिवील

आशिकी और आशिकी 2 की अपार सफलता के बाद दर्शक इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म की तीसरी कड़ी आशिकी 3 का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। वहीं पिछले कुछ दिनों से चर्चा थी कि आशिकी 3 के लिए कार्तिक आर्यन को चुना गया है। अब लगता है कि मेकर्स ने इंतजार खत्म कर दिया है लेकिन छोटे से सस्पेंस के साथ। टी सीरीज के भूषण कुमार ने कार्तिक आर्यन स्टारर म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है लेकिन आशिकी 3 कहीं भी मेंशन नहीं किया। लेकिन टीजर देखकर लोग कह रहे हैं कि यही आशिकी 3 है।कार्तिक आर्यन ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट लुक शेयर किया, जिसमे कार्तिक काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। वे गिटार लेकर मंच पर आते हैं और गाना शुरू करते हैं। कार्तिक आर्यन की अपकमिंग म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म का फर्स्ट लुक और रिलीज डेट सामने आ गई है। तू मेरी आशिकी है, गाते हुए कार्तिक एकदम दिल टूटे आशिक की तरह लग रहे हैं। टीजर रिलीज करते हुए कार्तिक ने लिखा, इस दिवाली। उन्होंने अनुराग बासु, भूषण कुमार, प्रीतम को टैग भी किया है।मेकर्स ने म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म की हीरोइन को भी इस फर्स्ट लुक में रिवील कर दिया है।

इस फिल्म में कार्तिक आर्यन कोई और नहीं बल्कि साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला संग रोमांस करते दिखेंगे। फिल्म दिवाली 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।मेकर्स ने फर्स्ट लुक के साथ फिल्म का नाम मेंशन तो नहीं किया लेकिन लोग यही कह रहे हैं कि यही आशिकी 3 है। क्योंकि काफी टाइम से कार्तिक इस फिल्म को लेकर चर्चा बटोर रहे थे। वहीं जब वे गाने में भी तू ही आशिकी है।।जैसे लिरिक्स से भी पता चलता है कि ये रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म आशिकी 3 है। जो भी हो लेकिन दर्शक इसे लेकर काफी एक्साइटेड हो गए हैं।

# छावा ने दूसरे दिन भी की ताबड़तोड़ कमाई

# दो दिन में सिनेमाघरों में मचाई धूम

14 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली छावा वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज होने वाली बिग्गेस्ट ओपनर बनकर उभरी। फिल्म ने पहले ही दिन 33.10 करोड़ का बिजनेस कर गली बॉय का रिकॉर्ड तोड़ दिया। जबरदस्त ओपनिंग करने के बाद विक्की की फिल्म ने दूसरे दिन भी शानदार कमाई की है, जानें फिल्म का दो दिनों का कलेक्शन।विक्की कौशल की छावा ने पहले दिन 33.1 करोड़ रूपये कमाए। वहीं दूसरे दिन के कलेक्शन की

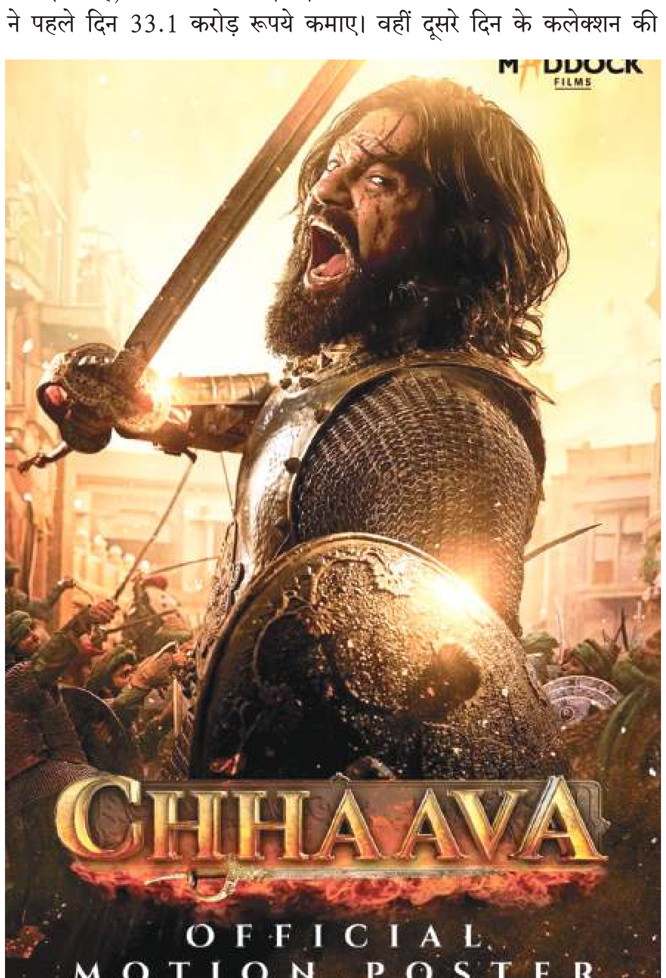


बात करें तो फिल्म ने कमाई में बढ़त दर्ज करते हुए 36.5 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म का दो दिनों का कलेक्शन 69.6 करोड़ हो गया है। फिल्म ने सिनेमाघरों में ओ-वरऑल 50.39त्न ऑक्यूपेंसी दर्ज की। सबसे ज्यादा ऑक्यूपेंसी नाइट शोज में दर्ज की गई। छावा, कैप्टन अमेरिका: ब्रेव न्यू वर्ल्ड, लवयापा और बैडएस रविकुमार का सामना कर रही है। वहीं सनम तेरी कसम की री रिलीज़ से भी फिल्म का क्लैश है। इसके बावजूद फिल्म ने दो दिनों में बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। अगर तीसरे दिन फिल्म का कलेक्शन 30 करोड़ से ऊपर से रहा तो फिल्म का वीकेंड कलेक्शन 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी।विक्की कौशल की फिल्म 33.1 करोड़ के कलेक्शन के साथ वैलेंटाइन वीक की बिग्गेस्ट ओपनर बन गई है। इससे पहले यह रिकॉर्ड रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की गली बॉय के नाम था। गली बॉय 2019 में रिलीज हुई थी और इसने 19.40 करोड़ की ओपनिंग की थी।छावा ने साल 2025 की सबसे बड़ी ओपनर बनी है इसने अक्षय कुमार और वीर पहाड़िया की गणतंत्र दिवस पर रिलीज हुई स्काई फोर्स को पीछे छोड़ा है। स्काई फोर्स ने पहले दिन ? 15।30 करोड़ की कमाई के साथ ओपनिंग की थी।यह फिल्म विक्की कौशल के करियर की सबसे बड़ी ओपनर साबित हुई है इसने उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक की कमाई को पछाड़ते हुए ये कारनामा किया है जिसने 8.20 करोड़ की कमाई की थी।छावा ने कई हिस्टोरिकल पीरियड फिल्मों के ओपनिंग कलेक्शन को भी धूल चटाई है। फिल्म ने पद्मावत (24 करोड़), बाजीराव मस्तानी (12.80 करोड़), केसरी (21.06 करोड़) और तान्हाजी (15.10) करोड़ को पीछे छोड़ दिया है।विक्की कौशल ने अपनी फिल्म बैड न्यूज के नेट लाइफ टाइम को कलेक्शन को 2 दिनों में पछाड़ दिया है। बैड न्यूज 64.51 करोड़ का घरेलू कलेक्शन किया था।छावा छत्रपति संभाजी महाराज की कहानी है जिन्होंने क्रूर मुगल शासक औरंगजेब से मराठा साम्राज्य की रक्षा की और अपने प्राण तक न्यौछावर कर दिए। फिल्म में विक्की कौशल ने लीड रोल प्ले किया है। उनकी पत्नी के रूप में रश्मिका मंदाना ने महारानी येसूबाई भोंसले का किरदार निभाया है। फिल्म में औरंगजेब का किरदार अक्षय खन्ना ने निभाया है। छावा को लक्ष्मण उटेकर ने निर्देशित किया है और इसे मैडोक फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है।

# चुनौतियों का सामना करना जारी रखूंगी : खुशबू राजेंद्र

अभिनेत्री खुशबू राजेंद्र को राहुल कुमार तिवारी और रोलिंग टेल्स प्रोडक्शन के नए शो राम भवन में मुख्य भूमिका ईशा मिश्रा के रूप में लिया गया है। यह नाटक सामाजिक मुद्दों पर गहराई से चर्चा करता है, जो महाकाव्य पौराणिक कथा रामायण से समानताएं दर्शाता है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान खुशबू राजेंद्र ने ईशा मिश्रा की भूमिका की तैयारी के दौरान अपनी चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने खुलासा किया, मुझे कार चलाना नहीं आता था, और मैंने बीच में ही सीख लिया। यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब तक सब ठीक है। उम्मीद है कि मैं आगे भी सीखती रहूंगी, और चुनौतियों का सामना करूंगी और टीम के साथ मिलकर उनसे पार पाऊंगी।राम भवन से जुड़कर बेहद उत्साहित, उन्होंने कहा, मैं इस प्रोडक्शन हाउस से जुड़कर बेहद रोमांचित हूं, खासकर राहुल सर। पूरी टीम गर्मजोशी से स्वागत करती है और कहानी कहने में बहुत सावधानी बरतती है। वे शूटिंग शुरू होने से पहले ही बारीक विवरणों, खासकर किरदारों के बीच की गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। खुशबू राजेंद्र ने यह भी दावा किया कि राम भवन सिर्फ एक पारिवारिक ड्रामा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह शो आज के समाज से जुड़े विषयों को दर्शाता है, जिसमें घरों के भीतर सत्ता का संतुलन और आधुनिक रिश्तों की चुनौतियां शामिल हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया, कहानी आज की दुनिया से गहराई से जुड़ी हुई है। यह वही पुराना ड्रामा नहीं है जो सदियों से दोहराया जाता रहा है। इसके बजाय, यह जटिल, विस्तृत और अच्छी कहानी कहने पर आधारित है। यह शो पौराणिक कथाओं और समकालीन मुद्दों का एक बेहतरीन मिश्रण है। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, रामायण और रामभवन की वर्तमान वास्तविकता के बीच समानताएं इस कहानी को इतना खास बनाती हैं। मेरा किरदार, ईशा, इस घर में रोशनी लाता है और एक आधुनिक सीता का रूप धारण करता है। दर्शकों पर शो के प्रभाव के बारे में अपनी आशा व्यक्त करते हुए खुशबू राजेंद्र ने कहा, मैं रामभवन की दुनिया में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इसमें जुड़ने के लिए बहुत कुछ है, और मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि दर्शक कहानी से कैसे जुड़ते हैं।

# कुंभ राशि में बनेगी बुध, सूर्य और शनि की युति

फरवरी में सूर्य, बुध और शनि का त्रिग्रही योग बनेगा। सूर्य, शनि और बुध जैसे तीन बड़े ग्रहों का एक साथ एक ही राशि में गोचर करना बहुत ही अद्भुत संयोग माना जा रहा है। 11 फरवरी को बुध ग्रह मकर राशि से निकल कर कुंभ राशि में गोचर कर गए हैं। ये ग्रह 27 फरवरी तक इसी राशि में रहेगा। मकर की तरह कुंभ भी शनि की ही राशि है।

इस राशि में बुध के होने से कई लोगों की आर्थिक स्थिति में बदलाव होने के योग बनेंगे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस समय कुम्भ राशि में सूर्य देव 12 फरवरी को प्रवेश कर चुके हैं । सूर्य भी 14 मार्च तक कुंभ में ही रहने वाले हैं। ऐसे में 12 फरवरी से 27 फरवरी तक कुंभ राशि में सूर्य बुध और शनि की युति होगी जो की देश पर एक व्यापक प्रभाव डालेगी। इससे कुछ लोगों को लेन-देन और निवेश में नुकसान और विवाद होने के योग बनेंगे, वहीं कुछ लोगों के आर्थिक मामलों में रुकावटें आ सकती हैं।

खरीदी-बिक्री, लेन-देन, निवेश, वाणी, अभिव्यक्ति, कैलकुलेशन और बुद्धि पर इस ग्रह का असर पड़ता है। बुध के राशि परिवर्तन से पत्रकार, वकालात, बिजनेस और शेयर मार्केट से जुड़े लोग ज्यादा प्रभावित होते हैं।

बुध कम्युनिकेशन का ग्रह है। बुध ग्रह के अधिदेवता भगवान विष्णु हैं। बुध व्यापार के देवता तथा व्यापारियों के रक्षक हैं। बुध चन्द्र और तारा के पुत्र है। बुध सौरमंडल के ग्रहों में सबसे छोटा और सूर्य से निकटतम है। बुध के हाथों में तलवार, ढाल, गदा तथा वरमुद्रा धारण की हुई है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन करने से कई तरह के योग का निर्माण होता है।

समय-समय पर सभी ग्रह किसी न किसी राशि में प्रवेश करते हैं जहां पर पहले से ही अन्य ग्रह विराजमान होते हैं। इस तरह से दो या दो से अधिक ग्रह जब किसी एक राशि में रहते हैं तो युति का निर्माण होता है। फरवरी के मध्य में तीन प्रमुख ग्रह सूर्य, शनि और बुध एक ही राशि में रहते हुए त्रिग्रही योग का निर्माण होगा। इसके अलावा शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में पहले से विराजमान हैं। इस तरह से कुंभ राशि में सूर्य, शनि और बुध का त्रिग्रही योग बनेगा

**असर –** बुध के राशि परिवर्तन से लोगों में रचनात्मकता बढ़ेगी। बिजनेस करने वाले लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा। बड़े देशों के बीच इंपोर्ट-एक्सपोर्ट बढ़ेगा। बड़े एग्रीमेंट या बिजनेस समझौते होने के योग बन रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लेन-देन बढ़ेगा। कुछ देशों की करंसी मजबूत होगी। कुछ बड़े देश नई व्यापारिक रणनीति पर काम शुरू कर सकते हैं। बुध के प्रभाव से शेयर बाजार में स्थिरता के साथ-साथ खाद्यान्न वस्तुओं के भाव में स्थिरता एवं मूल्य वृद्धि रुकेगी। विद्यार्थियों के लिए यह समय शिक्षा ग्रहण के लिए श्रेष्ठ रहेगा। मौसम में भी सुखद बदलाव होगा। सेहत के नजरिये से लोगों के लिए समय अच्छा रहेगा।

दूध का उत्पादन बढ़ने के साथ सब्जियों की पैदावार ज्यादा होने से किसानों को फायदा होगा। औद्योगिक क्षेत्र में भी ज्यादा उत्पादन होने से भाव में स्थिरता आने से लोगों को फायदा होगा। प्राप्त होगा।

**बुध के उपाय**

बुध से पीड़ित व्यक्ति को मां दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। बुधवार के दिन गाय को हरा चारा खिलाना चाहिए और साबूत हरे मूंग का दान करना चाहिए। बुधवार के दिन गणपति को सिंदुर चढ़ाएं। बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं। दूर्वा की 11 या 21 गांठ चढ़ाने से फल जल्दी मिलता है। पालक का दान करे। बुधवार को कन्या पूजा करके हरी वस्तुओं का दान करे।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

**बुध के इस गोचर का सभी 12 राशियों पर शुभ-अशुभ प्रभाव।**

मेष: रूके हुए काम पूरे होंगे। शुभ फलों के साथ उपलब्धियां मिलेगी, कार्य क्षेत्र में विस्तार होगा। विवादास्पद मामलों में पक्ष मजबूत होगा।

वृष: सोचे हुए काम पूरे करेंगे। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। बुद्धिमानी से फायदे हासिल करेंगे। संकल्प मजबूत रहेगा और शुभ फल मिलेंगे।

मिथुन: नई आशा का संचार होगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा, अवसर हासिल होंगे और अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे।

कर्क: समय अच्छा रहेगा। निवेश में फायदा होने के योग हैं। बिजनेस बढ़ेगा। खोजबीन या शोध में सफलता मिलेगी। समझ विकसित होने के साथ कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा।

सिंह: भरपूर परिश्रम करेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। नकारात्मकता छोड़नी पड़ेगी और विवादों से बचना होगा।

कन्या: साझेदारी और व्यापार में लाभ कमाएंगे। दाम्पत्य जीवन में दूरियां मिटेंगी। शुभ फलदायक यात्राएं होंगी।

तुला: उच्च शिक्षा और कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। प्रेम प्रसंग बनेंगे, रचनात्मकता रहेगी और शुभ समाचार मिलेंगे।

वृश्चिक: परिवार का साथ मिलेगा। लाभ के मौके मिलेंगे। सोचे हुए कामों को पूरा करेंगे। माता के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा।

धनु: भरपूर ऊर्जा रहेगी। पराक्रम बढ़ेगा, कार्यस्थल पर वरिष्ठजनों द्वारा सम्मान और तारीफ मिलेगी।

मकर: आर्थिक लाभ मिलने के योग बनेंगे। व्यवसाय या कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। संपत्ति में विस्तार होना संभव हैं।

कुंभ: साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में उन्नति होगी, रचनात्मकता और कौशल का विकास होगा। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा।

मीन: सुख सुविधाओं पर खर्चा बढ़ेगा। सोच समझकर ही जोखिम उठाना चाहिए।

# वाल्मीकि ने दिया था संस्कृत का पहला श्लोक

वैदिक काल में वाल्मीकि द्वारा लिखी गई रामायण प्रभु श्रीराम के चरित्र के साथ-साथ उस समय के घटनाक्रम को भी काव्य के रूप में दर्शाती है। इसकी रचना वाल्मीकि जी ने संस्कृत में की थी, जिसे काफी लोकप्रियता हासिल हुई। साथ ही इसे संस्कृत का पहला महाकाव्य भी माना जाता है।

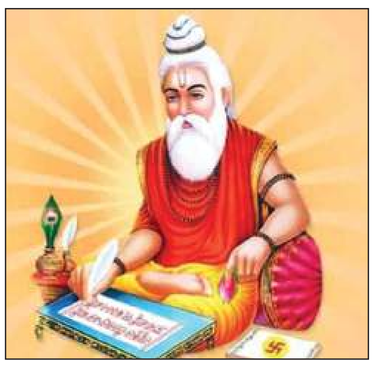

**मिलती है ये कथा**

कथा के अनुसार, महर्षि बनने से पहले वाल्मीकी का नाम रत्नाकर था, जो परिवार का पालन-पोषण करने के लिए लोगों से लूट-पाट करता था। इसी क्रम में एक बार एक वन से नारद मुनि गुजर रहे थे कि उन्हें लूटने की मंशा से रत्नाकर ने उनका रास्ता रोक लिया। तब नारज जी ने उससे सवाल किया कि वह ऐसा नीच कार्य किसलिए करता है, तब रत्नाकर ने जवाब दिया कि वह अपने परिवार के पालन-पोषण के लिए यह कार्य करता है।

तब नारद जी उससे कहते हैं कि क्या तुम्हारा परिवार तुम्हारे इस पाप का भागीदार बनने को तैयार है। तब रत्नाकर अपने घर जाकर सभी सदस्यों से यह सवाल करता है कि क्या वह उसके इस पाप में भागीदार बनेंगे, तब सभी इस बात से साफ इनकार कर देते हैं। जब वह लौटकर आया तो उसने नारद जी के चरण पकड़कर अपने किए के लिए मांफी मांगी।

**इस तरह पड़ा वाल्मीकि नाम**

तब नारद जी ने उसे राम नाम का जप करने का उपदेश दिया। इसपर रत्नाकर कहते हैं कि मैनें इतने पाप किए हैं, मैं भगवान का नाम अपने मुख से कैसे ले सकता हूं। तब नारद जी उन्हें मरा-मरा का जप करने को कहते हैं। इस शब्द का बार-बार उच्चारण करने पर राम शब्द उसके मुख से निकला। रत्नाकर निरंतर जप करता रहा और उसके पूरे शरीर पर दीमक ने अपना घर बना लिया। पूरे शरीर पर दीमक लग गई थी, जिस कारण उन्हें वाल्मीकि कहा जाने लगा, क्योंकि दीमक के घर को वाल्मीक कहा जाता है।

**कैसे हुई प्रथम श्लोक की रचना**

एक बार महर्षि वाल्मीकि नदी किनारे एक क्रौंच पक्षी के जोड़े को निहार रहे थे। तभी एक शिकारी ने जोड़े में से नर पक्षी को मार डाला, जिससे मादा क्रौंच विलाप करने लगी। इस दौरान वाल्मीकि के मुख से एक श्लोक की रचना हुई।

**मां निषाद प्रतिष्ठां त्वमगमः शाश्वतीः समा।**
**यत्क्रौंचमिथुनादेकम् अवधीः काममोहितम्।।**

यह श्लोक ही रामायण महाकाव्य का आधार बना, जिसका अर्थ है- हे दुष्ट, तुमने प्रेम मे मग्न क्रौंच पक्षी को मारा है। तुम अनंत वर्षों तक प्रतिष्ठा प्राप्त न कर सकोगे। वाल्मीकि के मुख से निकाले इस श्लोक को विश्व साहित्य की प्रथम कविता माना गया है।

# कालाष्टमी पर करें इन चीजों का दान

## जीवन के सभी डर से मिलेगा छुटकारा

कालाष्टमी का दिन भगवान काल भैरव को प्रसन्न करने के लिए शुभ माना जाता है। पंचांग के अनुसार, माघ माह में कालाष्टमी 20 फरवरी को है। इस दिन भगवान काल भैरव की पूजा रात्रि में करने का विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, कालाष्टमी के दिन सच्चे मन से व्यक्ति को जीवन में सभी सुख मिलते हैं। साथ ही काल भैरव की कृपा से रुके हुए काम पूरे होते हैं। साथ ही जीवन में खुशियों से भर जाता है।

**कालाष्टमी शुभ मुहूर्त** -पंचांग के अनुसार, फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 20 फरवरी को सुबह 09 बजकर 58 मिनट पर होगी और 21 फरवरी को सुबह 11 बजकर 57 मिनट पर समाप्त हो रही है। ऐसे में 20 फरवरी को मासिक कालाष्टमी का पर्व मनाया जाएगा।

**राशि अनुसार दान करें**

मेष राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन लाल मिर्च, मसूर दाल और गुड़ का दान करें। इससे पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होगा।

वृषभ राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन सफेद चीजों का दान करें। इससे चंद्र दोष दूर होगा।

मिथुन राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन हरी चीजों का दान करें। इससे जीवन में आ रहे संकट और विघ्न दूर होंगे।

कर्क राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन चावल, चीनी, दूध आदि चीजों का दान करें। इससे भगवान काल भैरव की कृपा प्राप्त होगी।

कन्या राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन विवाहित महिलाओं को श्रृंगार की चीजें दान में दें। इससे वैवाहिक जीवन में खुशियों का आगमन होगा।

तुला राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन अन्न का दान करें। इससे कभी भी अन्न के भंडार खाली नहीं होंगे। धनु राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन पीले रंग के फल का दान करें। इससे बृहस्पति दोष दूर होगा।

मकर राशि के जातक को फाल्गुन कालाष्टमी के दिन के गर्म कपड़ों का दान करें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे।

कुंभ राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन धन का दान करें। इससे सुख-समृद्धि में वृद्धि होगी।

मीन राशि के जातक फाल्गुन कालाष्टमी के दिन पीले रंग की मिठाई का दान करें।

# शुक्र के उदय होने के बाद इन राशि वालों के शुरू हो जाएंगे अच्छे दिन, हर इच्छा होगी पूरी

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह राशि परिवर्तन के अलावा समय-समय पर अस्त और उदय होते रहते हैं। ग्रहों के अस्त और उदय होने का भी प्रभाव भी सभी राशियों के जातकों के ऊपर देखने को मिलता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह का विशेष स्थान होता है। जल्द ही शुक्र उदय होने वाले हैं। शुक्र को सौंदर्य, सुख-समृद्धि, ऐशो-आराम, प्रेम और भौतिक सुख-सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। शुक्र जब भी अपनी स्वराशि वृषभ, तुला में होते हैं या फिर अपनी उच्च राशि मीन में होते हैं तो शुभ फल प्रदान करते हैं। आपको बता दें कि धन और सुख के दाता ग्रह शुक्र अपनी उच्च राशि मीन में विराजमान हैं और होली के बाद 23 मार्च को उदय होने वाले हैं। शुक्र के मीन राशि में होने और उदय होने से मालव्य राजयोग का निर्माण होगा। ज्योतिष में मालव्य राजयोग को बहुत ही शुभ योग माना जाता है। इस योग के निर्माण से कई राशि वालों को बंपर लाभ मिलने के शुभ संकेत हैं।

**मिथुन राशि –** मिथुन राशि के जातकों के लिए होली के बाद शुक्र के द्वारा बना मालव्य राजयोग बहुत ही शुभ और लाभकारी साबित होगा। करियर में इस राशि के जातकों को नया मुकाम देखने को मिल सकता है। मालव्य राजयोग के प्रभाव से मिथुन राशि के लोगों के धन में बढ़ोतरी और सुख-सुविधाओं में वृद्धि देखने को मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिलने के संकेत हैं। भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा। वैवाहिक जीवन में खुशियां और प्यार बढ़ सकता है। अचानक से धन लाभ के अच्छे योग दिखाई दे रहे हैं।

**धनु राशि –** धनु राशि के जातकों के लिए सुख और वैभव के दाता ग्रह शुक्र ग्रह का उदय होना और अपनी उच्च राशि मीन में मौजूद होकर मालव्य राजयोग का निर्माण होना बहुत ही अनुकूल साबित हो सकता है। आपकी राशि में वृषभ और तुला राशि के स्वामी ग्रह शुक्र चौथे भाव यानी सुख के भाव में उदित होंगे, ऐसे में इस राशि के जातकों की सुख-सुविधाओं में अच्छा खासा इजाफा देखने को मिल सकता है। कामकाज में तेजी आएगी और वाहन, जमीन-जायदाद और घर के खरीदने का सपना पूरा हो सकता है। खुशियों के पलों का खूब आनंद उठाने में कामयाब होंगे। कोर्ट-कचहरी में चल रहे मुकादमों में सफलता हासिल होगी। परिवार में सुख-शांति और संबंध अच्छे बने रहेंगे। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

**मकर राशि –** मकर राशि के जातकों के लिए शुक्र का उदय होना बहुत ही शुभ साबित हो सकता है। यह आपकी राशि में तीसरे भाव यानी पराक्रम में उदित होंगे। ऐसे में आपको अपने कार्यों में जल्द सफलता मिलने की उम्मीद है। जीवन में खुशियों की बरसात होगी। जो काम लंबे समय से नहीं हो पा रहे थे उसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। करियर में अच्छी सफलता मिलने की पूरी संभावना है। अचानक से धन की प्राप्ति होने की संभावना है। सेहत अच्छी रहेगी और लोगों से मेल-मिलाप में वृद्धि होगी।

# राहु-बुध की होने वाली है युति, इन राशि वालों को हर क्षेत्र में मिलेगी सफलता

इस माह मीन राशि में बुध और राहु की युति होने जा रही है। बुद्धि और वाणी के कारक ग्रह बुध 27 फरवरी को मीन राशि में गोचर कर रहे हैं, जहां पहले से राहु मीन राशि में विराजमान है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में राहु का पापी ग्रह माना गया है। यह अचानक से होने वाली घटनाओं के कारक हैं जबकि बुद्धि व्यापार, बुद्धि और वाणी के कारक ग्रह हैं। बुध और राहु की युति से कुछ राशि वालों को लाभ मिलने की संभावना है। आइए जानते हैं कौन-कौन सी हैं वे भाग्यशाली राशियां।

**वृषभ राशि** –वृषभ राशि के जातकों के लिए बुध-राहु की युति बहुत ही शानदार और शुभफलदायी साबित हो सकता है। इस राशि के जातकों को व्यापार में अच्छा खासा मुनाफा हो सकता है। कार्य में सफलता मिलने की अच्छी संभावना है। अधूरे कामों में गति आएगी। रोजगार की तलाश में काम करने वालों की इच्छाएं पूरी होंगी। आर्थिक स्थिति में पहले के मुकाबले स्थितियां बेहतर रहेगी।

**वृश्चिक राशि** –बुध-राहु की युति से वृश्चिच राशि वालों को अच्छा लाभ मिलने के संकेत हैं। शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल हो सकती है। करियर में मान-सम्मान और आगे बढ़ने के अच्छे मौके मिलेंगे। धर्म-कर्म में रूचि बढ़ेगी। कामकाज के मामले में भागदौड़ रह सकती है। नौकरी-पेशा जातकों को करियर में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को नई नौकरी के लिए बेहतर अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्ति के योग हैं। घर-परिवार का वातावरण अच्छा रहेगा।

**कुंभ राशि** –कुंभ राशि वालों को बुध-राहु की युति से अचानक लाभ प्राप्ति करने के योग हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है। रुका हुआ काम पूरा होगा। नौकरीपेशा जातकों को बेहतर अवसर मिल सकते हैं जिससे आर्थिक स्थिति में पहले के मुकाबले सुधार देखने को मिलेगा। जमीन-जायदाद में अचानक से लाभ की प्राप्ति के योग हैं। कानूनी मामलों में आपको जीत मिल सकती है। लोगों के साथ मेल-मिलाप में बढ़ोतरी हो सकती है और भाग्य का अच्छा साथ मिलने के योग हैं।

# देवगुरु बृहस्पति के मार्गी होने से धनु राशि के लोगों को मिलेगा अपार धन-दौलत

**गुरु मार्गी और धनु राशि पर प्रभाव**

धनु राशि के स्वामी ग्रह देवगुरु बृहस्पति हैं और आपकी राशि से छठे भाव में मार्गी हुए हैं। गुरु के मार्गी होने पर व्यापार पर अच्छा खासा प्रभाव देखने को मिलेगा। लाभ के अवसरों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिलेगी। धन लाभ की अच्छी संभावना है। आपका धर्म-कर्म में विशेष रुचि होगी। नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। योजनाएं कारगर साबित होंगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे और जीवनसाथी का अच्छा साथ मिलेगा। अचानक से धन लाभ की अच्छी संभावना भी है।

**गुरु मार्गी और इसका महत्व**

देवगुरु बृहस्पति अब शुक्रदेव की राशि वृषभ राशि में सीधी चाल से चल रहे हैं यानी देवगुरु अब वक्री से मार्गी हो गए हैं। गुरु का मार्गी होना बहुत ही शुभ संकेत हैं। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति की काफी अहम भूमिका होती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों का वक्री होने से मतलब उल्टी चाल और मार्गी होने का अर्थ सीधी चाल से होता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति को शुभ ग्रह माना जाता है। यह बुद्धि, ज्ञान, भाग्य, संतान सुख, विवाह और जीव के कारक ग्रह होते हैं। देवगुरु वृहस्पति को धनु और मीन राशि का स्वामी माना जाता है। यह कर्क राशि में उच्च के होते हैं।

जब भी किसी जातक की कुंडली में देवगुरु शुभ भाव में रहते हैं या फिर दृष्टि डालते हैं तो उस व्यक्ति के जीवन में हमेशा सुख और समृद्धि आती है और भाग्य का अच्छा साथ मिलता है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक देवगुरु बहस्पति बीते 4 फरवरी 2025 को वृषभ राशि में वक्री से मार्गी हुए हैं। आपको बता दें यह 15 मई 2025 तक वृषभ राशि में मार्गी रहेंगे फिर मिथुन राशि में गोचर होंगे। इसके पहले गुरु 09 अक्तूबर 2024 को वृषभ राशि में वक्री हुए थे। गुरु के मार्गी होने से इसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों पर देखने को मिलेगा।

# 28 को अस्त होने जा रहे हैं शनिदेव, राशियों को बरतनी होगी सावधानी

शुक्रवार, 28 फरवरी 2025 को शनिदेव शाम 07 बजकर 06 मिनट पर कुंभ राशि में अस्त होने जा रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र की मानें, तो ग्रहों की चाल का सीधा असर उस ग्रह से संबंधित राशि के जातकों पर भी पड़ता है। माना जा रहा है कि शनि अस्त का समय कुछ राशियों के लिए काफी कठिन रह सकता है।

**बढ़ सकता है तनाव** –फरवरी के आखिर में शनि देव कुंभ राशि में अस्त होने जा रहे हैं, जिसका प्रभाव इस राशि पर साफतौर से देखा जा सकता है। शनि के प्रभाव से इस राशि के खर्चों में वृद्धि हो सकती है। कुंभ राशि के जातकों को ऊर्जा में कमी देखने को मिल सकती है। इसलिए अपनी सेहत का खासतौर से ध्यान रखें और खानपान की शैली में सुधार लाएं। नौकरीपेशा लोगों के लिए कार्यक्षेत्र में तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है।

**इस राशि पर भी पड़े असर**–सिंह राशि के जातकों पर भी शनि अस्त का प्रभाव देखने को मिलने वाला है। इस राशि के जातकों को राजनीति और सरकारी क्षेत्र में कुछ परेशानी देखने को मिल सकती है। आपको कार्यक्षेत्र में अपने सहयोगियों के कारण कुछ समस्याएं झेलनी पड़ सकती हैं। कानूनी मामलों में जोखिम न उठाएं। इसी के परिवार में भी कुछ मतभेद देखने को मिल सकते हैं।

**करें ये उपाय**–शनि अस्त के नकारात्मक प्रभाव से बचने के लिए शनि चालीसा का पाठ करें। इसी के साथ शनिदेव के मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप करें। इसी के साथ आप शनिदेव से जुड़ी चीजों जैसे काले तिल, सरसों के तेल और लोहे से बनी चीजों का भी दान कर सकते हैं। रोजाना जल में काले तिल मिलाकर भी महादेव का अभिषेक भी करें। इन उपायों द्वारा आप बुरे प्रभावों से राहत पा सकते हैं।

संपादकीय

## सुबह उठते ही जब दिल्ली में डोलने लगी धरती!

दिल्ली व उसके आसपास के क्षेत्र में 17 फ़रवरी की सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। कई सेकंड तक धरती डोलती रही। लोग दशहत में अपने घरों से बाहर निकल गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई, इसका केंद्र दिल्ली के पास ही धरती से 5 किलोमीटर की गहराई में था। इसीलिए तेज झटके महसूस हुए। कुछ सेकंड तक चलने वाले भूकंप के झटके इतने तेज थे कि इमारतों के अंदर जोरदार कंपन महसूस हुआ। भूकंप सुबह 5 बजकर 36 मिनट पर आया, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। लोगों में दहशत फैल गई और वे एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकल गए। भूकंप के झटके दिल्ली-एनसीआर के साथ पड़ोसी राज्यों में भी महसूस किए गए। फिलहाल कहीं से जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र 4 में आता है, जिससे यहां मध्यम से तीव्र भूकंप आने का खतरा रहता है। समय-समय पर दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस होते रहते हैं, लेकिन इस तीव्रता के झटके बहुत समय बाद महसूस किए गए हैं। उत्तराखंड समेत नेपाल और भारत के अन्य क्षेत्रों में धरती बार बार डोलने लगती है। भूकंप के तेज झटकों से लोग दहशत में आ जाते है।सन 2022 में आए भूकंप के झटके इतने तेज थे कि गहरी नींद में सोए लोग हड़बड़ाहट में उठे और घरों से बाहर की ओर भागे थे।उस समय उत्तराखंड में भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.5 मापी गई थी। दिल्ली के साथ ही नोएडा और गुरुग्राम में भी कई सेकेंड तक भीषण झटके महसूस किए गए। इसके कारण लोग उठ गए और कई लोग अपनी सोसायटी में बाहर निकल आए।ऐसा लगा कि बेड को कोई बहुत तेज धक्का मार रहा है। इस दौरान घर के फैन और झूमर भी भूकंप के असर के कारण तेजी से हिलने लगे।भूकंप पृथ्वी की सतह के हिलने को कहते हैं। यह पृथ्वी के स्थलमण्डल में ऊर्जा के अचानक मुक्त हो जाने के कारण उत्पन्न होने वाली भूकम्पीय तरंगों की वजह से होता है। भूकम्प बहुत हिंसात्मक हो सकते हैं और कुछ ही क्षणों में लोगों को गिराकर चोट पहुँचाने से लेकर पूरी आबादी को ध्वस्त कर सकने की इसमें क्षमता होती है।भूकंप का मापन भूकम्पमापी यंत्र से किया जाता है, जिसे सीस्मोग्राफ कहते है। 3 या उस से कम रिक्टर परिमाण की तीव्रता का भूकंप अक्सर अगोचर होता है, जबकि 7 रिक्टर की तीव्रता का भूकंप बड़े क्षेत्रों में गंभीर क्षति का कारण बन जाता है।भूकंप के झटकों की तीव्रता का मापन मरकैली पैमाने पर किया जाता है।पृथ्वी की सतह पर, भूकंप अपने आप को, भूमि को हिलाकर या विस्थापित कर के प्रकट करता है। जब एक बड़ा भूकंप उपरिकेंद्र अपतटीय स्थिति में होता है, यह समुद्र के किनारे पर पर्याप्त मात्रा में विस्थापन का कारण बनता है। भूकंप के झटके कभी-कभी भूस्खलन और ज्वालामुखी को भी पैदा कर सकते हैं। भूकंप अक्सर भूगर्भीय दोषों के कारण आते हैं।पिछले साल यानि सन 2021 में 11 सितंबर को जोशीमठ से 31 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण पश्चिम में सुबह 5:58 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 4.6 थी। उत्तराखंड में इस भूकंप का प्रभाव चमोली, पौड़ी, अल्मोड़ा आदि जिलों में रहा था।इससे पूर्व 24 जुलाई सन 2021को उत्तरकाशी से 23 किलोमीटर दूर करीब 1 बजकर 28 मिनट पर भूकंप आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.4 मापी गई थी। जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के साथ डुंडा, मनेरी, मानपुर, चिन्यालीसौड़, बड़कोट, पुरोला व मोरी से भी भूकंप के झटके महसूस किये गए थे। हरिद्वार जिले में वर्ष 2020 में एक दिसम्बर को नौ बजकर 42 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.9 मैग्नीट्यड मापी गई थी, जिसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर तक थी। इस भूकंप से कोई क्षति तो नही हुई थी।लेकिन यह भूकंप भविष्य में किसी बड़े भूकंप का संकेत अवश्य माना गया था।उत्तराखंड भूकंप के दृष्टि से अति संवेदनशील क्षेत्र है। यहां एक साल में कई बार भूकंप के झटके महसूस किए गए जाते हैं। 25 अगस्त सन 2020 को भी उत्तरकाशी में भूकंप आया था। उस समय भूकंप का केंद्र टिहरी गढ़वाल था। रिक्टर पैमाने पर उसकी तीव्रता 3.4 मापी गई थी। इससे पहले को चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों में 21 अप्रैल सन 2020 को भूकंप के झटके महसूस हुए थे। जिसका केंद्र चमोली जिले में था, रिक्टर पैमाने पर उस भूकंप की तीव्रता 3.3 थी। भूकंप के इन झटको ने लोगो के मन में बेचैनी बढ़ा दी है।देवभूमि उत्तराखंड से लेकर गुजरात तक भूकंप का खतरा लगातार बना हुआ है। 14 जून सन 2020 की शाम गुजरात के भचाऊ,राजकोट, अहमदाबाद में 5.5 तीव्रता के भूकंप ने सबकी नींद उड़ा दी थी।सन 2015 में नेपाल केन्द्रित भंयकर भूकम्प के कारण नेपाल और उत्तर भारत में ढाई हजार से अधिक मौते भूकंप से हो गई थी और अरबो रूपये की सम्पत्ति नष्ट हो गई थी।सबसे अधिक क्षति नेपाल और नेपाल से सटे बिहार में हुई थी। उस समय सात दशमलव नौ रियेक्टर पैमाने के अधिक तीव्रता के भूकम्प से जो कि हिरोशिमा बम विस्फोट से पांच सौ चार गुना ताकतवर था,से उत्तराखण्ड में भी दहशत फैल गई थी।हिरोशिमा बम विस्फोट से साढे बारह किलोटन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई थी जबकि इस भंयकर भूकम्प से उनास्सी लाख टन आफ टीएनटी एनर्जी रिलीज हुई है जिससे नेपाल और विहार,उत्तर प्रदेश के साथ साथ कई राज्यों में भारी नुकसान हुआ था। उत्तराखण्ड में भी उस समय कई जगह भूकम्प के झटके महसूस किये गए थे। लेकिन उत्तराखंड में भूकम्प से अधिक नुकसान नही हुआ था,लेकिन इससे पूर्व उत्तराखंड भूकंप की भयंकर त्रासदी झेल चुका है।उत्तरकाशी, पिथौरागढ़,अल्मोड़ा, द्वारहाट, चमोली जिले भूकंप के निशाने पर है।दरअसल उत्तराखण्ड भूकम्प के मुहाने पर खड़ा है, यहां कभी भी भूकंप से धरती डोल सकती है।जिससे उत्तराखण्ड कभी भी तबाह हो सकता है। अपनी भोगोलिक परिस्थिति के कारण बादल फटने,जल प्रलय,भूस्खलन के कारण हजारो मौतो के साथ ही मकानों तथा खेत खलियानों के नष्ट होने का कारण बनता रहा है। भू वैज्ञानिको की माने तो उत्तराखण्ड कभी भी भूकम्प आपदा से प्रभावित हो सकता है। भूकम्प की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील उत्तराखण्ड सच पुछिए तो मौत के मुहाने पर खडा है। उत्तरकाशी में आए भूकम्प और धारचूला व लोहाधाट जैसी जगहों पर कई बार आ चुके भूकम्प की त्रासदी झेल चुके उत्तराखण्ड न सिर्फ अपने लिए बल्कि पडोसी राज्यों के लिए भी तबाही का सबब बन सकता है।

### त्रिवेणी में डुबकी शब्दातीत और अकल्पनीय ऊर्जा प्रदान करती है

# सनातन की दिव्यता और आस्था का जीवंत अनुभव है महाकुंभ

संजय मिश्रा

**भगवान विष्णु की पत्नी यमुना माता और विष्णुपदी के रूप में गंगा मैया का वर्णन वैदिक ग्रंथों में उल्लिखित है। जब गंगा मैया महारानी माता यमुना से जाने की राह माँगती है तब यमुना जी उनको अपने गले लगाकर साथ में प्रवाहित होने का संकल्प लेती हैं, जो प्रयागराज के संगम घाट पर सभी को प्रत्यक्ष दिखाई भी देता है।**

प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का त्रिवेणी संगम है, जहाँ श्रद्धालुओं को गंगा और यमुना मैया तो दिखाई देती है परन्तु श्रद्धालु माँ सरस्वती का आभासी अनुभव करते हुए त्रिवेणी संगम में स्नान कर परम आनंद और पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। यमुना मैया से अधिक गंगा जी को पौराणिक कथाओं और वैदिक ग्रंथों में सम्मान प्रसिद्धि मिली। उनका वैभव भी उनसे ज्यादा विस्तृत है।

महाकुंभ के पावन अवसर पर हमने भी जनसैलाब के रूप में उत्पन्न की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपना सफर परिजनों के साथ प्रारंभ किया। प्रयागराज तक की यात्रा में हर कदम पर बाधाओं से साक्षात्कार हुआ किंतु आस्था से प्राप्त अदृश्य शक्ति के बल पर जबलपुर से पहुँचकर प्रयागराज में परिजनों के साथ 11 बार आस्था की डुबकी लगाने का पुण्य दैव कृपा से प्राप्त हुआ। स्नान के उपरांत ऐसा लगा मानो संगम में माँ गंगा, यमुना और सरस्वती के आंचल की छाँव में कुछ क्षण व्यतीत करने किये हों। एक शब्दातीत और अकल्पनीय ऊर्जा का संचार शरीर में अनुभव हुआ। यहाँ यह बतलाना चाहते हैं कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा महाकुंभ के प्रचार-प्रसार को लेकर अलग मायने रहे हैं। उनका प्रभाव इतना गहरा और व्यापक रहा कि देश के कोने - कोने से ही नहीं अपितु विदेशों से भी असंख्य श्रद्धालुओं ने महाकुंभ में अमृत स्नान कर पुण्य अर्जित किया।

अभी तक 52 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा त्रिवेणी संगम में स्नान करना केवल विश्व कीर्तिमान ही नहीं सनातन की संगठित शक्ति का उद्घोष है। देश - विदेश के साधु - संतों के साथ-साथ जाने माने गणमान्यजनों, उद्योगपतियों, बॉलीबुड की हस्तियों के अलावा खुद राष्ट्रपति प्रधानमंत्री और अनेक मुख्यमंत्रियों ने भी अपने मंत्रीमण्डल के साथ आस्था की डुबकी लगाकर विश्व कल्याण की कामना की। महाकुंभ जबलपुर

संस्कारधानी से 364 कि.मी. दूर प्रयागराज में आयोजित किया गया है। यह दूरी तय करने के लिए श्रद्धालुओं को 5 टोल प्लाजा से होकर गुजरना पड़ रहा है। इस दौरान देखा गया है कि कम से कम एक टोल प्लाजा नाका पर 1 करोड़ रूपये से अधिक की आय प्रतिदिन दर्ज हो रही है, इस प्रकार जबलपुर से प्रयागराज तक हर टोल नाके में करोड़ों रु. की राशि जमा हो रही है। महाकुंभ का आयोजन 144 साल में एक बार आता है इसे भव्य और दिव्य कुंभ भी कहा जाता है जो दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक मानव समागम है। यहाँ स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

मेले से अर्थव्यवस्था को हुए लाभ की टोल नाके एक बानगी मात्र हैं। इसके अलावा भारत सरकार की स्टॅार्ट अप योजना की सफलता धरातल पर महाकुंभ के दौरान दिखाई दी जहाँ लाखों बेरोजगारों द्वारा नए-नए रोजगार के अवसर ढूंढकर धनोपार्जन किया गया । उदाहरण के लिए बाइकर्स, हाथ ठेले और आटो वालों , के अलावा छोटे-छोटे समूह में सड़क किनारे सामग्रियों को बेचने वाले देश के कोने - कोने से यहाँ आकर आर्थिक लाभ प्राप्त करते नजर आए।

महाकुंभ की अभूतपूर्व सफलता में डिजिटल इंडिया की भी शानदार भूमिका दिखाई दी, वहीं इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया की सक्रियता से भी विश्व भर में महाकुंभ की अलख जगी और प्रयागराज में अमृत स्नान करने श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा जो आज तक बरकरार है। 47 दिवसीय महाकुंभ के इस आयोजन में सरकार और समाज की दोनों को आर्थिक लाभ हुआ। समाज के प्रत्येक वर्ग को इस आयोजन ने आर्थिक संबल प्रदान किया , वहीं सरकार को भी खर्च की गई राशि से अधिक आय की प्राप्ति हुई है। अनुमान है कि सरकार ने 1500 करोड़ का व्यय कर 2 लाख करोड़ से अधिक की आय प्राप्त की । 144 साल बाद आयोजित इस महाकुंभ में लाखों युवाओं ने पहली बार कोई व्यवसाय जबलपुर से प्रयागराज तक किया है जिसमें चने बेचने, फुल्की बेचने, रेस्टारेन्ट - लॉज खोलने, डीजल - पेट्रोल की अस्थाई दुकान खोलने, टेक्सी किराये से चलवाने के साथ-साथ सड़कों पर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल बेचने और प्रसाधन केन्द्रों की व्यवस्था तक शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संदेशों ने भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर में रहने वाले सनातनियों में भी महाकुंभ का रंग भरा। इसीलिए दुनिया के कोने - कोने से लोग प्रयागराज के त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुँचे। इसका जीवंत दृश्य संगम के घाटों पर जाकर देखा जा सकते हैं । विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन में सरकार को बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा और श्रद्धालुओं के लिए सड़क परिवहन, हवाई सेवा और रेल के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी जुटानी पडीं। जिसमें अरबों रूपये खर्च करने पड़े हैं परन्तु इन खर्चो के बावजूद सरकार को देश - विदेश से आए श्रद्धालुओं से भरपूर आय प्राप्त हुई है। लिहाजा अब सरकार को टोल टैक्स से देश के नागरिकों को राहत देना चाहिए और सभी नाकों पर चार पहिया वाहनों को निःशुल्क कर देना चाहिए।

### सारथी कुशल हो तो आसान हो जाती हैं हर चुनौतियाँ

लेखक ने स्वयं संस्कारधानी से प्रयागराज तक पत्नी श्रीमती मधु मिश्रा, अनुज सतीश , बहू कल्पना , और मित्र प्रमोद तिवारी के साथ सफर किया और हर विपरीत चुनौती को स्वीकार कर माँ त्रिवेणी के आँचल में जाकर आस्था की डुबकी लगाकर जन्म-जन्मों का पुण्य लाभ प्राप्त कर अपने सभी परिजनों, पूर्वजों, इष्टमित्रों और कुटुम्बजनों के मंगल की कामना की। इस पूरी यात्रा में सारथी प्रमोद तिवारी का सहयोग किसी दैवीय शक्ति से कम नहीं था। क्योंकि अनुभवी और कुशल सारथी के कारण ही हम अपने परिजनों के साथ महाकुंभ के चारों दिशाओं का भ्रमण कर पूज्य साधु - संतों का दर्शन लाभ प्राप्त कर सके। और माँ गंगा, यमुना, और सरस्वती से आर्शीवाद लेकर जबलपुर लौट पाए। इस यात्रा में मुझे 4 दिन का समय लगा।

दृश्टि कोण

# भारत-अमेरिका मैत्री से विकास के नये रास्ते खुलेंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में सम्पन्न हुई अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा अनेक दृष्टियों से ऐतिहासिक, अविस्मरणीय एवं मील का पत्थर बनकर प्रस्तुत हुई है। यह निश्चित है कि मोदी के नेतृत्व में एक नई सभ्यता और एक नई संस्कृति गढ़ी जा रही है। व्हाइट हाउस में संपन्न प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातचीत कई मायनों में सकारात्मक एवं परिणामकारी रही। उसमें किसी तरह की तल्खी नजर नहीं आई, बल्कि मोदी-ट्रंप की दोस्ती ही नये विश्वास एवं संकल्प के साथ उभर कर सामने आयी है। यह निर्विवाद सत्य है कि अमेरिका हमेशा अपने कारोबारी हितों को ही प्राथमिकता देता है। इस मुलाकात में यही नजर आया कि ट्रंप दोनों देशों के व्यापार संतुलन का पलड़ा अमेरिका के पक्ष में करने को कटिबद्ध है। लेकिन मोदी ट्रंप की चतुराई को भी अपनी सादगी एवं सरलता से मात देते हुए भारत के हित में अनेक समझौते कर लिये हैं। यह तथ्य सर्वविदित है कि अमेरिका की नीतियां 'अमेरिका से शुरू होकर अमेरिका' पर ही समाप्त हो जाती हैं। दूसरी बार सत्ता में आए ट्रंप ने जिस आक्रामक तरीके से कनाडा, मैक्सिको व चीन आदि पर टैरिफ लगाए हैं, वैसी आक्रामकता उन्होंने भारत के प्रति नहीं दिखायी। यह अमेरिका की भारत के प्रति एक विशेष दृष्टि मोदी के प्रभाव का ही परिणाम है।

ट्रंप ने मोदी को अपनी तुलना में बेहतर सख्त वार्ताकार बताया। दोनों नेताओं ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दुगुना करने तथा लाभप्रद व्यापार समझौते के लिये बातचीत करने का संकल्प भी जताया। भविष्य में व्यापार समझौता अमेरिका के पक्ष में न झुके, इसके लिये प्रधानमंत्री मोदी ने कूटनीतिक कौशल का इस्तेमाल किया। भारत को नया बनने के लिए, स्वर्णिम बनाने के लिए, अनूठा बनाने के लिए और उसे विश्व की एक बड़ी ताकत के रूप में उभारने के लिये मोदी के प्रयास अनूठे भी हैं और विलक्षण भी हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मोदी-ट्रंप मुलाकात में रक्षा और सुरक्षा क्षेत्र में बातचीत सकारात्मक रही। दोनों देशों ने एक दस वर्षीय रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। जिसमें प्रमुख हथियारों और प्लेटफार्मों के सह-उत्पादन को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी योजना का मार्ग प्रशस्त किया गया। वहीं दूसरी ओर यदि भारत को अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की प्रस्तावित आपूर्ति परवान चढ़ती है तो पड़ोसी देशों की बेचैनी और बढ़ जाएगी और भारत की ओर देखने की उनकी हिम्मत नहीं होगी। मोदीजी का जादू एक बार फिर सिर चढ़कर बोला है। मोदी की इस यात्रा के पीछे इरादा केवल भावनात्मक रिश्तों की बुनियाद को मजबूत करना नहीं रहा है, बल्कि भारत के हक में अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करने के लिए उनका सहयोग पाने की मंशा भी रहा है, जो सफल हुआ। संभव है इससे भारत और अमेरिका दोनों ही देशों में विकास के नये रास्तें खुलेंगे।

इस यात्रा के दौरान महत्वपूर्ण घोषणा यह भी रही है कि 26/11 के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। यह पाकिस्तान को चेतावनी भी है कि वह अपनी जमीन से आतंकवादियों को सीमापार आतंकी हमलों को अंजाम देने में मदद बंद करे। अब इस्लामाबाद पर मुंबई और पठानकोट के आतंक हमलों के साजिशकर्ताओं को सजा देने का दबाव भी बढ़ जाएगा। निस्संदेह, ट्रंप का 'टैरिफ आतंकवाद' निगलने वाली कड़वी गोली हो सकती है, लेकिन भारत की रक्षा तैयारियों में अमेरिका की बड़ी भूमिका एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, जिससे भारत सैन्य मोर्चे पर सशक्त होकर उभरेगा। ट्रंप के साथ मुलाकात में भारत ने अवैध रूप से आए भारतीयों को वापस लेने की बात भी कही। पत्रकार वार्ता में मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर हमारे विचार एक जैसे हैं। यदि अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों की पुष्टि होती है तो हम उन्हें वापस लेने के लिये तैयार हैं। उन्होंने इसे मानव तस्करों की करतूत बताया।

मोदी की यह यात्रा दो बहुत अच्छे दोस्तों की बहुत ही नाजूक समझौतेवादी भूमिका को देखने का एक दिलचस्प एवं रोमांचक मौका बनी, प्रतिकूल लगते हालात को अनुकूल नतीजों की ओर मोड़ने का कौशल भी इस यात्रा में बेहतरीन अंदाज में नजर आया। दोनों नेता न केवल पहले से एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते रहे हैं बल्कि उनके बीच की व्यक्तिगत मित्रता एवं आत्मीयता भी चर्चित रही है। यह सुखद संयोग है कि दोनों नेता दुनिया के सबसे बड़े पुराने और सबसे विशाल लोकतंत्र के राष्ट्राध्यक्ष हैं। अमेरिका को पहले से ही दुनिया ग्लोबल लीडर मानती रही है। अब भारत नया और उभरता हुआ विश्वनेता बना है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की जोड़ी से दुनिया पर नये तरीके से आधिपत्य बदलता दिख रहा है। दोनों देशों के लगातार बेहतर होते रिश्तों की पृष्ठभूमि इस तथ्य को और महत्वपूर्ण बना रही थी। फिर भी यात्रा से पहले के घटनाक्रम ने इसकी कामयाबी पर भले ही संदेह की परतें चढ़ा रखी थी, लेकिन मोदी की कुशलता एवं कूटनीति से सभी वार्ताएं सौहार्दपूर्ण होकर सकारात्मक बनी। जिससे भारत एक बार फिर दुनिया के सामने सशक्त एवं ताकतवर बनकर ही प्रस्तुत हुआ है।

ट्रंप के कतिपय सख्ती से बने तनाव को मोदी ने हावी नहीं होने दिया। प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से अपने अजेंडे पर केंद्रित रहे। उन्होंने न केवल ट्रंप की तारीफ की बल्कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रिय नारे 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' (एमएजीए) की तर्ज पर अपना नारा पेश किया- 'मेक इंडिया ग्रेट अगेन' (एमआईजीए), और यह भी कहा कि जब एमएजीए और एमआईजीए साथ आते हैं तो बन जाता है एमईजीए जो दोनों देशों की शानदार साझेदारी की कहानी कहता है। इस तरह दोनों देश ने दुनिया के बॉस होते हुए अपने वर्चस्वी होने को व्यक्त किया। अमेरिका तो इस भूमिका में रहा है, लेकिन अमेरिका भारत को भी इस भूमिका में मानता है तो निश्चित ही यह भारत की दुनिया में मजबूत होती स्थिति को ही बयां कर रहा है। अब दुनिया के हर विवादों को सुलझाने में भारत-अमेरिका की संयुक्त एवं भूमिका महत्वपूर्ण होने से भारत की ताकत को समझा जा सकता है। निश्चित रूप से दोनों देशों के बीच के कई समीकरण आने वाले दिनों में नया आकार लेंगे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा ने इस उम्मीद को ठोस आधार दे दिया है कि सहयोग के स्वरूप में जो भी बदलाव हो, रिश्ता बेहतर ही होता जाएगा। मोदी की इस अमेरिका यात्रा की अहमियत जाहिर है और इसे संभावनाभरा भी माना जा रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका का उनका पहला सफर है। ट्रंप के साथ वाइट हाउस में मोदी की मुलाकात ने यही जताया कि दोनों नेताओं एवं देशों के संबंधों को और प्रगाढ़ करने की ललक दोनों तरफ है।

भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात पर देश ही नहीं, दुनिया की भी निगाहें थीं। एक तो इसलिए कि मोदी उन चुनिंदा शासनाध्यक्षों में से एक हैं, जिनसे डोनाल्ड ट्रंप ने प्रारंभिक दौर में ही मुलाकात करना बेहतर समझा और दूसरे इसलिए कि भारत अब एक बड़ी ताकत बन चुका है और वैश्विक मामलों में उसका रुख-रवैया एवं नीतियां मायने रखती है। इस मुलाकात को लेकर जिज्ञासा का एक कारण यह भी था कि बाइडन प्रशासन के समय अमेरिका और भारत के संबंधों में एक खिंचाव आ गया था। एक अर्से से यह महसूस किया जा रहा था कि बाइडन प्रशासन भारतीय हितों की वैसी चिंता नहीं कर रहा है, जैसी करनी चाहिए। मोदी और ट्रंप की मुलाकात ने यह तो रेखांकित किया कि दोनों देशों के संबंधों में गर्मजोशी लौट आई है, लेकिन अभी यह नहीं कहा जा सकता कि अमेरिका भारत की समस्त चिंताओं का समाधान करने जा रहा है, लेकिन इसे नकारा भी नहीं जा रहा है। ट्रंप ने बांग्लादेश के मामले में भारत के मन मुताबिक बात कहकर, सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से मिलकर लड़ने का वादा किया। कुल मिलाकर विकसित भारत के लक्ष्य में सहायक बनने वाले विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका से सहयोग की राह प्रशस्त होना भारत के लिये एक नये सूरज का उदय ही कहा जायेगा।

विचार मंथन

# स्कूलों में स्मार्टफोन के प्रतिबंध पर दुनिया भर में बहस

स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध एक वैश्विक बहस का विषय बन गया है। जबकि कुछ देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, अन्य देशों ने इसके उपयोग को कानूनी दायरे में लाने का फैसला किया है। यूनेस्को की ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग (जेम) टीम के अनुसार, कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो बच्चों के शिक्षा और गोपनीयता पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं।

फ्रांस में वर्ष 2018 में स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया था जो छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करता था। इसी तरह, कुछ ऑस्ट्रेलियाई और ब्रिटिश स्कूलों ने भी स्कूल घंटों के दौरान स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो विचलित होने और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं। अन्य देशों ने भी स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाए हैं। चीन के झेंगझओए शहर में, माता-पिता को अपने बच्चों को प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में स्मार्टफोन का उपयोग करने के लिए लिखित सहमति देनी होती है। इसके अलावा, कुछ देशों ने गोपनीयता की चिंताओं के कारण शैक्षिक सेटिंग्स से विशिष्ट अनुप्रयोगों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। डेनमार्क और फ्रांस ने दोनों ने गूगल वर्कस्पेस पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि जर्मनी के कुछ राज्यों ने माइक्रोसॉफ्ट उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके विपरीत, कुछ देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने का फैसला किया है, इसके बजाय प्रतिबंध लगाने के। यह दृष्टिकोण शैक्षिक सेटिंग्स में स्मार्टफोन के संभावित लाभों को स्वीकार करता है, जैसे कि ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंच और छात्रों और शिक्षकों के बीच संचार को सुविधाजनक बनाने की क्षमता। भारत में, उदाहरण के लिए, सरकार ने स्कूलों में स्मार्टफोन के जिम्मेदार उपयोग के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो शिक्षकों को इन उपकरणों को शिक्षा और सुरक्षा को बढ़ावा देने वाले तरीके से अपने शिक्षण प्रथाओं में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सिंगापुर ने भी स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने के लिए कई पहल शुरू की हैं, जिनमें मोबाइल डिवाइस प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग शामिल है ताकि स्मार्टफोन के उपयोग पर निगरानी और नियंत्रण किया जा सके। इसी तरह, कुछ कनाडाई स्कूलों ने स्कूल घंटों के दौरान स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने के लिए नीतियां लागू की हैं, जिनमें निर्दिष्ट 'टेक-फ्री' क्षेत्रों का उपयोग शामिल है। स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने या इसके उपयोग को विनियमित करने का निर्णय शैक्षिक समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं और चिंताओं सहित विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। इसके बजाय एक समग्र प्रतिबंध लगाने के बजाय, स्कूलों और सरकारों को एक संतुलन खोजने का प्रयास करना चाहिए जो छात्रों को स्मार्टफोन के लाभों का लाभ उठाने की अनुमति देता है जबकि जोखिमों को कम करता है।

स्पष्ट नीतियों को लागू करके, छात्रों और शिक्षकों को शिक्षित करके, और स्मार्टफोन के उपयोग पर निगरानी करके, स्कूल स्मार्टफोन के उपयोग को विनियमित करने में मदद कर सकते हैं जो शिक्षा, सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, स्कूल स्मार्टफोन की लत और संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को कम करने के लिए शारीरिक गतिविधि और आउटडोर प्ले को बढ़ावा दे सकते हैं। भारत सरकार ने स्कूली छात्रों में स्मार्टफोन की लत के मुद्दे को हल करने के लिए कई कदम उठाए हैं। कुछ स्कूलों ने परिसर के आसपास मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह दृष्टिकोण विचलित होने को कम करता है और एक स्वस्थ शिक्षा वातावरण को बढ़ावा देता है। स्मार्टफोन की लत बच्चों पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिनमें ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में कमी, साइबर बुलिंग का खतरा बढ़ना और शारीरिक गतिविधि में कमी शामिल है। इसके अलावा, अत्यधिक स्मार्टफोन के उपयोग को कई नकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य परिणामों से जोड़ा गया है, जिनमें चिंता, अवसाद और अकेलापन शामिल हैं। इन जोखिमों को कम करने के लिए, स्कूल और माता-पिता कई कदम उठा सकते हैं, जिनमें स्मार्टफोन के उपयोग पर सीमाएं निर्धारित करना, शारीरिक गतिविधि और आउटडोर प्ले को प्रोत्साहित करना और डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना शामिल है। स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर बहस जटिल और बहुआयामी है। जबकि कुछ देशों ने स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, अन्य देशों ने इसके उपयोग को विनियमित करने का फैसला किया है। स्मार्टफोन के लाभों का लाभ उठाने की अनुमति देते हुए छात्रों को जोखिमों को कम करने के लिए एक संतुलन खोजने से, स्कूल और सरकारें छात्रों के लिए एक स्वस्थ और समर्थनकारी शिक्षा वातावरण बनाने में मदद कर सकती हैं।

अंततः, स्कूलों में स्मार्टफोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने या इसके उपयोग को विनियमित करने का निर्णय कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें शैक्षिक समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं और चिंताओं शामिल हैं। स्कूल, सरकारें और माता-पिता मिलकर काम करके यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि छात्र स्मार्टफोन का उपयोग शिक्षा, सुरक्षा और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने वाले तरीके से करते हैं।

कांग्रेस में फेरबदल

# क्या नुकसान पहुंचाने वालों को हटाया जाएगा?

आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। लंबे समय बाद यह काम हो रहा है इसलिए उम्मीद थी कि एक बार में पूरी तरह होगा। लेकिन शायद इसके लिए बहुत मजबूत इच्छाशक्ति की जरूरत होती है। राहुल गांधी के पास है मगर वह प्रधानमंत्री मोदी भाजपा संघ के सामने। अपनी पार्टी में वह मजबूत नेता की तरह आते नहीं दिख रहे। और अब जब सब कुछ उनके हाथ में है तब भी अगर वे पार्टी में मजबूत नेता के तौर पर काम नहीं करते तो कांग्रेस को मान लेना चाहिए कि राहुल इन्दिरा गांधी या आज की बात करें तो प्रतिद्वन्दी मोदी की तरह, अपनी पार्टी चलाने के इच्छुक नहीं हैं, अब पार्टी को ही उन्हें उनकी तरह चलाना होगा। उनकी तरह चलाने से क्या मतलब है? पहले यह स्पष्ट कर दें! राहुल व्यक्तिगत रूप से हजारों किलोमीटर जैसी मुश्किल दो-दो यात्राएं, बेशुमार लोगों से मिलना, विभिन्न कामकाजी वर्गों के पास जाना उनके काम और जिन्दगी के बारे में समझना, पिता राजीव गांधी की तरह नई टेक्नालॉजी एआई, ड्रोन से भारत के भविष्य बनाने की बात करना, किसी खतरे से नहीं घबराना जैसे वाले आदमी हैं। नेताओं का वह मिजाज उनका नहीं है कि सब कुछ खुद करना है। अपने कंट्रोल में रखना है।

नहीं है तो नहीं है! हालांकि आज इस चीज की सबसे ज्यादा जरूरत है। भाजपा में तो मोदी ही मोदी हैं। उनके अलावा और कोई कुछ नहीं है। ऐसे ही बाकी पार्टियों में भी। टीएमसी में ममता बनर्जी हैं। सपा में अखिलेश यादव। राजद में लालूप्रसाद यादव। सब जगह एक व्यक्ति जो उसका सबसे बड़ा नेता है वही सर्वेसर्वा है। जदयू में अब नीतीश कुमार का कंट्रोल नहीं रहा तो नीचे गिरते हुए दिखने लगी। बाकी एक नेता की जिन पार्टियों का जिक्र किया वे अपने-अपने में मजबूत हैं। तो आज की देश की परिस्थितियां ऐसी हैं कि वहां पार्टी के आन्तरिक लोकतंत्र के सवाल का कोई मतलब नहीं है। मुख्य बात है आपकी पार्टी कितना मजबूत हो रही है। राहुल गांधी पार्टी में लोकतंत्र की स्थापना करते रहें लेकिन जब देश में ही वह कमजोर किया जा रहा है जिसे खुद राहुल कहते हैं तो वह किसी पार्टी में कितना रहेगा। मतलब पार्टी रहेगी तो आन्तरिक लोकतंत्र और दूसरे सिद्धांत रहेंगे। पहली बात पार्टी को मजबूत करना है। तो इन परिस्थितियों में कांग्रेस को यह सोचना होगा कि वह राहुल का बेहतर इस्तेमाल कैसे कर सकती है। संगठन जैसे काम अगर उनकी रूचि का विषय नहीं है तो उसमें उनकी राय ली जाए मगर भूमिका सीमित रखी जाए। कहना आसान है। मगर करना बहुत टिपिकल। वैसे राहुल अहंवादी व्यक्ति नहीं हैं। टीम के हिसाब से खेल सकते हैं। मगर कोई खिलाने वाला होना चाहिए। जो कांग्रेस में चाणक्य की बात की जाती है वह इसीलिए। मगर आजकल चाणक्य कहां मिलते हैं। मैनेजर होते हैं। और मैनेजर अपना फायदा देखते हैं। कांग्रेस के सबसे पुराने और बड़े मैनेजर गुलामनबी आजाद रहे। तमाम राज्यों के प्रभारी रहे। काम हाईकमान का नाम लेकर करते थे मगर प्रचार यह कि उनकी राजनीतिक क्षमता है। आज मालूम पड़ गई राजनीतिक क्षमता!

पार्टी में एक आदमी नहीं बचा। खुद ही झोला झंडा सब उठाना पड़ रहा है। ऐसे ही बीजेपी में एक हुए थे-प्रमोद महाजन। वाजपेयी जैसे जमीनी नेता को भरोसा दिला दिया कि इंडिया इज शाइनिंग! और जल्दी चुनाव करवाकर हरवा दिया। वाजपेयी जी ने जिन्दगी भर विपक्ष की राजनीति की। पुरानी अम्बेसडर में देश भर की सड़कों की खाक छानी। मगर मैनेजर के चक्कर में वे भी आ गए और छह महीने पहले चुनाव करवा दिए। प्रधानमंत्री मोदी की सफलता का एक बड़ा कारण यह है कि कोई मैनेजर नुमा नेता उनके आसपास नहीं है।

वाजपेयी जैसे दूसरे जमीन से जुड़े नेता मुलायम सिंह यादव भी अमर सिंह जैसे मैनेजर के कारण 2007 का चुनाव हारे थे। उसके बाद अखिलेश यादव ने जब अमर सिंह का ठीक से इलाज किया तब वे 2012 में सपा को फिर सत्ता में ला पाए थे। लेकिन असली जो अपने हितों को नहीं देखे पार्टी और नेता को आगे बढ़ाने की सोचे अर्जुन सिंह जैसा। सोनिया को कांग्रेस में सक्रिय करने और 1998 में अध्यक्ष बनाने से लेकर 2004 की केन्द्र की सत्ता में वापसी तक अर्जुन सिंह की भूमिका महत्वपूर्ण है। लेकिन बाद में खुद उनको ही अलग थलग कर दिया गया। लेकिन वे आखिरी तक पार्टी और परिवार के प्रति अपनी वफादारी बनाए रखते हुए ही इस दुनिया से गए। राहुल के लिए और उनसे ज्यादा पार्टी के लिए यह समय थोड़ा भूमिकाओं को पुनर्निधारित करने का है। मल्लिकार्जुन खरगे एक अध्यक्ष के तौर पर बहुत सही काम कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष और पार्टी अध्यक्ष दो ही सबसे बड़े पद हैं। लोग दोनों जगह जाकर स्थिति भांपने की कोशिश करते हैं। कांग्रेसी तो इस काम के लिए प्रसिद्ध हैं। लेकिन अभी खरगे और परिवार के बीच नाइत्तफाकी पैदा करने का कलाकारों को कोई मौका नहीं मिल रहा है। खरगे की राहुल के साथ ट्यूनिंग बहुत अच्छी है। लेकिन पार्टी के लिए कुछ और चीजें होना भी जरूरी हैं। खासतौर से संगठन के लिए। और इनमें सबसे जरूरी है नेताओं पर पार्टी का डर। वह सिरे से गायब है। राहुल कहते हैं पार्टी छोड़कर चले जाएं! अभी पुनर्गठन में मौका है। निकालें। अभी जो पहली लिस्ट आई है उसमें कुछ के महासचिव और इंचार्ज के पद लिए हैं मगर वह अनुशासन के मामले नहीं है। राजीव शुक्ला, दीपक बावरिया, मोहन प्रकाश, अजोय कुमार सबके अलग-अलग मामले हैं। असली चीज होगी उन पर कार्रवाई जो नेतृत्व की परवाह ही नहीं करते हैं। उसी से पता चलेगा कि पार्टी आगे कितनी दम से चलेगी।

# आज का राशिफल

## मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने ख़राब मूड को शादीशुदा ज़िंदगी में तनाव का कारण न बनने दें। इससे बचने की कोशिश करें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आप-को मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी की वजह से आपको बाहर जाना पड़ सकता है, जो बाद में आपकी झल्लाहट की वजह बनेगा।

## वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराए-गा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी।

## मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। कोई दोस्त अपनी निजी समस्याओं के समाधान के लिए आपसे मश्वरा मांग सकता है। कार्य-क्षेत्र की बात करें तो आपकी टीम का सबसे ज़्यादा खीझने वाला व्यक्ति काफ़ी समझदारी की बातें करता नज़र आ सकता है। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरूर निकाल पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है ।

## कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

गर्भवती महिलाओं को चलते-फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। अगर संभव हो तो ऐसे लोगों से दूर रहें जो धूम्रपान करते हैं, क्योंकि इससे पैदा होने वाले शिशु को नुकस-ान हो सकता है। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

## सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। किसी रिश्तेदार के यहा से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती हैं।

## कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। प्यार का जज़्बा अनुभव के परे है, लम्बे समय से अटके फ़ैसलों को अमली जामा पहनाने में क़ामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढ़ेंगी। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने के मुश्किल आएगी।

## तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

## वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। ऐसे बदलाव लाएं जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

## धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उदास और अवसादग्रस्त न हों। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखें-गे। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

## मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक समारोह में नए दोस्त बन सकते हैं। हालाँकि अपने चयन में सावधानी बरतें। अच्छे दोस्त उस ख़ज़ाने की तरह होते हैं, जिसे सारी ज़िंदगी दिल के क़रीब रखा जाता है।अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएं, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

## कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। दूसरों की कमियां ढूंढने का ग़ैर-ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें।

## मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। भा-वनात्मक उथल-पुथल आपको परेशान कर सकती है। आपकी अन्दरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

# मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 18 फरवरी 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : षष्ठी अहोरात्र
नक्षत्र : चित्रा प्रात: 07:36 तक
योग : गण्ड प्रात: 09:51 तक
करण : गर सायं 06:16 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:41 , सूर्यास्त 06:19 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:40 , सूर्यास्त 06:26 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:18 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 06:31 , सूर्यास्त 06:11 ( विजयवाडा )

शुभ चौघड़िया
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वसंत ऋतु आरंभ


※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com


# हिंदी एक संवैधानिक निर्देश ही नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आवश्यकता है : भजनलाल

जयपुर,17 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि हिंदी को बढ़ावा देना हम सभी की जिम्मेदारी है क्योंकि यह हमारे मन की अभिव्यक्ति का स्वरूप है। हिंदी न केवल हमारी राजभाषा है बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय एकता की प्रतीक भी है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए हर संभव प्रयास करें क्योंकि यह केवल एक संवैधानिक निर्देश ही नहीं बल्कि एक राष्ट्रीय आवश्यकता भी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी में आयोजित मध्य पश्चिम एवं उत्तरी क्षेत्रों के संयुक्त क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हिंदी के सम्मान, प्रयोग और प्रसार में अपनी पूरी शक्ति और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए हमें हर स्तर पर, हर क्षेत्र में इसे प्रोत्साहित करना चाहिए। यही हमारी असल पहचान है। उन्होंने कहा कि हिंदी भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सकती है। मुख्यमंत्री ने डिजिटल युग में हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के तकनीकी युग में हिंदी को डिजिटल प्लेटफार्मों पर भी समाहित करना आवश्यक है। इस सम्मेलन में कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करने के नवीनतम तरीकों और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है, जो सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, सोच और विचारों का सशक्त रूप है। हमारे प्रदेश में हिंदी का प्रशासनिक क्षेत्र में व्यापक प्रयोग हो रहा है। राजकीय विभागों में हिंदी के मानक प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

शर्मा ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता के क्षेत्र में अद्वितीय कार्य किए हैं। इनके नेतृत्व ने न केवल हमारी सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया है बल्कि देश में आंतरिक सुरक्षा को लेकर अगाध विश्वास पैदा किया है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में हिंदी के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले पुरस्कृत सभी संस्थानों और व्यक्तियों को बधाई देते हुए कहा कि इन सभी का योगदान हिंदी के प्रति हमारे लगाव को और मजबूत करता है।

इस अवसर पर सरकारी कामकाज में हिंदी में सर्वोत्कृष्ट कार्य करने वाले मध्य, पश्चिम तथा उत्तर भारत के केंद्रीय सरकार के कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को पुरस्कृत भी किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजभाषा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली, प्रख्यात साहित्यकार डॉ. इंदुशेखर तत्पुरुष सहित 16 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से केंद्र सरकार के कार्यालयों, बैंकों व उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

## भरतपुर में बृज उद्योग हस्तशिल्प एवं स्वयंसिद्धा मेले का उद्घाटन

भरतपुर,17 फरवरी (एजेंसियां)। संभाग स्तरीय बृज उद्योग हस्तशिल्प एवं स्वयंसिद्धा मेले का उद्घाटन जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने ग्रामीण हाट, कम्पनी बाग में किया। यह मेला 23 फरवरी तक आयोजित रहेगा, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के लघु उद्योग, दस्तकार और हस्तशिल्प के उत्पाद एक ही स्थान पर उचित दरों पर उपलब्ध होंगे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. यादव ने कहा कि यह मेला भरतपुर के लोगों को विभिन्न जिलों के उत्पाद खरीदने का एक अनोखा अवसर प्रदान करेगा, जिससे न केवल स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि दस्तकारों को भी आर्थिक संबल मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस मेले में विभिन्न विभागों और बैंकों द्वारा स्टॉल लगाई गई हैं, जहां आमजन को सरकारी योजन-ाओं की जानकारी और लाभ मिल सकेगा।इसके अलावा, मेले में घरेलू उपयोग की सामग्री, बच्चों के मनोरंजन के लिए स्टॉल्स और खानपान के स्टॉल्स भी लगाए गए हैं। हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति और लोककला को बढ़ावा दिया जाएगा। डॉ. यादव ने आमजन से मेले में अधिक से अधिक खरीदारी करने और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर, जिला कलक्टर ने मेले का विधिवत उद्घाटन करते हुए विभिन्न स्टॉल्स का दौरा किया और वहां प्रदर्शित उत्पादों की जानकारी ली।

## नई पीढ़ी के मतदाताओं में जागरूकता पर फोकस : निर्वाचन विभाग

जयपुर,17 फरवरी (एजेंसियां)। निर्वाचन विभाग ने भारत निर्वाचन आयोग और शिक्षा मंत्रालय के आपसी सहमति-पत्र (एमओयू) की अनुपालना के क्रम में राजस्थान के राजकीय एवं निजी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के गठन, सुदृढ़ीकरण और संचालन के लिए मुहिम शुरू की है। जिसका उद्देश्य नई पीढ़ी के भावी मतदाताओं को लोकतंत्र के प्रति जागरूक नागरिक और भविष्य के सजग मतदाता के रूप में तैयार कर चुनाव की प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन के निर्देशन में स्कूल शिक्षा विभाग - निदेशालय माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर के सहयोग से राज्य भर के शिक्षण संस्थानों में ईएलसी के संचालन तथा पीईईओ - यूसीईईओ/ ब्लॉक/ जिला एवं राज्य स्तरीय पर्यवेक्षण के लिए एक मानक प्रक्रिया (एसओपी) भी निर्धारित की गई है।

कोई मतदाता ना छूटे ध्येय की प्राप्ति के लिए ईएलसी के माध्यम से प्रत्येक वर्ष की अर्हता दिनांक 1 जनवरी, 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी जा रही है। उन्हें 17 वर्ष आयु प्राप्ति पर ही मतदाता के रूप में अग्रिम रूप से पंजीकृत किया जा रहा है। विद्यालय में ईएलसी गतिविधियों के माध्यम से सहभागियों को नाटक, उद्घोषन, भाषण, गीत, कविता और निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मतदान शपथ इत्यादि के माध्यम से नैतिक मतदान हेतु प्रेरित किया जाता है तथा लोकतान्त्रिक व्यवस्था, चुनाव प्रक्रिया, आदर्श चुनाव आचार संहिता आदि विषयों पर जानकारी साझा की जाती है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार जारी एसओपी में निर्देशित किया गया है कि आगामी शैक्षणिक सत्र से शिक्षा विभाग ईएलसी की गतिविधियों को अपने शिविरा कैलेंडर में शामिल करेगा। शाला दर्पण पोर्टल एवं प्राइवेट स्कूल पोर्टल पर संधारित ईएलसी से सम्बंधित सूचनाओं की ऑनलाइन मॉनिटरिंग जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा भी नियमित रूप से की जा रही है। उन्होंने बताया कि आगामी राष्ट्रीय मतदाता दिवस से श्रेष्ठतम प्रदर्शन वाली स्कूल ईएलसी के हेड एवं संस्था प्रधान को ब्लॉक एवं जिला स्तर पर तथा समग्र श्रेष्ठतम प्रदर्शन वाले ईआरओ एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा।

## तहसीलदार रिश्वत लेते गिरफ्तार किया

जैसलमेर,17 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की सुनहरी रेत पर जब सूरज की किरणें न्याय की उम्मीद जगाती हैं, तभी भ्रष्टाचार के काले बादल उसे ढकने की साजिश करने लगते हैं। जैसलमेर में एंटी करप्शन ब्यूरो की जयपुर टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो तहसीलदारों को 15 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई ने दो भ्रष्ट अधिकारियों की कलई खोल दी, जो इंसाफ की चौखट पर बैठे रहकर अपने हाथों को रिश्वत से रंग रहे थे।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रविप्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि स्पेशल यूनिट द्वितीय एसीबी को शिकायत मिली थी। इसके तहत परिवादी के द्वारा तहसील क्षेत्र फतेहगढ़ जिला जैसलमेर में खरीदी गई जमीन कि की रजिस्ट्री करवाने, नामान्तरण दर्ज करवाने एवं पैमाइश, रजिस्ट्री, नामान्तरण दर्ज करवाने के लिये 60 लाख रुपए की मांग कर परेशान कर रहे हैं। यह आरोप तहसीलदार भणियाणा श्रीमती सुमित्रा चौधरी एवं तहसीलदार फतेहगढ़ शिवप्रसाद शर्मा पर लगाए गए।

सूत्रों के मुताबिक भणियाणा तहसीलदार सुमित्रा गोदारा और फतेहगढ़ तहसीलदार शिवप्रकाश, जिन्होंने कानून को अपने हाथों की कठपुतली बना रखा था, 60 लाख की रिश्वत मांगने के आरोप में फंसे। लेकिन कानून की नजरों से बच पाना इतना आसान नहीं था।

## निकाय चुनाव में भाजपा का कमल खिलेगा और ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी : बड़ौली

चंडीगढ़,17 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने दावा करते हुए कहा निकाय चुनाव में भाजपा का कमल खिलेगा और ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी लगातार जनहित में निर्णय लेकर प्रदेश के लोगों की सेवा कर रहे हैं। भाजपा सरकार के कार्यों से जनता खुश है और माहौल भाजपा के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस का जनाधार नहीं है, कांग्रेस का अस्तित्व खत्म हो चुका है। बड़ौली ने सोमवार को भाजपा मेयर प्रत्याशी राजीव जैन के कार्यालय का उद्घाटन किया

और भाजपा प्रत्याशी को विजयी बनाने की जनता से अपील की। इस मौके पर भाजपा मेयर प्रत्याशी राजीव जैन, पूर्व मंत्री कविता जैन, जिला अध्यक्ष समेत सैकड़ों कार्यकर्ता और लोग उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि निकाय चुनाव में जनता कमल का फूल खिलाएगी और अपने क्षेत्र के नॉन स्टॉप विकास के लिए ट्रिपल इंजन की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की जनता ने विधानसभा चुनाव में भाजपा को आशीर्वाद दिया और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। नगर निकाय चुनाव में हरियाणा के मतदाता एकजुट होकर फिर से भाजपा प्रत्याशियों को विजयी बनाकर नॉन स्टॉप विकास में सहभागी बनेंगे।

बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन नगर निकाय चुनाव में होने वाला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदा से ही झूठ और अफवाह फैलाने का कार्य करती रही है। लोग कांग्रेस की असलियत को जान चुके हैं। उन्होंने कहा कि जनता अपना मन बना चुकी है कि नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को ही जीत दिलाएंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे कमल के फूल को प्रत्याशी मानकर भाजपा उम्मीदवारों को बड़ी जीत दिलाने के लिए कार्य करें।

## खनन घोटाले की वजह से प्रदेश के राजस्व को हुआ 50000 करोड़ का नुकसान : हुड्डा

चंडीगढ़,17 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि कैग रिपोर्ट में खनन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। 1 साल के भीतर अवैध खनन के चलते प्रदेश के राजस्व को 5000 करोड़ का घाटा हो चुका है। यानी भाजपा के पूरे कार्यकाल के दौरान सिर्फ अवैध खनन के चलते 50000 करोड़ की चपत लग चुकी है। इस मुद्दे को कांग्रेस आने वाले विधानसभा सत्र में जोर-जोर से उठाएगी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव को कांग्रेस स्थानीय मुद्दों पर लड़ेगी। बीजेपी ने शहरों की हालत खस्ताहाल कर दी है। सड़के पूरी तरह टूटी पड़ी है और सीवरेज व्यवस्था चरमराई हुई है। सफाई व्यवस्था नाम की कोई चीज नजर नहीं आती। इन मुद्दों को कांग्रेस चुनाव के दौरान जनता के बीच लेकर जाएगी।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने अमेरिका से डिपोर्ट किए गए भारतीयों के मुद्दे पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीयों को हथकड़ी और बेड़िया बांधकर भेजना पूरी तरह निंदनीय है। भारत सरकार को इसके विरुद्ध आवाज उठानी चाहिए। जिस तरह हरियाणा की बीजेपी सरकार ने अमेरिका से लौटे हरियाणवियों को लाने के लिए कैदियों वाली गाड़ी भेजी, यह उनका अपमान है।

## हरियाणा रेरा ने दिए मानेसर में पुराने राव ढाबे को हटाने के आदेश

गुरुग्राम,17 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा रेरा ट्रिब्यूनल ने ऐतिहासिक निर्णय में भूमि-उपयोग नियमों का उल्लंघन करने पर मानेसर में पुराने राव ढाबे को हटाने का आदेश दिया है। ट्रिब्यूनल ने गुरुग्राम के जिला नगर नियोजन (डीटीपी) के प्रवर्तन विंग को 27 जनवरी, 2025 को निर्देश देते हुए कहाकि यह अनधिकृत संरचना 90 दिन के अंदर - अंदर हटाई जाए और भूमि को उसकी मूल स्थिति में बहाल कर रिपोर्ट सौंपी जाए। यह निर्णय लाल सिंह यादव बनाम हरियाणा राज्य (अपील संख्या 17/2021) के मामले में आया है। ट्रिब्यूनल ने पाया कि यह ढाबा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे प्रतिबंधित नियंत्रित क्षेत्र के रूप में नामित भूमि पर अवैध रूप से बनाया गया था। इसने ज़ोनिंग-लॉ अनुपालन नहीं किया था। ट्रिब्यूनल के चेयरमैन जस्टिस (सेवानिवृत्त) राजन गुप्ता ने इस मामले में निर्णय सुनाते हुए कहा, हरियाणा राज्य सरकार साइट को उसकी मूल स्थिति में बहाल करने के लिए स्वतंत्र है। ट्रिब्यूनल ने इस बात पर भी जोर दिया कि अनधिकृत निर्माणों को, खास तौर पर राजमार्गों के आसपास बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ट्रिब्यूनल ने 18 अगस्त, 2021 के अपने पहले के आदेश को बरकरार रखते हुए फिर से पुष्टि की कि ऐसी संरचनाएं नियंत्रित क्षेत्र के नियमों का उल्लंघन करती हैं और उन्हें हटाया जाना चाहिए। कार्यवाही के दौरान ट्रिब्यूनल ने पूछा कि क्या गुरुग्राम के डीटीपी (प्रवर्तन) इस ढाबे को हटाने की प्रक्रिया पर स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। हरियाणा रेरा ट्रिब्यूनल का यह निर्णय भूमि-उपयोग कानूनों को लागू करने और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अनधिकृत वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को रोकने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

## विधायी संस्थाओं में बढ़ेगी युवा और महिलाओं की भागीदारी : कल्याण

चंडीगढ़,17 फरवरी (एजेंसियां)। विधायकों के प्रबोधन कार्यक्रम की सफलता से उत्साहित हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने भविष्य में प्रशिक्षण कार्यक्रमों की विस्तृत योजना बना ली है। कल्याण विधायी संस्थाओं में युवा और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी खाका खींच रहे हैं। उन्होंने विधान सभा सचिवालय में शोध और एआई आधारित तकनीकों को प्रोत्साहित करने का भी निश्चय किया है। विधान सभा अध्यक्ष ने यह जानकारी सोमवार को सेक्टर 3 स्थित हरियाणा निवास में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 14 और 15 फरवरी को आयोजित प्रबोधन कार्यक्रम का विधायी कामकाज की गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि विधायकों ने पूरी लग्न से इस कार्यक्रम में भाग लिया है। प्रबोधन कार्यक्रम में जितने भी विषय लिए गए उन सबके प्रति सदस्यों ने गहरी रूचि दिखाई है। आदर्श विधायक बनने के गुर बताते हुए सदस्यों के लिए करणीय और अकरणीय कार्यों का विस्तार से उल्लेख हुआ है। विधानमंडलों में प्रश्नों और अन्य उपकरणों के माध्यम से कार्यपालिका को जवाबदेही बनाने की सभी विधियों की यहां चर्चा हुई है। संसदीय लोकतंत्र की आत्मा मानी जाने वाली विधान सभा की समितियों की कार्यप्रणाली का गहन अध्ययन इस दौरान हुआ है। विधायी और वित्तीय कामकाज के तौर तरीकों पर अलग से सत्र रहा है। इसी प्रकार 'विधायी प्रक्रियाओं में मंत्रियों की भूमिका' विषय ने विधायकों के दृष्टिकोण को विस्तार दिया है। राष्ट्रीय

ई-विधान एप्लिकेशन पर आयोजित सत्र में विधायकों को नई तकनीक सीखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसी प्रकार संसदीय विशेषाधिकार पर विशेष सत्र रहा और अनेक वरिष्ठ नेता-ओं ने अपने विधायी अनुभव साझा किए हैं।

हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक देश एक विधायिका का सपना देखा है। हरियाणा ने इस दिशा में काम करना शुरू कर दिया है। पूरे देश में डिजिटल प्लेटफार्म विकसित किया जा रहा है। इसके तहत सभी संसद के साथ-साथ सभी राज्यों के विधानमंडल एक दूसरे की जानकारी परस्पर साझा कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाओं को युवाओं और महिलाओं की भागीदारी मजबूत करने के लिए अभिनव प्रयोग किए जाएंगे।

# भव्य-दिव्य महाकुंभ
## टूट नहीं रहा श्रद्धालुओं का तांता
## छूट नहीं रहा सनातन का नाता

# निषाद पार्टी के युवा नेता ने आत्महत्या कर ली

## राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद को जिम्मेदार बताया

**महाराजगंज, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद को जिम्मेदार बताकर पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव धर्मात्मा निषाद ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। धर्मात्मा निषाद ने फेसबुक अकाउंट पर डाली अपनी आखिरी पोस्ट में पार्टी अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद और उनके बेटों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें अपनी आत्महत्या के लिए जिम्मेदार ठहराया।

महराजगंज के नरकटा गांव में रविवार को निषाद पार्टी के पूर्व प्रदेश सचिव धर्मात्मा निषाद ने खुदकुशी की। उनका शव घर में फंदे से लटका मिला। धर्मात्मा की मौत के बाद नाराज परिजनों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस को पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने से रोक दिया। काफी समझाने के बाद परिजन माने और दोपहर बाद करीब तीन बजे पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिए भेज सकी। धर्मात्मा के फेसबुक अकाउंट से की गई एक पोस्ट में पार्टी अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद और उनके बेटों पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें खुदकुशी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।

धर्मात्मा लंबे समय तक निषाद पार्टी के युवा मोर्चा के प्रदेश सचिव के पद पर रहे। फिलहाल, वह पार्टी में किसी पद पर नहीं थे। रविवार की सुबह परिजनों ने घर के एक कमरे में धर्मात्मा को फंदे से लटका देखा। आनन-फानन फंदे से उतार कर उन्हें पीपीगंज स्थित अस्पताल ले गए जहां जांच के बाद डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर घर लौटे। जानकारी के बाद पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजने को कहा तो परिजनों ने धर्मात्मा को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग करते हुए शव देने से इन्कार कर दिया। सुबह 10 बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक परिजन शव लेकर बैठे रहे। इस दौरान जुटी भीड़ निषाद पार्टी के प्रमुख नेताओं के खिलाफ नारेबाजी करती रही। सीओ सदर आभा सिंह ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन देकर धर्मात्मा के परिजनों को शांत कराया और शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

महराजगंज के पनियरा थाना इलाके के ग्राम पंचायत नरकटहां के छोटका नरकटहां टोला निवासी धर्मात्मा निषाद (29) संतकबीरनगर के मेंहदावल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की तैयारी में थे। रविवार को वह अपने दोस्त अजय के साथ पोस्टर बनवाने जाने वाले थे।

# प्रयागराज, काशी और अयोध्या ने दिखाया भारत का सामर्थ्य : मुख्यमंत्री

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया युवा उद्यमियों से संवाद

**लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में अयोध्या, काशी और प्रयागराज में जिस प्रकार श्रद्धालुओं का आगमन हो रहा है, उसने भारतीय संस्कृति को नई पहचान तो दी ही है, अर्थव्यवस्था को भी बड़ा बूस्ट दिया है। अयोध्या, काशी और प्रयागराज ने भारत के पोटेंशियल को दर्शाया है।

मुख्यमंत्री योगी, सोमवार को महाराष्ट्र से आये युवा उद्यमियों से संवाद कर रहे थे। युवा भारत संस्था के तत्वावधान में मुंबई के औद्योगिक घरानों से जुड़े उद्यमी संवाद में शामिल हुए। संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने महाकुंभ पर उंगली उठाने वालों को भी करारा जवाब दिया। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ का विरोध करने वालों से हमारी इकॉनमिक्स बेहतर है। उन्होंने उद्यमियों से पूछा कि अगर केंद्र व राज्य की तरफ से मिलकर 7500 करोड़ रुपए खर्च करके अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या, प्रयागराज, काशी, चित्रकूट, गोरखपुर, नैमिषारण्य में बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर है। अयोध्या में सड़क चौड़ीकरण, इंटरनेशनल

एयरपोर्ट निर्माण, काशी विश्वनाथ धाम के दौरान यह लोग विरोध कर रहे थे, लेकिन जब सरकार ने दृढ़ इच्छाशक्ति से निर्णय लिया तो रिजल्ट सामने है। एक वर्ष में रामजन्मभूमि मंदिर में 700 करोड़ का चढ़ावा आया। इन लोगों को अब यह भी बुरा लगेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ में अब तक 53 करोड़ श्रद्धालु संगम में आस्था की पावन डुबकी लगा चुके हैं। अगले 9 दिन तक यह उत्सव इसी रूप में चलेगा। यही भारत की पोटेंशियल है। भारत की आस्था को यदि सम्मान दिया गया होता तो भारत और भी ऊंचाइयों को प्राप्त किया होता। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से कहा कि आप सभी को अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि, प्रयागराज, काशी समेत कई स्थलों को देखने का सौभाग्य प्राप्त होगा। वर्तमान में देश-दुनिया से श्रद्धालु तीनों स्थानों पर आकर भारत की आस्था को दुनिया के सामने भी दिखाकर अपनी ताकत का अहसास भी करा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य यूपी में 25 करोड़ की आबादी निवास करती है। पीएम मोदी के मार्गदर्शन व नेतृत्व में पिछले 10 वर्ष के अंदर पहली बार देश की आस्था को सम्मान प्राप्त हुआ। उन्होंने भारत के इस पोटेंशियल को पहचाना। उन स्थलों को फिर से मान्यता प्राप्त हुई, जिनके लिए भारत जाना जाता था। 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और रामलला विराजमान हुए। 2016-17 में यूपी में जब भाजपा सरकार नहीं थी, तब यहां श्रद्धालुओं की संख्या महज 2.35 लाख हुआ करती थी, 2024 में यह संख्या बढ़कर लगभग 14-15 करोड़ से अधिक रही। सीएम ने कहा कि अयोध्या के विकास के लिए जो कुछ भी हो रहा है, वह श्रद्धालुओं के सहयोग का परिणाम है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम बनने के पहले काशी में भी श्रद्धालुओं की संख्या काफी कम थी, आज काफी अधिक हो चुकी है। परसों काशी में स्थानीय लोगों से बात की तो मुझे बताया गया कि काशी में इतनी भीड़ कभी नहीं देखी, जितनी पिछले डेढ़ महीने से देख रहे हैं। 2013 में प्रयागराज कुंभ में 55 दिन के आयोजन में 12 करोड़ श्रद्धालु आए थे। 2019 में अर्धकुंभ को हमने कुंभ के रूप में आयोजित किया, तब लगभग 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार प्रयागराज महाकुंभ में 45 दिन के आयोजन में बीते 36 दिन में 53 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 35 दिन के अंदर 40 रूटीन के साथ फ्लाइट के साथ ही 700 से अधिक चार्टर उतरे हैं। रेलवे को प्रतिदिन सैकड़ों मेला स्पेशल रेल चलानी पड़ रही है। परिवहन निगम की 14 हजार बसों का बेड़ा चल रहा है। उन्होंने बताया कि 28 से 30 जनवरी तक 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। 28 को लगभग साढ़े पांच करोड़, 29 जनवरी को लगभग आठ करोड़ व 30 जनवरी को ढाई करोड़ श्रद्धालु आए थे। केंद्र व राज्य सरकार ने अपने स्तर पर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराईं। इंफ्रास्ट्रक्चर-कनेक्टिविटी अच्छी हो, मेले का विस्तार हो, संगम में जल की प्रचुर मात्रा हो। इस पर पहले से एक्सरसाइज की गई। अंततः सारी व्यवस्थाओं व कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में हमें सफलता प्राप्त हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी भारत के बाजार विदेशी सामानों से भरे पड़े होते थे। पीएम मोदी की प्रेरणा से 2018 में हमने ओडीओपी योजना लागू की। यूपी के परंपरागत एमएसएमई सेक्टर के प्रोडक्ट की मैपिंग की। हर जिले के प्रोडक्ट को आइडेंटिफाई किया। हमने डिजाइनिंग, पैकेजिंग, टेक्नोलॉजी, मार्केटिंग में मदद की तो हमारा एक्सपोर्ट बढ़ा। यूपी ने देश को नया ब्रांड दे दिया। इससे लाखों लोगों को रोजगार देने में हमें सफलता मिली। होली, दीपावली आदि त्यौहारों पर कभी यहां का बाजार चीन के प्रोडक्ट से पटा होता था, आज समाप्त हो गया। अब उपहार के रूप में लोग ओडीओपी का उत्पाद देते हैं। उन्होंने बताया कि 2017 में सरकार बनने के बाद मुरादाबाद गया तो वहां ब्रास आइटम से जुड़े लोगों में निराशा दिखी। यह उद्योग बंदी के कगार पर था। उनके पास हर चीज का अभाव हो रहा था, हमने प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड व इंस्पेक्टर राज को नियंत्रित किया और सुविधाएं उपलब्ध कराईं। आज अकेले मुरादाबाद से 16-17 हजार करोड़ रुपए के उत्पाद एक्सपोर्ट होते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि कारपेट सेक्टर के महत्वपूर्ण केंद्र वाराणसी, भदोही, मिर्जापुर को भी हमने डिजाइन, मार्केट से जोड़ा। एक्सपो मार्ट बनाया गया। आज वहां से 8-10 हजार करोड़ के कारपेट एक्सपोर्ट होते हैं। फिरोजाबाद का ग्लास पुनर्जीवित हो गया। हर जनपद क्रांतिकारी परिवर्तन से लोगों को आकर्षित कर रहा है। आज वही प्रोडक्ट हर किसी के घर में जा रहा है, लेकिन पहले इस पर ध्यान नहीं दिया गया। हमने नकल तो की, लेकिन अकल नहीं लगाई, जिससे देश-प्रदेश को परिणाम भुगतना पड़ा। आज भारत स्वयं की तकनीक पर विश्वास कर रहा है तो हर भारतीय उससे जुडने को तैयार हो रहा है। उस जुड़ाव का लाभ भी भारत को प्राप्त हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी ने पिछले आठ वर्ष के अंदर काफी प्रगति की है। यूपी ने अनेक रिफॉर्म भी किए। यूपी के प्रति बदली धारणा, निवेश प्रस्तावों, सुरक्षा व कानून व्यवस्था की बेहतरीन स्थिति है। पीएम मोदी की अपेक्षा पर खरा उतरने के लिए हर कदम उठाए। प्रदेश निवेश के बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप में उभरे, इसके लिए सिंगल विंडो प्लेटफॉर्म व लैंड बैंक दिया। हर स्तर पर मॉनिटरिंग के मैकेनिज्म को मजबूत किया। अब हर कोई यूपी में निवेश करना चाहता है। यहां निवेश, पुलिस के आधुनिकीकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर समेत अलग-अलग सेक्टर में काम हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्यमियों से कहा कि एक बार अयोध्या की भीड़ के बीच से जाकर उत्साह व मस्ती देखें। सरयू जी में डुबकी व रामलला का दर्शन अविस्मरणीय होगा। प्रयागराज में भी हर जगह से श्रद्धालु आ रहा है। संगम में डुबकी लगाकर जन्म-जीवन धन्य हो रहा है। सीएम ने उद्यमियों से अनुरोध किया कि अक्षयवट कॉरिडोर, लेटे हनुमान जी, सरस्वती कूप, शिवालिक पार्क का दर्शन करें और महाकुंभ के बाद फिर से कार्यक्रम बनाएं।

# मुरादाबाद में किताब खरीदने निकली हिंदू लड़की का अपहरण

## सुल्तानपुर में भी युवती गायब मुस्लिम बनाने की धमकी

**मुरादाबाद, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक मुस्लिम युवक एक हिंदू नाबालिग को उठा ले गया। हिंदू नाबालिग को वह लम्बे समय से परेशान कर रहा था। लड़की के परिजनों ने इस विषय में अब एफआईआर दर्ज करवाई है और कार्रवाई की मांग की है। वहीं सुल्तानपुर में भी एक हिंदू युवती को घर से ले जाने और धर्मांतरण का आरोप मुस्लिम युवकों पर लगा है।

मुरादाबाद के सोनकपुर थाना क्षेत्र में एक गांव में रहने वाली नाबालिग हिंदू लड़की 11 फरवरी से गायब है। हाई स्कूल की छात्रा हिंदू लड़की पहले कॉलेज गई थी और वापस आकर किताब खरीदने की बात कह कर वापस घर से निकली थी। हालांकि, इसके बाद वह घर नहीं आई। पहले घरवालों ने इस संबंध में काफी तलाश की लेकिन कोई सुराग ना लगने पर वह पुलिस के पास पहुंचे। घरवालों ने आरोप लगाया कि गांव का ही मुस्लिम युवक दिलशाद उनकी बेटी को लेकर गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिलशाद लगातार उनकी बेटी को स्कूल आते-जाते समय छेड़ता था।

दिलशाद भी इस दौरान अपने घर पर मौजूद नहीं है। पीड़ित परिवार ने बताया है कि दिलशाद के घरवाले दबंग हैं जबकि वह लोग मेहनत मजदूरी करने वाले हैं। स्थानीय हिंदुओं ने आरोप लगाया है कि दिलशाद हिंदू लड़की का धर्मांतरण करवाने की जुगत में है। उन्होंने बताया है कि दिलशाद चचेरा भाई भी एक हिंदू लड़की को अगवा करके उससे निकाह कर चुका है। पीड़ितों ने इस मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। एसपी मुरादाबाद ने बताया है कि लड़की और दिलशाद की तलाश को टीमें गठित कर दी गई हैं। हालांकि, अभी तक दोंनो के विषय में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

दूसरी तरफ, सुल्तानपुर में भी एक हिंदू लड़की को बहला फुसला कर ले जाने का आरोप मुस्लिम युवकों पर लगा है। दोस्तपुर थाना क्षेत्र में पीड़ित पिता ने बताया है कि उनकी 19 वर्षीय बेटी को तीन मुस्लिम दानिश, आवेश और कैफ अपने साथ ले गए हैं। वह लड़की के साथ पहले से फोन पर बात करता था। हिंदू लड़की के पिता ने इस संबंध में दानिश के घर भी शिकायत की थी लेकिन यहां से उन्हें धमकी ही मिली।

# 20 साल बाद अमेठी के मंदिर में गूंजा हर हर महादेव का नारा

## कट्टरपंथी मुस्लिमों ने बंद करा दिया था दलित का बनाया मंदिर

**अमेठी, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के औरंगाबाद गांव में स्थित 120 साल पुराने पंच शिखर शिव मंदिर में 20 साल बाद पूजा-अर्चना संपन्न हुई। प्रशासन की सख्ती और भारी पुलिस सुरक्षा के बीच रविवार 16 फरवरी को मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन हुआ। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा।

यह मंदिर दलित (अनुसूचित वर्ग) के जेठूराम द्वारा 120 वर्ष पूर्व बनवाया गया था, लेकिन

बीते 20 सालों से मुस्लिमों द्वारा अतिक्रमण कर इसे बंद करवा दिया गया था। ग्रामीणों ने पंच शिखर शिव मंदिर की मुक्ति के लिए प्रशासन से गुहार लगाई थी, जिसके बाद कार्रवाई करते हुए मंदिर को पुनः भक्तों के लिए खोल दिया गया। पूजा-अर्चना संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं ने इसे सनातन धर्म की विजय बताया। मंदिर परिसर और आस-पास पीएसी सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। सीओ मुसाफिरखाना अतुल सिंह और तहसीलदार स्वयं मौके पर उपस्थित रहे।

भाजपा के जिला मंत्री अतुल सिंह ने कहा कि यह हिंदू समाज की धार्मिक आस्था की जीत है। वहीं, एक बुजुर्ग श्रद्धालु ने कहा कि वर्षों बाद अपने मंदिर में पूजा कर गर्व महसूस हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि मंदिर पहले पुजारी गणेश तिवारी और उनके परिवार की देखरेख में था, लेकिन दो दशक पहले उन्हें मजबूरी में पलायन करना पड़ा। इसके बाद मंदिर पर मुस्लिमों ने अतिक्रमण कर लिया और पूजापाठ बंद हो गई। अब प्रशासन की कार्रवाई से मंदिर भक्तों के लिए पुनः खुल गया है। धार्मिक संगठनों और हिंदू समाज ने इस फैसले का स्वागत किया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अमेठी और उसके आसपास के क्षेत्रों में ऐसे कई ऐतिहासिक धार्मिक स्थल हैं, जो विभिन्न कारणों से बंद पड़े हैं या अतिक्रमण का शिकार हो चुके हैं। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन अन्य मंदिरों को भी मुक्त कराए और धार्मिक स्वतंत्रता को बनाए रखे।

## बदलते मौसम का परिणाम

# सुख गए ऐतिहासिक मुगन गार्डन के झरने

**सुरेश एस डुग्गर**
**जम्मू, 17 फरवरी।**
कश्मीर बदलते मौसम का शिकार होना आरंभ हो गया है। हालत यह है कि यहां इस बार लेह को मिलाने वाला जोजिला दर्रा यातायात के लिए अभी तक खुला हुआ हे वहीं अनंतनाग के अच्छाबल के एतिहासिक झरने सूखने लगे हैं। पहली बार, अच्छाबल में ऐतिहासिक मुगल उद्यान, जो कभी अपने झरनों और प्राकृतिक झरनों के लिए जाना जाता था, अभूतपूर्व संकट का सामना कर रहा है क्योंकि जलवायु परिवर्तन के कारण इसके जल स्रोत सूख रहे हैं।

महारानी नूरजहां द्वारा 17वीं शताब्दी में बनवाया गया यह प्रतिष्ठित उद्यान पानी की गंभीर कमी से जूझ रहा है, जिससे इसके फव्वारे और नदियाँ बंजर हो गई हैं। स्थानीय निवासी और सामाजिक कार्यकर्ता शब्बीर अहमद के बकौल, हमने अच्छाबल में मुगल उद्यान के सूखने में ऐसा बदलाव कभी नहीं देखा। यह पहली बार है जब हम ऐसा निराशाजनक दृश्य देख रहे हैं। शब्बीर कहते है कि झरना पूरी तरह से सूख गया है, जिससे पीने के पानी की कमी हो गई है। शब्बीर ने कहा, हमारे पाप, हम जल निकायों को कैसे प्रदूषित कर रहे हैं और जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश और बर्फबारी में कमी, इस बिगड़ती स्थिति के मुख्य कारण हैं।

भविष्य की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर वे कहते हैं कि जब पानी उपलब्ध नहीं है, तो हम अपनी जमीन की सिंचाई कैसे कर सकते हैं? बागवानी और कृषि दोनों ही पानी पर निर्भर हैं और इस स्थिति का गंभीर असर होगा। आस-पास के इलाकों में पानी की कमी शुरू हो गई है और लोग परेशान हैं क्योंकि वे अब पानी के टैंकरों पर निर्भर हैं। यह समय एकजुट होने और अपने जल निकायों को प्रदूषण से बचाने के लिए मिलकर काम करने का है। एक अन्य स्थानीय निवासी मुश्ताक अहमद का कहना था कि अच्छाबल गार्डन हमारी विरासत है, हमारी पहचान का हिस्सा है। इसे सूखते देखना दिल दहला देने वाला है। वे कहते थे कि अगर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो हमें डर है कि यह फिर कभी वैसा नहीं हो सकता।

हालांकि विशेषज्ञ इस संकट के लिए बढ़ते तापमान, कम बारिश और घटते भूजल स्तर को जिम्मेदार मानते हैं। भूगोलवेत्ता डा मासून ए बेग ने बताया कि जलवायु परिवर्तन ने कश्मीर में वर्षा के पैटर्न को बदल दिया है, जिससे सदियों से अच्छाबल गार्डन को बनाए रखने वाले प्राकृतिक झरने प्रभावित हुए हैं। उनका कहना था कि बर्फबारी में कमी और लंबे समय तक सूखे ने स्थिति को और खराब कर दिया है। जल शक्ति अच्छाबल के एईई गौहर अहमद कहते हैं कि अच्छाबल झरना एक दर्जन से ज़्यादा गांवों को पानी की आपूर्ति करता था, जिसके स्रोत पर 15 से ज़्यादा जलापूर्ति योजनाएं निर्भर थीं। हालांकि, झरना सूख जाने के बाद, अब गांवों को टैंकर सेवाओं से पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि झरने के सूखने से लगभग 80 प्रतिशत क्षेत्र प्रभावित हुआ है, क्योंकि यह पीने के पानी का प्राथमिक स्रोत था। वे कहते हैं कि हम प्रभावित गांवों में पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए टैंकर भेज रहे हैं।

### बर्फ नहीं तो गुलमर्ग का खेलो इंडिया विंटर गेम्स स्थगित

**जम्मू, 17 फरवरी (ब्यूरो)।** बदलते मौसम का कहर कश्मीर पर रुका नहीं है। ताजा घटनाक्रम में अपार्यप्त बर्फबारी के कारण गुलमर्ग में खेलो इंडिया विंटर गेम्स को स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने सोमवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि 22 से 25 फरवरी तक गुलमर्ग में होने वाले बहुप्रतीक्षित खेलो इंडिया विंटर गेम्स (केआईडब्ल्यूजी) के पांचवें संस्करण को अपर्याप्त बर्फबारी के कारण स्थगित कर दिया गया है। एक प्रमुख शीतकालीन खेल स्थल होने के बावजूद, गुलमर्ग में इस मौसम में असामान्य रूप से शुष्क सर्दी देखी गई है, जिससे अफरवत और बाउल सहित प्रमुख स्की ढलानों पर प्रतिस्पर्धी आयोजनों के लिए आवश्यक बर्फ नहीं जमी है। जम्मू और कश्मीर के शीतकालीन खेल संघ (डब्ल्यूजीए-जेके) के अध्यक्ष रऊफ ट्रंबू ने बताया कि खेलों की मेजबानी के लिए आवश्यक मात्रा में बर्फबारी नहीं हुई है, जिससे योजना के अनुसार आगे बढ़ना असंभव हो गया है। उन्होंने कहा कि बर्फ की स्थिति में सुधार होने के बाद एक नया आकलन किया जाएगा और तदनुसार एक संशोधित कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। अधिकारियों ने 19 फरवरी के बाद स्थिति की समीक्षा करने का फैसला किया है, क्योंकि मौसम विभाग ने गुलमर्ग में फिर से बर्फबारी की संभावना के साथ गीले मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी की है। होटल बुकिंग, बुनियादी ढांचे की तैयारी और इवेंट मैनेजमेंट सहित इवेंट के लिए सावधानीपूर्वक तैयारियों के बावजूद स्थगन हुआ है।650 तकनीकी कर्मचारियों, प्रतिनिधियों और स्थानीय एथलीटों सहित लगभग 700 प्रतिभागियों के प्रतियोगिता में भाग लेने की उम्मीद थी। गुलमर्ग में पर्याप्त बर्फबारी की कमी ने न केवल खेल आयोजनों को प्रभावित किया है, बल्कि शीतकालीन पर्यटन हितधारकों के बीच भी चिंता पैदा कर दी है, जो स्की सीजन पर बहुत अधिक निर्भर हैं। कई होटल व्यवसायी और टूर ऑपरेटर आने वाले दिनों में ताजा बर्फबारी की उम्मीद कर रहे हैं ताकि गुलमर्ग की वैश्विक प्रतिष्ठा को परिभाषित करने वाली शीतकालीन खेल गतिविधियों को फिर से शुरू किया जा सके।

## अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री पर संगीन आरोप

# कर्नाटक वक्फ बोर्ड में भूमाफियाओं की हो रही नियुक्ति

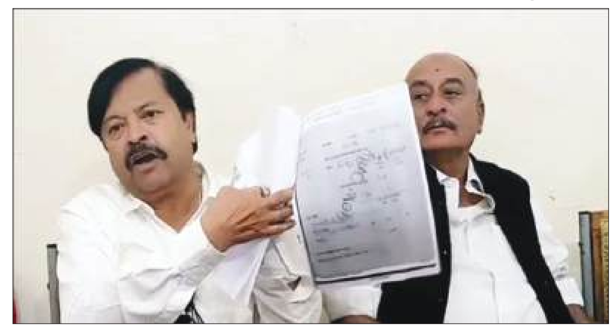

**बेंगलुरु, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**
कांग्रेस की अगुवाई वाले कर्नाटक में वक्फ बोर्ड की मनमानियों के बीच सरकार और बोर्ड के बीच की साठगांठ उजागर हो गई है। राज्य के ही सामाजिक कार्यकर्ता सैयद अशरफ ने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री जमीर अहमद, जो कि राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं, पर भूमाफिया अनवर बशा की नियुक्ति करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि जमीर अहमद अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए बोर्ड के कामकाज और अल्पसंख्यक संस्थानों को प्रभावित कर रहे हैं। प्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के चुनाव के लिए एक्टविस्ट अशरफ और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष ओबैदुल्लाह शरीफ ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को पत्र लिखकर मांग की कि वो इस मामले में हस्तक्षेप करके एक स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवार के चयन को सुनिश्चित करें। इन नेताओं का कहना है कि अनवर बाशा, जिन्हें जमीर अहमद वक्फ बोर्ड में ला रहे हैं वो एक राजनीतिक कठपुतली से अधिक कुछ भी नहीं है।बाशा पर आरोप है कि उन्होंने चित्रदुर्ग जिले में 2.5 एकड़ की कब्रिस्तान की जमीन पर अतिक्रमण करके उस पर घर और स्कूल बना दिया है। बावजूद इसके कि जब वहां पर निर्माण किया जा रहा था तो उस दौरान वहां मानव कंकाल भी मिले थे। इसके साथ ही आरोप ये भी हैं कि जमीर अहमद खान अवैध तरीके से अपने पिट्ठुओं को अल्पसंख्यक विभागों में प्रमुख पदों पर नियुक्त कर रहे हैं। अशरफ का कहना है कि वक्फ बोर्ड समूचे मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व करता है न कि किसी व्यक्ति का। ओबैदुल्लाह शरीफ ने सीएम से अपील की है कि वो वक्फ बोर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रमुख आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को नियुक्त कर रहे हैं। गौरतलब है कि जब जेपीसी वक्फ बिल को लेकर मुस्लिम समुदाय के विचारों को जानने की कोशिश कर रही थी तो उस दौरान कई मुस्लिम संगठनों ने आरोप लगाया था कि वक्फ बोर्ड असल में माफिया बोर्ड की तरह काम करता है। इसमें भूमाफियाओं ने कब्जा कर रखा है।

# रोक के बाद भी बुलडोजर कार्रवाई से सुप्रीम कोर्ट नाराज

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**
सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कुशीनगर में मस्जिद में तोड़फोड़ करके उनके 13 नवंबर 2024 के आदेश का उल्लंघन किया है। 13 नवंबर 2024 को दिए आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने बिना पूर्व नोटिस और दूसरे पक्ष को सुने बिना तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कुशीनगर मामले में आगे किसी भी तरह की तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा कि क्यों ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना करने के लिए कार्रवाई की जाए? सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर आदेश पारित करते हुए कुशीनगर मामले में आगे किसी भी तरह की तोड़फोड़ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि कुशीनगर जिले में प्रशासन ने मदनी मस्जिद के एक हिस्से में तोड़फोड़ की है। आरोप है कि मस्जिद का निर्माण जमीन पर अतिक्रमण करके किया गया। इस महीने की शुरुआत में प्रशासन ने बुलडोजर से मस्जिद के कथित अवैध हिस्से को गिरा दिया।

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि जांच में पता चल गया था कि मस्जिद के निर्माण में कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है और एसडीएम की रिपोर्ट में इसका जिक्र है। इसके बावजूद कार्रवाई की गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि उस पर दबाव बनाने के लिए उसके खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज की गई।

याचिकाकर्ता ने याचिका में दावा किया कि प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना की है। साथ ही तोड़फोड़ से पहले प्रशासन ने याचिकाकर्ता को अपना पक्ष रखने का भी मौका नहीं दिया। याचिकाकर्ता ने किसी भी तोड़फोड़ कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और तबाह किए गए हिस्से के पुनर्निर्माण या मुआवजा देने की मांग की है।

# दिल्ली में यमुना की सफाई का अभियान शुरू

### तीन साल में यमुना नदी साफ करने की योजना

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**
दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना नदी की गंदगी ने सबका ध्यान आकर्षित किया। भारतीय जनता पार्टी ने वादा किया था कि उनकी सरकार बनने पर वे यमुना की सफाई का काम शुरू करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चुनाव के दौरान यमुना की सफाई का वादा किया था। अब दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने यमुना सफाई अभियान की शुरुआत कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के वादे के अनुसार यह काम शुरू किया गया है।

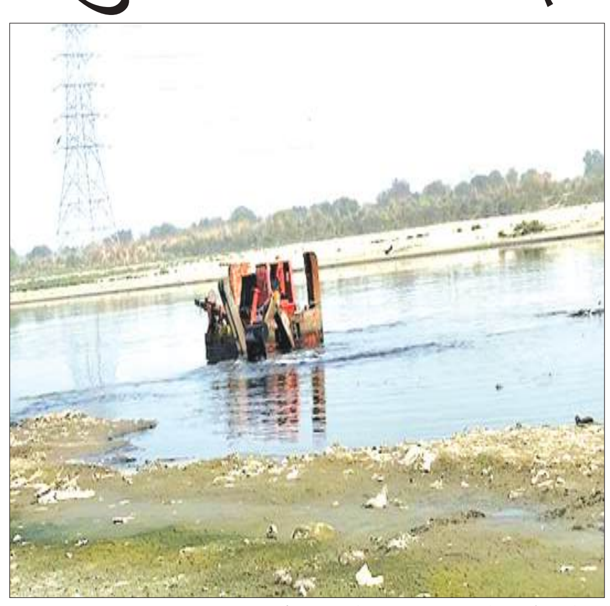

दिल्ली उपराज्यपाल कार्यालय ने बताया कि यमुना नदी की सफाई पहले ही शुरू हो चुकी है। कचरा निकालने वाली मशीनें, खरपतवार हटाने वाली मशीनें और ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट आज से सफाई कार्य में जुट गए हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल ने मुख्य सचिव और अतिरिक्त मुख्य सचिव (आई एंड एफ सी) से मिलकर उन्हें तुरंत काम शुरू करने का निर्देश दिया।

यमुना की सफाई के लिए चार स्तरों पर रणनीति अपनाई गई है। सबसे पहले, यमुना नदी में जमा कचरा, गाद और गंदगी हटाई जाएगी। इसके साथ ही नजफगढ़ नाला, सप्लीमेंट्री नाला और अन्य प्रमुख नालों की सफाई भी शुरू की जाएगी। मौजूदा सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) की क्षमता और कार्यप्रणाली की रोजाना निगरानी की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सही तरीके से काम कर रहे हैं। लगभग 400 मिलियन गैलन प्रति दिन (एमजीडी) सीवेज उपचार की कमी को पूरा करने के लिए नए एसटीपी/डीएसटीपी की निर्माण और चालू करने के लिए एक समयबद्ध योजना बनाई जाएगी।

यमुना की सफाई के लिए तीन साल की योजना बनाई गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य लगभग 3 वर्षों में नदी को साफ करना है। इस योजना के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी), आईएंडएफसी, एमसीडी, पर्यावरण विभाग, पीडब्ल्यूडी और डीडीए जैसी विभिन्न एजेंसियों और विभागों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता होगी। इसके अलावा, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) भी निगरानी करेगी और औद्योगिक इकाइयों द्वारा नालों में डाले जाने वाले कचरे पर कड़ी निगरानी रखेगी।

# नई दिल्ली हादसे के बाद भागलपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी

**महाकुंभ, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**
नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ हादसे के बाद रेलवे प्रशासन सतर्क हो गया है। इस सिलसिले में मालदा डिवीजन के तहत महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन भागलपुर में सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया। स्टेशन परिसर में आरपीएफ और जीआरपी के जवानों की तैनाती बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

नई दिल्ली हादसे के बाद भी बिहार के लोग प्रयागराज जाने से नहीं हिचक रहे हैं। भागलपुर रेलवे स्टेशन पर भारी संख्या में महाकुंभ जाने वाले रेल यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ जवानों द्वारा कतारबद्ध तरीके से यात्रियों को ट्रेन में चढ़ाया जा रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बिना टिकट यात्रियों को प्लेटफफार्म पर प्रवेश करने से रोका जा रहा है।

स्टेशन पर उदघोषणा प्रणाली को मजबूत किया गया है, ट्रेनों की समय सारिणी का स्पष्ट डिस्प्ले किया जा रहा है ताकि यात्रियों को किसी तरह की असुविधा न हो। पूछताछ केंद्रों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की गई है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए डीएसपी और इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भागलपुर रेलवे स्टेशन पर 50 से अधिक आरपीएफ और जीआरपी जवानों को तैनात किया गया है। सोमवार को मालदा डिवीजन के एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद ने स्टेशन का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ट्रेनों का संचालन समय से पूर्व सुनिश्चित किया जाए और यात्रियों को हर आवश्यक सूचना समय पर उपलब्ध कराई जाए।

मालदा डिवीजन के एडीआरएम शिव कुमार प्रसाद ने जानकारी दी कि मंगलवार सुबह 11 बजे भागलपुर से कुंभ स्पेशल ट्रेन (22 कोच) का संचालन किया जाएगा। आरपीएफ जवान यात्रियों को सुरक्षित तरीके से ट्रेन में चढ़ाने की व्यवस्था कर रहे हैं। रेलवे प्रशासन यात्रियों से संयम और धैर्य बनाए रखने की अपील कर रहा है।

रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

# कॉमेडियन अनुभव बस्सी का लखनऊ में शो रद्द

### अपशब्दों को लेकर महिला आयोग ने डीजीपी को लिखा था पत्र

**लखनऊ, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**
उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की शिकायत के बाद लखनऊ में कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी का शो रद्द कर दिया गया है। अधिकारियों ने रद्द करने की वजह कानून और व्यवस्था स्थिति को बताया है। बस्सी के शो में अनुचित सामग्री परोसे जाने की आशंका को लेकर महिला आयोग ने डीजीपी से कहा था कि इस शो में किसी तरह की अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। यह फैसला रणवीर इलाहाबादिया द्वारा अश्लील टिप्पणियों के बाद आया है। 32 साल का अनुराग बस्सी लखनऊ के राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय से कानून स्नातक है। उन्होंने साल 2017 में अपना करियर शुरू किया और तब से सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी खासी लोकप्रियता है।

## उत्तराखंड में जमीन जेहाद के मामले चरम पर

# कालागढ़ वन भूमि पर अवैध कब्जे हटाने का निर्देश

**नैनीताल, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**
कालागढ़ क्षेत्र में वन भूमि पर अवैध कब्जों के मामले में हाईकोर्ट ने करीब एक सौ जर्जर भवनों को तोड़ने की इजाजत जिला प्रशासन को दे दी है। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण ने उक्त वन भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देश जारी किए हुए है, इस पर पौड़ी जिला प्रशासन कारवाई कर रहा था जिसपर काबिज लोगों ने नैनीताल उच्च न्यायालय का रुख किया था।

न्यायालय में डीएम पौड़ी स्वयं उपस्थित हुए और उन्होंने अपने पक्ष को रखा कि उक्त भूमि वन विभाग की है जो कि सिंचाई विभाग को राम गंगा जल विद्युत परियोजना के लिए लीज पर दी गई थी, प्रोजेक्ट पूरा होने पर उक्त भूमि वन विभाग को वापिस की जानी थी किंतु यहां अवैध कब्जे हो गए।

कालागढ़, एरिया कॉर्बेट टाइगर रिजर्व से जुड़ा हुआ जंगल क्षेत्र है जहां यूपी से लोग आकर बसे हुए बताए जाते हैं, जिन पर पौड़ी जिला प्रशासन कारवाई कर रहा है। पौड़ी के डीएम आशीष चौहान ने बताया कि हाई कोर्ट के निर्देश मिलने के बाद अवैध कब्जों को ध्वस्त करने की कारवाई शुरू की जाएगी।

अभी इस मामले में कुछ और कब्जेदार कोर्ट की शरण में है जिस पर शासन स्तर से कार्रवाई की जा रही है। उक्त भूमि खाली करवाने के बाद वन विभाग के कालागढ़ फॉरेस्ट डिवीजन को वापिस सौंप दी जाएगी।

# सर्राफा बाजार में कमजोरी का रुख, सोना-चांदी के भाव में मामूली गिरावट

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। की कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये से लेकर 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये से लेकर 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,00,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,110 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 78,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 78,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 78,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### वीवो टी4एक्स 5जी में दमदार बैटरी के साथ दमदार परफॉर्मेंस

**नई दिल्ली।** वीवो भारत में अपना नया स्मार्टफोन वीवे व्ही50 लॉन्च करने वाला है। इसी बीच कंपनी ने अपनी टी सीरीज के नए फोन वीवो टी4एक्स 5जी को टीज करना शुरू कर दिया है। टीजर के मुताबिक, यह फोन अपने सेगमेंट में सबसे बड़ी बैटरी ऑफर कर सकता है, जो 6500एमएएच की हो सकती है। इसके अलावा, फोन की कीमत 15 हजार रुपये से कम हो सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह डिवाइस 20 फरवरी को भारत में लॉन्च होगा। हाल में आई एक लीक में दावा किया गया था कि वीवो टी4एक्स 5जी में कंपनी डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट देने वाली है। इसके अलावा, फोन डायनामिक लाइट और नोटिफिकेशन एलईडी के साथ आ सकता है। यह स्मार्टफोन प्रॉन्टो पर्पल और मरीन ब्लू कलर ऑप्शंस में उपलब्ध होगा। माना जा रहा है कि यह वीवो टी3 एक्स 5जी का सक्सेसर होगा। वीवो टी3 एक्स 5जी में 6.72 इंच का फुल एचडी और आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले दिया गया था, जो 120एचजेड रिफ्रेश रेट और 1000 निट्स पीक ब्राइटनेस को सपोर्ट करता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी+2एमपी का डुअल रियर कैमरा और 8एमपी सेल्फी कैमरा था। फोन में 6000एमएएच बैटरी के साथ 44 डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट भी मिला था। अब देखना होगा कि वीवो टी4 एक्स 5जी में और कौन-कौन से फीचर्स जोड़े जाते हैं और यह मार्केट में क्या धमाल मचाता है।

### राजस्थान सरकार ने गठित किया 200 करोड़ रुपए का ई-व्हीकल प्रमोशन फंड

**जयपुर।** प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और आमजन को राहत देने के लिए राजस्थान सरकार ने नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत 200 करोड़ रुपये का ई-व्हीकल प्रमोशन फंड गठित किया है। परिवहन विभाग के अनुसार, इस योजना का लाभ केवल उन्हीं वाहनों को मिलेगा जो राजस्थान में खरीदे और पंजीकृत किए जाएंगे। इस नीति के तहत 1 सितंबर 2022 से खरीदे और पंजीकृत किए गए इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्टेट जीएसटी राशि का पुनर्भरण और एकमुश्त अनुदान दिया जाएगा। सब्सिडी के लिए सबसे पहले वाहन निर्माता को फेम-2 पॉलिसी के तहत विभागीय पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। वाहन मालिकों को अपने वाहन का पंजीकरण क्रमांक और चेसिस नंबर दर्ज करना होगा, जिसके बाद ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद बैंक खाते का विवरण और आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर आवेदन जमा करना होगा। अनुदान राशि सीधे वाहन स्वामी के खाते में हस्तांतरित की जाएगी। इस योजना के तहत हर श्रेणी के वाहनों की एक तय सीमा के अनुसार प्रोत्साहन दिया जाएगा। सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद वाहन का मॉडल, बैटरी का प्रकार और क्षमता पोर्टल पर दर्ज करनी होगी, जिसके बाद खरीदार अनुदान राशि के लिए आवेदन कर सकेंगे।

### मारुति सुजुकी के लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में बढ़ोतरी

**नई दिल्ली।** अपने लोकप्रिय मॉडल डिजायर की कीमतों में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने बढ़ोतरी कर दी है। नई डिजायर की शुरुआती कीमत रुपए 6.79 लाख (एक्स-शोरूम) थी, लेकिन फरवरी 2025 में इसके कुछ वेरिएंट्स के दाम रुपए 5,000 से रुपए10,000 तक बढ़ा दिए गए हैं। वीएक्सआई एएमटी और झेडएक्सआई एएमटी वेरिएंट्स की कीमतों में रुपए 10,000 की वृद्धि हुई है, जबकि अन्य वेरिएंट्स की कीमतें रुपए 5,000 तक बढ़ी हैं। नई डिजायर को अपडेटेड डिजाइन और एडवांस फीचर्स के साथ बाजार में उतारा गया है। यह कार सात कलर ऑप्शंस में उपलब्ध है, जिनमें गालांट रेड, पर्ल आर्टीक व्हाइट, स्पलेंडिड सिल्वर, मेग्मा ग्रे, ब्लूनिस ब्लैक, नटमेग ब्राउन और अल्लूरिंग ब्ल्यू शामिल हैं। इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डुअल-टोन इंटीरियर, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल, रियर एसी वेंट्स, 360-डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और इलेक्ट्रिक सनरूफ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। नई डिजायर में झेड12ई इंजन दिया गया है, जो 82 हॉर्सपावर और 112 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### एलिजाबेथ कोलबर्न ...

इसको लेकर जांच की जानी चाहिए।

सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, अली तौकीर शेख के बारे में पता चला है कि वह भारत विरोधी और असम विरोधी है। इसलिए एक सांसद की पत्नी का शादी के बाद भी पाकिस्तान जाना निश्चित रूप से संदेह और सवालों को जन्म देता है। कैबिनेट ने डीजीपी से इस मामले में जांच करने को कहा है। उन्होंने कहा, एलिजाबेथ ने 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में गौरव गोगोई के प्रचार के दौरान भी काम किया था। इसलिए पुलिस इस बात की भी जांच करेगी कि क्या उन्होंने भारत की चुनाव प्रक्रिया में भाग लेकर अपने वीजा नियमों का उल्लंघन किया है।गौरतलब है कि गौरव गोगोई की ब्रिटिश नागरिक पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न ने 2011 से 2015 के बीच पाकिस्तान में काम किया है। उनके दिल्ली में भी काम करने के दौरान एक सुपरवाईजर पाकिस्तानी था। मुख्यमंत्री बिस्वा सरमा ने उनके इस्लामाबाद जाने और विवाह के 13 वर्षों तक भारतीय नागरिकता नहीं लेने को लेकर भी प्रश्न खड़े किए थे। अब इस पर जांच होगी।

सीएम सरमा ने स्पष्ट किया है कि यह जांच मात्र एलिजाबेथ कोलबर्न तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उससे जुड़े लोगों और बाकी इकोसिस्टम को भी दायरे में लेकर जांच की जाएगी। जांच के क्रम में एलिजाबेथ कोलबर्न के पासपोर्ट और वीजा से जुड़ा तमाम जानकारियां जुटाई जाएंगी। सीएम सरमा ने कोलबर्न के गौरव गोगोई से शादी के बाद भी पाकिस्तान जाने के सबूत होने का दावा किया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तानी हाई कमिश्नर से मिलने को लेकर भी प्रश्न उठ रहे हैं। सीएम हिमंत बिस्व ने गौरव गोगोई की पाकिस्तानी हाई कमिश्नर अब्दुल बासित से मुलाकात को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का एक पुराना ट्वीट दिखाया है, जिसमें वह इस्लामाबाद में होने की बात लिख रही हैं।

गौरव गोगोई के ऊपर उठे विवाद के केंद्र में उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न गोगोई हैं। कोलबर्न और गौरव गोगोई की मुलाकात संयुक्त राष्ट्र सचिवालय में काम करने के दौरान 2010 में हुई थी। इसके बाद दोनों में प्रेम संबंध बन गया। 2013 में कोलबर्न और गोगोई का विवाह हो गया। गौरव गोगोई के पिता और तब असम के मुख्यमंत्री तरुण गोगोई इस विवाह के लिए पहले तैयार नहीं थे। बाद में उन्होंने अपनी सहमति दी थी। एलिजाबेथ लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से पढ़ी हुई हैं और उनका ज्यादातर करियर एनजीओ में काम करते हुए गुजरा है। कोलबर्न वर्तमान में ऑक्सफोर्ड पॉलिसी मैनेजमेंट संस्थान में काम करती हैं। यह संस्थान पर्यावरण को लेकर काम करता है। एलिजाबेथ कोलबर्न इससे पहले सीडीकेएम नाम के एक एनजीओ में काम कर चुकी हैं। इस एनजीओ का पाकिस्तानी लिंक है।

एलिजाबेथ कोलबर्न की नागरिकता को लेकर सबसे पहले सीएम सरमा ने प्रश्न उठाए थे। उन्होंने पूछा था कि विवाह के 12 साल के बाद भी कोलबर्न के पास भारतीय नागरिकता क्यों नहीं और वह अपनी ब्रिटिश नागरिकता क्यों बनाए हुए हैं। विवाह के पहले और बाद भी जिन संगठनों के साथ कोलबर्न ने काम किया, उनको लेकर प्रश्न उठे हैं। कोलबर्न ने 2011-15 के बीच क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएम) के लिए काम किया था। इस दौरान वे अधिकतर समय पाकिस्तान में रहीं। सीडीकेएम से ही जुड़े एक संगठन लीड इंटरनेशनल के लिए वह पाकिस्तान में काम करती थीं। उनके पाकिस्तान सरकार की एक टास्क फोर्स में भी शामिल रहने का दावा किया गया है। यह टास्क फोर्स पाकिस्तान के लिए पैसा जुटाती थी। इसके आईएसआई का एक मुखौटा होने का दावा है। इसी को लेकर उन पर आईएसआई लिंक के आरोप लगाए गए हैं। पाकिस्तान और भारत में काम करने के दौरान कोलबर्न का सुपरवाइजर एक पाकिस्तानी अली तौकीर शेख था। उसका भारत विरोधी प्रोपेगेंडा भी अब सामने आया है। सीडीकेएम के एक और संगठन इंटरनेशनल काउंसिल फॉर लोकल इन्वॉयर्नमेंटल इनीशिएटिव्स (आईसीएलईएल) से जुड़े होने की बात सामने आई है। आईसीएलईएल को भारत विरोधी अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस ने 2.1 मिलियन डॉलर की धनराशि दी थी। इसके अलावा कोलबर्न के पाकिस्तानियों के हमदर्द अमेरिकी सेंटर टॉम उडाल से भी जुड़े होने का आरोप है।

एलिजाबेथ कोलबर्न के अलावा उनके पति गौरव गोगोई को भी हिमंत बिस्व सरमा ने घेरा है। सीएम सरमा ने बताया था कि 2015 में पाकिस्तानी हाई कमिश्नर अब्दुल बासित ने गौरव गोगोई को बुलाया था। गौरव गोगोई इस मुलाकात में अपने साथ 50-60 छात्रों को लेकर गए थे। सरमा ने पूछा है कि तब क्या गौरव गोगोई ने विदेश मंत्रालय से अनुमति ली थी? अब्दुल बासित से मुलाकात के कुछ ही दिनों बाद गौरव गोगोई ने भारत के कोस्ट गार्ड के विषय में कई प्रश्न पूछे थे। गौरव गोगोई ने पूछा था कि कोस्ट गार्ड कौन से नए राडार स्टेशन स्थापित कर रहा है और कौन सर्विलांस के साजो सामान खरीद रहा है। उन्होंने इसे सिर्फ एक संयोग मानने से इनकार किया है। सरमा ने इन प्रश्नों की टाइमिंग को लेकर प्रश्न उठाए हैं। सांसद गौरव गोगोई के एनजीओ के एक लेख में बांग्लादेशी घुसपैठियों पर दया दिखाने की बात कही गई थी। इसमें बीएसएफ पर मानवाधिकार उल्लंघन करने की बात कही गई थी। इसको लेकर भी प्रश्न उठे हैं।

### चीन हमारा...

ट्रम्प से चिढ़े पित्रोदा ने कहा, चीन के खिलाफ माहौल बनाने में अमेरिका की काफी भूमिका है। पित्रोदा ने भारत सरकार की भी आलोचना कते हुए कहा कि भारत चीन के प्रति टकराव का अनावश्यक रवैया अपनाता है। सैम पित्रोदा ने कहा, हमारी सोच शुरू से ही टकराव वाली रही है, और यही रवैया हमें दुश्मन बनाता है। हमें इस पैटर्न को बदलने की जरूरत है। पित्रोदा ने चीन को लेकर नरमी भरा रुख अपनाते हुए कहा, शुरू से ही यह मान लेना कि चीन हमारा दुश्मन है, न चीन के लिए सही है और न ही किसी और के लिए। सैम पित्रोदा ने कहा, चीन हमारा दुश्मन नहीं है। साथ ही उन्होंने चीन से खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाने का दावा करते हुए कहा कि भारत को चीन को दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। अब समय आ गया है कि देशों को एक-दूसरे से सहयोग करना चाहिए, न कि टकराव। हमें इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है और यह मानना बंद करना होगा कि चीन पहले दिन से ही दुश्मन है।

पित्रोदा ने चीन की तारीफ करते हुए कहा कि भारत को उसके साथ संवाद, सहयोग और सह-निर्माण पर जोर देना चाहिए, न कि कमांड और कंट्रोल मानसिकता अपनानी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, चीन हमारे आसपास है, चीन आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2023 में कैम्ब्रिज बिजनेस स्कूल में अपने भाषण में राहुल गांधी ने चीन को महाशक्ति बनने की आकांक्षा रखने वाला और प्राकृतिक शक्ति बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि चीन में सामाजिक समरसता है। राहुल गांधी ने चीन की विवादित और आक्रामक बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का भी समर्थन किया था। 2023 में लद्दाख दौरे के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि चीन ने लद्दाख में भारत की चरागाह भूमि पर कब्जा कर लिया है। राहुल के इस बयान का उद्देश्य चीन की निंदा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कठघरे में करना था। राहुल गांधी ने 2020 में विदेशी ताकतों से भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने की अपील भी की थी।

राजीव गांधी फाउंडेशन और चीन के बीच वित्तीय लेन-देन की जानकारी 2020 में सामने आई थी। 2006 के बाद चीनी सरकार ने फाउंडेशन को एक करोड़ रुपए से ज्यादा का फंड दिया था। 2008 में यूपीए सरकार के दौरान कांग्रेस पार्टी और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के बीच एक समझौता (एमओयू) हुआ था। इसमें दोनों दलों को महत्वपूर्ण द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श करने का अवसर देने की बात कही गई थी।राजीव गांधी फाउंडेशन में 2005 से ही राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ट्रस्टी के रूप में जुड़े हुए हैं, जबकि सोनिया गांधी इसकी अध्यक्ष हैं। 2017 के डोकलाम विवाद के दौरान राहुल गांधी ने गुपचुप तरीके से चीन के राजदूत लुओ झाओहुई से मुलाकात की थी। इसके अलावा साल 2018 में कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान उन्होंने गुपचुप तरीके से चीनी मंत्रियों से भी मुलाकात की थी। यहां यह बताना भी जरूरी है कि राहुल गांधी के परनाना और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू हिंदी-चीनी भाई-भाई का नारा देकर आंख मूंदकर बैठ गए थे और चीन ने 1962 में भारत पर हमला कर दिया था। इस युद्ध में भारत की पराजय हुई थी। इससे सबक लेने की जगह बाद के उत्तराधिकारियों ने भी चीन प्रेम जारी रखा।कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पित्रोदा की यह टिप्पणी कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाती है, और यह चीन के समर्थन में उनके नेताओं द्वारा किए गए बयानों से मेल खाती है। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि अमेरिका से भारत में फंडिंग की जाती है, जिसका इस्तेमाल चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किया जाता है। उन्होंने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर पाकिस्तान से रिश्ते रखने का भी आरोप लगाया। भाजपा नेता ने कांग्रेस से इस पूरे मामले पर स्पष्टीकरण देने की मांग की। साथ ही तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा चुनाव आयोग की रिपोर्ट को खारिज करने पर भी सवाल उठाए।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कांग्रेस पर चीन के प्रति खास लगाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने 40,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय जमीन चीन को दे दी, उन्हें अब भी चीन से कोई खतरा नहीं नजर आता। सिन्हा ने यह टिप्पणी राहुल गांधी के चीन के साथ संबंधों और कांग्रेस-चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के 2008 के समझौते का जिक्र करते हुए की। उन्होंने कहा कि यह समझौता कांग्रेस पार्टी के चीन से जुड़ाव का मुख्य कारण है। सिन्हा ने यह भी आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) का समर्थन किया था, जब भारत में चीन के खिलाफ सुरक्षा और व्यापार को लेकर चिंताएं थीं। वहीं, राहुल गांधी ने हाल ही में संसद में यह दावा किया था कि चीन ने भारतीय भूमि के 4,000 वर्ग किलोमीटर हिस्से पर कब्जा कर लिया है, जिसे रक्षा मंत्री ने खारिज कर दिया था।

### सैम पित्रोदा का...

जिसमें 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को सार्वजनिक रूप से क्लीन चिट देना भी शामिल है। चीन पर हमारा सबसे हालिया बयान 28 जनवरी 2025 को था। यह भी बेहद खेदजनक है कि संसद को स्थिति पर चर्चा करने और इन चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त करने का अवसर नहीं दिया जा रहा है।

### बस बहुत हो ...

इनके अलावा असदुद्दीन ओवैसी, समाजवादी पार्टी की इकरा चौधरी ने भी याचिका दाखिल की है। इन सभी ने इस मामले में खुद को पार्टी बनाए जाने की मांग की है। हालांकि, लगातार आती नई याचिकाओं से सुप्रीम कोर्ट नाराज है। गौरतलब है कि इस कानून को हिंदुओं की तरफ से सुब्रमण्यम स्वामी, अश्विनी उपाध्याय और बाकी संगठनों ने चुनौती दी है।

हिंदू पक्ष ने कहा है कि इस कानून के जरिए उन सभी धार्मिक स्थलों को कानूनी मान्यता दे दी गई जिनका स्वरूप 1947 से पहले बदल दिया गया था। हिंदू पक्ष ने कहा है कि इस कानून की धारा 2,3 और 4 को रद्द कर दिया जाए। हिंदू पक्ष ने कहा है कि कानून के चलते उन धार्मिक स्थलों को भी वह वापस नहीं ले सकते, जिनको आक्रांताओं ने तोड़ा था। हिंदू पक्ष ने इस कानून को संसद में पास किए जाने का भी विरोध किया है। हिंदू पक्ष का कहना है कि यह ऐसा कानून है जो लोगों को न्यायालय के दरवाजे खटखटाने से रोकता है ऐसे में यह असंवैधानिक है। हिंदू पक्ष ने इसके अलावा कानून की संवैधानिकता पर भी प्रश्न उठाए हैं।

पूजास्थल अधिनियम 1991 या फिर प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 पीवी नरसिम्हा राव की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार 1991 में लेकर आई थी। इस कानून के जरिए किसी भी धार्मिक स्थल की प्रकृति यानी वह मस्जिद है मंदिर या फिर चर्च-गुरुद्वारा, यह निर्धारित करने को लेकर नियम बनाए गए हैं। इस कानून के अनुसार, देश के आजाद होने के दिन यानी 15 अगस्त 1947 को जिस धार्मिक स्थल की स्थिति जैसी थी, वैसी ही रहेगी। यानि इस दिन यदि कोई स्थान मस्जिद था तो वह मस्जिद रहेगा। कानून में कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति किसी धार्मिक स्थल का स्वरुप बदलने की कोशिश करेगा तो उसकी 3 वर्ष तक की कारावास की सजा हो सकती है।

इसी कानून में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति यदि किसी धार्मिक स्थल के स्वरूप के बदलने को लेकर याचिका कोर्ट में लगाएगा तो वह भी नहीं मानी जाएगी। यानि कोई भी व्यक्ति किसी मस्जिद के मंदिर होने का दावा नहीं कर सकता या फिर किसी मंदिर के मस्जिद होने का दावा नहीं किया जा सकता। कानून में यह भी स्पष्ट तौर पर कहा है कि यदि यह स्पष्ट तौर पर साबित हो जाए कि इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की प्रकृति में बदलाव किए गए थे तो भी उसका स्वरूप नहीं बदला जाएगा। यानी यह सिद्ध भी हो जाए कि किसी मंदिर को इतिहास में तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी तो भी उसे अब दोबारा मंदिर में नहीं बदला जा सकता।

कुल मिलाकर यह कानून कहता है कि 1947 के पहले जिस भी धार्मिक स्थल में जो कुछ बदलाव हो गए या फिर उस दिन जैसे थे, वह वैसे ही रहेंगे। उनके ऊपर अब कोई दावा नहीं किया जा सकेगा। इसी कानून में राम मंदिर-बाबरी मस्जिद विवाद को छूट दी गई थी। इस कानून में कई छूट भी दी गई हैं। यह कानून कहता है कि यदि किसी धार्मिक स्थल में बदलाव 15 अगस्त, 1947 के बाद हुए हैं तो ऐसे में कानूनी लड़ाई हो सकती है। इसके अलावा एएसआई द्वारा संरक्षित स्मारकों को लेकर भी इसमें छूट दी गई है।

### बांग्लादेश में...

इसके लिए देश भर में इन्हें पकड़ने के लिए सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों को लगाया गया है। यूनुस सरकार ने दावा किया है कि यह अभियान अपराधियों को पकड़ने और कानून व्यवस्था सुधारने के लिए चलाया गया है।

आवामी लीग के आम कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि पूर्व सांसद और मंत्री भी निशाने पर हैं। आवामी लीग के लगभग 100 सांसदों और पूर्व मंत्रियों को अब तक मोहम्मद यूनुस की सरकार अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार करके जेल में डाल चुकी है। इनमें महिला नेता दीपू मोनी भी शामिल हैं।

शेख हसीना के अलावा लगभग 200 नेता, अलग-अलग देशों को भाग चुके हैं। उन्होंने यह कदम यूनुस सरकार के दमनचक्र से बचने को उठाया है। देश में कथित अपराधियों को पकड़ रही यूनुस सरकार, शेख हसीना का घर दिनदहाड़े गिरा देने वाले एक भी कट्टरपंथी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है।

बांग्लादेश में जुलाई-अगस्त के दौरान हुई हिंसा को रोकने का काम करने वाले 1059 पुलिसकर्मी भी अब यूनुस सरकार के निशाने पर हैं। तख्तापलट के सहारे सत्ता में आई यूनुस सरकार इनको गिरफ्तार कर रही है। 41 को गिरफ्तार किया भी जा चुका है।

शेख हसीना की सरकार के दौरान बांग्लादेश में पुलिस के मुखिया रहे आईजीपी अब्दुल्लाह अल मामून को भी गिरफ्तार किया गया है। उन पर मानवता के खिलाफ अपराध करने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा ढाका के पुलिस कमिश्नर रहे असदुज्मान मियाँ को भी यूनुस सरकार ने गिरफ्तार किया है। उन पर ही यही आरोप लगाए गए हैं।गिरफ्तारियाँ सिर्फ शीर्ष पुलिस अधिकारीयों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शेख हसीना की सरकार के दौरान बांग्लादेश के बड़े शहरों के पुलिस कमिश्नर रहे अधिकांश पुलिस अधिकारी जेलों में ठूंस दिए गए हैं। आलोचकों का कहना है कि यूनुस सरकार उनसे इस्लामी कट्टरपंथियों पर कार्रवाई करने का बदला निकाल रही है।

### यूक्रेन युद्ध पर...

पेस्कोव ने कहा कि वार्ता का मुख्य उद्देश्य रूस-अमेरिका संबंधों के संपूर्ण ढांचे को बहाल करना है। इसके साथ ही यूक्रेन संकट के समाधान पर चर्चा और दोनों राष्ट्रपतियों की संभावित बैठक को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में कहा कि वे और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज यूक्रेन मुद्दे पर बातचीत के लिए सऊदी अरब जाएंगे।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ सऊदी अरब जा रहे हैं, जहां वे रूसी अधिकारियों के साथ सीधी वार्ता करेंगे। इन बैठकों का उद्देश्य यूक्रेन में जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक समाधान तलाशना है। रूस और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और यूक्रेन युद्ध के बीच यह वार्ता वैश्विक राजनीति के लिए एक महत्व-पूर्ण कूटनीतिक पहल मानी जा रही है।

### अयोध्या के...

वार्षिक कलेक्शन लगभग 750 से 850 करोड़ रुपए है।रामनगरी आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ से दान का रिकॉर्ड भी टूट रहा है। महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में रोजाना चार लाख श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर रहे हैं। यह सिलसिला मकर संक्रांति से ही चल रहा है। मंदिर ट्रस्ट कार्यालय के प्रभारी प्रकाश गुप्ता बताते हैं कि ट्रस्ट के 10 दान काउंटर पर रोजाना दस लाख रुपए से ज्यादा का दान चढ़ रहा है। अनुमान के मुताबिक महाकुंभ के एक माह में लगभग 15 करोड़ से ज्यादा का दान जमा हुआ है। इसमें रामलला के सामने रखे छह दानपात्रों में दी गई धनराशि भी शामिल हैं।यूपी और उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन की शोध रिपोर्ट बताती है कि देश के प्रमुख मंदिरों की सालाना आय में शीर्ष स्थान आंध्र प्रदेश के तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर का है जिसकी सालाना आय 1500-1650 करोड़ रुपए है। इसके बाद केरल के पद्मनाभस्वामी मंदिर का स्थान है, जिसकी सालाना आय 750-800 करोड़ रुपए है। इसके बाद अयोध्या के राम मंदिर का स्थान आ गया है, जिसकी सालाना आय 700 करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। पंजाब अमृतसर के स्वर्ण मंदिर की सालाना आय 650 करोड़ रुपए है। जम्मू कश्मीर के वैष्णो देवी मंदिर की सालाना आय 600 करोड़ रुपए है। महाराष्ट्र के शिरडी साईं मंदिर की सालाना आय 500 करोड़ रुपए है। ओड़ीशा स्थित जगन्नाथ पुरी मंदिर की सालाना आय 400 करोड़ रुपए है। नई दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर की सालाना आय 200-250 करोड़ रुपए है। गुजरात के सोमनाथ मंदिर की सालाना आय 150-200 करोड़ रुपए है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 18 फरवरी, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# 14वां श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव सम्पन्न

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** जय श्री श्याम मित्र मंडल, लंगरहाउस का शमशाबाद स्थित एस. आर. क्लासिक कन्वेंशन में 14वां श्री श्याम फाल्गुन महोत्सव भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। महोत्सव के तहत बाबा का भव्य अलौकिक दरबार पुष्पों से सजा कर श्रृंगार किया गया, जिसके दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने बाबा के भव्य श्रृंगारिक दर्शन का लाभ लिया।

भजन गायक सुनील शर्मा, कोलकाता के रवि बेरीवाल, रेशमी शर्मा व अनिल शर्मा । ने बाबा के चरणों में भजनों की झड़ियां लगाते हुए सारे वातावरण को भक्ति से ओतप्रोत कर दिया। बाबा के भक्त भजनों की गंगा में गोते लगाते दिखे। देर रात तक भजनों का भक्तों ने सपरिवार आनंद लिया।

इस अवसर पर पुरुषोत्तमदास गोयल, हीरा लाल, अरुण डाकोतिया, विजय अग्रवाल, पवन गुरु, वरुण कौशिक, अभिषेक अग्रवाल, अशोक सेन, मनोज अग्रवाल, यश अग्रवाल, किशोर गुप्ता, रामदेव अग्रवाल, संस्थापक कमलेश अग्रवाल, अध्यक्ष सुभाष मोदी, उपाध्यक्ष रविकांत अग्रवाल, मंत्री नरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश शर्मा, सदस्यों में मुकेश अग्रवाल, ललित अग्रवाल, नरेश शर्मा, मुकेश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, शंभु अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, अमित मोदी, अर्जुन फिटकरीवाले, संजय शर्मा, रामसिंह पंवार एवं सैकड़ो भक्तजन उपस्थित थे।

भाजपा गोलकोंडा ज़िला के नवनिर्वाचित अध्यक्ष टी. ऊमा महेंद्र को बधाई देते हुए भाजपा नेता रमेश लाल यादव में नेतृत्व में नटराज नामधारी, जुगल किशोर सोनी, विनोद सिंह, देवकीन्दन व अन्य।

# वनबन्धु परिषद हैदराबाद चैप्टर की बैठक सम्पन्न

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** वनबन्धु पषिद हैदराबाद चैप्टर की बैठक आरोग्य अस्पताल आबिड्स के सम्मेलन हॉल में सम्पन्न हुई। यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार वनबन्धु परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष रमेश कुमार माटेश्वरी व राष्ट्रीय संगठन मंत्री शान्ता सारडा के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई।बैठक की शुरूआत ब्रह्मनद ओमकार के साथ हुई, तत्तपश्चात भारत माता के चरणों में पुष्पार्जन व दीप प्रज्जवलन के साथ चैप्टर उपाध्यक्ष डॉ. मोहन गुप्ता ने रमेश कुमार माहेश्वरी को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया व डॉ.रवि मुरारका व वंदना राठी टीम ने श्रीमती शान्ता सारडा का स्वागत किया।मंच का संचालन चैप्टर के संयुक्त मंत्री नन्दगोपाल भट्टड ने किया। स्वागत भाषण में चैप्टर अध्यक्ष कैलाश नारायण भांगडिया ने परिषद द्वारा किये जा रहे कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती शान्ता सारडा ने संगठन के उद्देश्य व लक्ष्य वनवासियों के द्वार तक शिक्षा एवं विकास का प्रकाश पहुंचाना व चैप्टर में सदस्यों की संख्या बढ़ाना व सदस्यों को जिम्मेदारी देने की बात कही। जिसके बाद रमेश कुमार माहेश्वरी ने बताया कि आज पुरे भारतवर्ष में एकल द्वारा एक लाख से अधिक विद्यालय संचालित किये जा रहे हैं न केवल शिक्षा के क्षेत्र में एकल स्वास्थ्य संस्कार, ग्राम विकास के क्षेत्र में अपने अन्य आयामों के माध्यम से वनवासी क्षेत्रों में सतत अपने लक्ष्य के ओर अग्रसर है।

पुरी दुनिया में एकल आज सामाजिक क्षेत्रों में कार्य करने वाला सबसे बड़ा संगठन है। उन्होंने कहा कि संगठन में युवाओं को आगे लाना और कार्य की सतत समीक्षा होती रहनी चाहिए।

वंदना राठी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। बैठक में चैप्टर संगठन मंत्री उदय खर्डेकर, संरक्षक सुब्बा रेड्डी उपाध्यक्ष डॉ.मोहन गुप्ता, जसमत पटेल, नन्द गोपाल भट्टड, श्रीधर रेड्डी, राजेन्द्र एक्का, राजेन्द्र प्रसाद दायमा, प्रभा मालपानी, वंदना राठी, माला लोया, प्रमीला चन्द्रशेखर , स्वर्णमल अग्रवाल, विजय राठी, महेश चाण्डक व चैप्टर पदाधिकारी उपस्थित थे।

टी. ऊमा महेंद्र को भाजपा गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष बनने पर एवं भाजपा नेता के. सुरेंद्र कुणाल राव का केशव प्रसाद ओमप्रकाश तायल परिवार के निवास पर किरण तायल, परमेश्वर, सत्यप्रकाश, उमेश ने उनका स्वागत एवं सम्मान किया।

# अग्रवाल समाज तेलंगाना का डिजिटल मार्केटिंग सेमिनार आयोजित

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राघव रतन टावर स्थित अग्रवाल समाज के केंद्रीय कार्यालय मेंडिजिटल मार्केटिंग का सेमिनार आयोजित किया गया । जिसमें 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रेम अग्रवाल ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युग में व्यवसाययों और उद्यमियों के लिए यह डिजिटल मार्केटिंग अनिवार्य हो गया ।

उन्होंने सीओ सोशल मीडिया कमेटी कंटेंट क्रिएशन एवं अन्य डिजिटल टूल्स के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी ।प्रतिभागियों ने सेमिनार को जानकारीपूर्ण और उपयोगी बताते हुए रणनीतियों और सुझावों की सराहना की जिन्हें वह सीधे अपने व्यवसाय में लागू कर सकते हैं। प्रतिभागियों ने डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त करने के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया । सेमिनार विशेष रूप से नारी शक्ति को डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में आवश्यक जानकारी और उपकरण प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को स्व श्री जनार्दन कौशिक की 17वीं पुण्यतिथि पर श्री जनार्दन पवन कुमार कौशिक परिवार (पवन गुरु फारउण्डेशन) द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, ई. जगन (चंपापेट), प्रभाकर जी, रोहित अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, श्याम सुंदर-गरवाल, शिवानी अग्रवाल, पवन कौशिक, सीमा कौशिक, वरुण कौशिक, निशिता कौशिक एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

# सांसद लक्ष्मण का सम्मान किया गया

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हैदराबाद जैन समाज बंधुओं ने हाल ही में राज्यसभा सांसद के. लक्ष्मण से मिलकर राज्यसभा में जैन समाज के प्रति उनके द्वारा व्यक्त की गयी चिंताओं के लिए उनका धन्यवाद ज्ञापित किया।ज्ञात होत कि संसदीय सत्र में के. लक्ष्मण ने हैदराबाद जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल की मांग पर राज्यसभा में जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जन्म कल्याणक दिवस को पूरे देश में अवकाश घोषित करने और मांस की दुकानें बंद कराने की बात को पूरे जोर शोर से उठाया था। यह मांग सबसे पहले राजस्थान से जैन पत्रकार महासंघ व धर्म जाग्रति संस्थान के संजय जैन बड़जात्या द्वारा उठायी गयी थी और अब हैदराबाद में इसको आगे बढ़ाते हुए स्वाती जैन और रिद्धेश जागीरदार के नेतृत्व में सांसद के. लक्ष्मण ने केंद्र तक जैन समाज की बात रखी है ।इसी के चलते सोमवार को जैन समाज के प्रतिनिधि- स्वाती जैन, रिद्धेश जागीरदार, प्रवीण पांड्या ने सांसद के. लक्ष्मण का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया व धन्यवाद ज्ञापित किया व उनसे आगे भी इस विषय पर कार्य को आगे बढ़ाने का अनुरोध किया है। अवसर पर डॉ. लक्ष्मण कहा कि उन्हें हमेशा ही जैन समाज को सहयोग रहा है और एक बार फिर से जैन समाज की मांग को संसद में रखने के लिए पूरे देश का जैन समाज गर्व महसूस कर रहा है ।

रामकोट स्थित जैन सेवा संघ भवन में आयोजित माता की चौकी में उपस्थित संजय सीमा जैन, ओम प्रकाश कृष्णा दरक, माक्षि संजय जैन, मंजुला प्रेमचंद मुनोत, कोमल नरेश पारेख, विनीता विजय जैन, तोरल रिद्धिश जैन एवं अन्य उपस्थित थे।

# भारत बना शिक्षा का शक्तिपीठ : नकवी

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने सोमवार को कहा कि 'आधुनिक टेक्नोलॉजी के टावर और आध्यात्मिक ट्रांसफॉर्मेशन पावर' ने भारत को 'शिक्षा की शक्तिपीठ' बनाया।श्री नकवी ने यहाँ कहा कि 'गुरुकुल से लेकर गूगल' तक भारतीय शिक्षा का स्वर्णिम सफर देश की 'आध्यात्मिक तक्षशिला विरासत' और 'आधुनिक तकनीकी विकास' की संयुक्त समावेशी शक्ति है।

# दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके

## पीएम मोदी ने दिल्लीवासियों को शांत रहने का किया आग्रह

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।** दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप के तीव्रता चार मापी गयी।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र (एनसीएस) के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आज सुबह पांच बजकर 37 मिनट पर भूकंप के तेज झटके महसूस किये। भूकंप की तीव्रता चार मापी गयी और भूकंप का केन्द्र राष्ट्रीय राजधानी में जमीनी सतह से पांच किलोमीटर नीचे स्थित था। दिल्ली के अलावा फरीदाबाद, गुरुग्राम, रोहतक, गाजियाबाद, नोएडा और उसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप के तेज झटकों के कारण घरों के छत के पंखे तेजी से हिलने लगे और घरों में रखे बर्तन खड़कने लगे। भय के मारे लोग अपने घरों से बाहर निकल आये।

एनसीएस के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.0 मापी गयी। भूकंप का केन्द्र 28.59 डिग्री उत्तर अक्षांश और 77.16 डिग्री पूर्वी देशांतर, जमीनी सतह से पांच किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। कई साल के बाद भूकंप का केंद्र दिल्ली रहा। इसकी वजह से यहां लोगों को झटके काफी देर तक महसूस हुए।

दिल्ली पुलिस ने किसी तरह की परेशानी होने पर लोगों से आपातकालीन सेवा 112 पर डायल करने की सलाह दी है। अभी तक किसी तरह के जनहानि और नुकसान की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आयी है।

इस बीच प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के निवासियों से शांत रहने का आग्रह किया और कहा कि अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, दिल्ली और आसपास के इलाकों में झटके महसूस किए गए। सभी से शांत रहने और सुरक्षा सावधानियों का पालन करने, संभावित झटकों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह किया जाता है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं।

भूकंप के झटकों के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया दी कि भूकंप काफी डरावना था। महादेव सबको सुरक्षित रखें।

भूकंप के कारण धौला कुआं में स्थित झील पार्क में 20 से 25 साल पुराना पेड़ गिर गया। जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है गौरतलब है कि दिल्ली-एनसीआर भूकंपीय क्षेत्र चतुर्थ श्रेणी में आता है। ये ऐसा इलाका होता है जहां भूकंप के तेज झटके आते रहते हैं। इससे पहले सात जनवरी को भी भारत, नेपाल और बंगलादेश में सुबह के समय भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

# 82वीं अ. भा. रेलवे हॉकी पुरुष चैम्पियनशिप (लीग चरण) 2024-25 उद्घाटित

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और मुख्य संरक्षक, एससीआर स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एससीआरएसए) ने रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में 82वीं अखिल भारतीय रेलवे हॉकी पुरुष चैम्पियनशिप (लीग चरण) 2024-2025 का उद्घाटन किया। सी. मधुसूदन राव, अध्यक्ष/एस-सीआरएसए और प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, एससीआर; पी.बी.एस. राठौर, महासचिव, एस-सीआरएसए और मुख्य इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव इंजीनियर, एससीआर; अभिलाष येदला, सचिव/हॉकी, एससीआरएसए और उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/राजपत्रित और अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी सदस्य भी उपस्थित थे।

यह टूर्नामेंट 17 से 22 फरवरी, 2025 तक रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में आयोजित किया जा रहा है। दक्षिण मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, उत्तर पूर्व रेलवे, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स, पश्चिम रेलवे, उत्तर रेलवे, दक्षिण पश्चिम रेलवे, दक्षिणी रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे सहित दस टीमें भाग लेंगी। इसके साथ ही, रांची के हटिया में दस अन्य रेलवे टीमों के साथ एक समवर्ती लीग चरण भी आयोजित किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह आगामी सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के लिए भारतीय रेलवे हॉकी टीम के चयन के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है। खेले गए उद्घाटन मैचों में, बनारस लोकोमोटिव वर्क्स टीम ने उत्तर पूर्व रेलवे (0-6) को हराया, पश्चिमी रेलवे टीम ने दक्षिण मध्य रेलवे को (3-2) हराया, दक्षिण रेलवे बनाम पश्चिम मध्य रेलवे (1-1) बराबर रहा और दक्षिण पश्चिम रेलवे बनाम दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी (2-2) बराबर रहा। इस अवसर पर बोलते हुए, अरुण कुमार जैन ने कहा कि रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के तत्वावधान में और एससीआरएसए की मेजबानी में आयोजित की जा रही यह चैंपियनशिप भारतीय रेलवे की समृद्ध खेल विरासत और देश में हॉकी के विकास के लिए इसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने प्रतिभागियों को खेल और प्रतिभा की सच्ची भावना का प्रदर्शन करने के लिए इस अवसर का उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ईमानदारी और कड़ी मेहनत से खेल में नई ऊंचाइयों तक पहुंचने और अच्छे परिणाम प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त होगा।


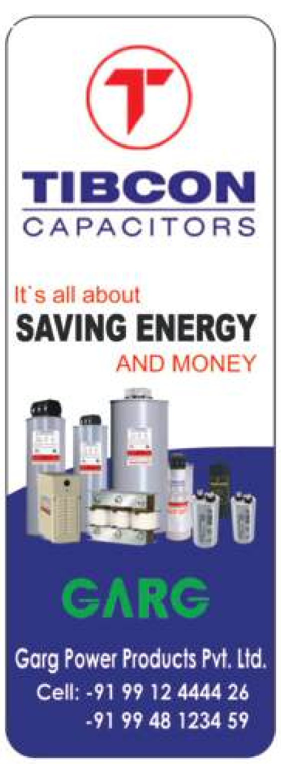



# हैदराबाद विवि में हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय द्वारा सोमवार को द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ विषय एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी' संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी संकाय की पूर्व-डीन एवं पूर्व-विभागाध्य प्रो. सुनीता मंजनबैल मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए 'दक्षिण भारत की भाषाओं के परिप्रेक्ष्य में द्वितीय भाषा के हिंदी शिक्षण की चुनौतियाँ' विषय पर विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया । उन्होंने अपने व्याख्यान में भाषा अधिग्रहण, भाषा शिक्षण के नार्म्स और फार्म की चर्चा करते हुए समकालीन संदर्भ में भाषा शिक्षण की नवीन विधियों के प्रयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस सत्र की अध्यक्षा हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर वी. कृष्ण ने की । संगोष्ठी का परिचय प्रो. सी. अन्न-पूर्णा, अध्यक्ष, हिंदी विभाग ने दिया। इसके बाद आयोजित तकनीकी सत्रो में श्री सी.एन. मुगुलकर, प्राचार्य, बीएड कॉलेज, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद, ने कन्नड़, डॉ. सरोजिनी ने तेलुगु डॉ.एम, सुधा ने तमिळ और श्री देवी पिल्लई ने मलयालम भाषियों को द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण की चुनौतियों का परिचय दिया । इन सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः प्रो. सुनीति मंजनबैल, और प्रो. माणिक्याबं मणि ने किया। इस संगोष्ठी में उक्त प्रमुख्य वक्तव्यों के साथ विश्वविद्यालय के 11 विद्यार्थी एवं शोधार्थियों ने अपने प्रपत्र प्रस्तुत किये । संगोष्ठी के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. आर.एस. सर्राजु, पूर्व-सम-कुलपति, है.वि.वि. ने की, जिसमें उन्होंने प्रथम-भाषा एवं द्वितीय भाषा के रूप में अलग-अलग स्तर पर हिंदी के शिक्षण के विधियों की प्रासंगिकता एवं महत्व पर प्रकाश डाला । इस सत्र में प्रो. गंगाधर वानोडे, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के हैदराबाद केंद्र के निदेशक जी ने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए, भाषा शिक्षण में भाषा-कौशलों पर अधिकार महत्त्व पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो. आलोक पांडेय, अन्य शिक्षक यथा एम. श्यामराव, प्रो. एम. आंजनेयुलु, प्रो. भगवान गव्हाडे जी, प्रो. भीम सिंह जी, डॉ. प्रकाश कोपर्डे के साथ-साथ नगर द्वय अनेक शिक्षक, शोधार्थी, और विद्यार्थी उपस्थित रहे। चात्र सत्रों में आयोजित इस संगोष्ठी में फातिमा नूरी, राहुल पलिया, फाल्गुनी भोजक, श्रीकृष्ण यादव सत्र-संचालन किया और बाबुल कुमार, प्रिंस कुमार, विनय, राजीव कुमार ने संगोष्ठी के आयोजन सक्रिय सहयोग दिया । इस संगोष्ठी का संयोजन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जे. आत्माराम ने किया।

हाईटेक सिटी मे जे. के. कोटिंग सेन्टर के नूत विशाल शोरूम आर्ट ए क्राफ्ट के उद्घाटन अवसर पर कम्पनी के चेरमेन नेमचंद गाला, निदेशक जिगर गाला, कौशिक गाला, भाविन गाला का अभिनंदन करते हुए रिद्धीश जागीरदार, दिनेश गोसर, रतिलाल छेडा, योगेश गोसर, दिर्गेश निसर, निलेश छेडा, पूनम देढिया,चेतन गोसर, चेतन गाला एवं अन्य ।

## सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,960/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 98,490/- (प्रति किलोग्राम)

## शेयर मार्केट

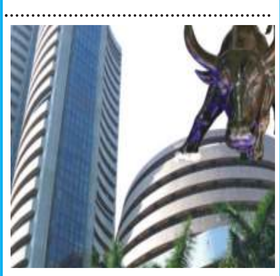

बीएसई : 75,996.86
+57.65 +0.08% ↑

एनएसई :22,959.50
30.25 (0.13%) ↑

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $34^0$

न्यूनतम : $20^0$

# साहित्य गरिमा पुरस्कार-2024 समारोह सम्पन्न

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** साहित्य गरिमा पुरस्कार-2024 समारोह का भव्य आयोजन 16 फरवरी को लकड़ी का पुल स्थित अबोड होटल में संपन्न हुआ। साहित्य गरिमा पुरस्कार की संस्थापक अध्यक्ष डॉ अहिल्या मिश्र, महासचिव डॉ रमा द्विवेदी एवं कादम्बिनी क्लब की कार्यकारी संयोजिका मीना मुथा ने संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर एवं कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में यह समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि विश्वजीत सपन (पुलिस महानिदेशक, आंध्र प्रदेश) एवं सम्मानीय अतिथि डॉ अरुण कमल (वरिष्ठ साहित्यकार) मंचस्थ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो शुभदा वांजपे ने की। डॉ अहिल्या मिश्र (संस्थापक अध्यक्ष) विशिष्ट अतिथि अनंत कदम, सम्माननीय अतिथि श्रीमती शांति अग्रवाल भी मंचासीन हुए। सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया एवं शुभ्रा मोहन्तो एवं साथियों द्वारा सरस्वती वंदना की प्रस्तुति से कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।संस्था की अध्यक्ष डॉ अहिल्या मिश्र ने सभी अतिथियों का शब्द पुष्पों से स्वागत किया और कहा कि युवा पीढ़ी बड़ी ही निष्ठा के साथ साहित्य की सेवा में जुड़ रही है। सभी अतिथियों का सम्मान शॉल-माला से कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा किया गया। मंचासीन सभी अतिथियों का परिचय क्रमशः डॉ सुषमा देवी ,प्रवीण प्रणव, शिल्पी भटनागर, सुहास भटनागर, भगवती अग्रवाल ने दिया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि सहस्त्रवधानी पद्मश्री डॉ गरिकिपाटि नरसिम्हा राव का सम्मान डॉ टी सी वसंता एवं डॉ अहिल्या मिश्र ने किया। तीनों अनुवाद पुरस्कार ग्रहीताओं का सम्मान देवा प्रसाद मायला, डॉ श्रीलक्ष्मी एवं डॉ वसंता ने किया।

संस्था का प्रतिवेदन महासचिव डॉ रमा द्विवेदी ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि साहित्य गरिमा पुरस्कार महिला लेखन को प्रोत्साहित करने एवं प्रतिष्ठित करने हेतु दिया जाता है।

14वाँ साहित्य गरिमा पुरस्कार-2024 डॉ नेहा भंडारकर (नागपुर) कथेतर विधा पर उनकी पुस्तक लोकहितैषी राजश्री देवी अहिल्या बाई जीवनी की को दिया गया। पुरस्कार स्वरूप स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र, शॉल-माला एवं इक्कीस हजार रुपए की धनराशि देकर पुरस्कार ग्रहीता को पुरस्कृत किया गया। इस पुरस्कार के प्रायोजक मानवेन्द्र मिश्र रहे है।

'सिया सहचरी काव्य लेखन पुरस्कार'- श्रामनारायण 'हलधर'(कोटा), 'डॉ गरिकिपाटि नरसिम्हा राव सहस्त्रवधानी तेलुगु अनुवादक पुरस्कार'- श्टी हनुमंत राव (हैदराबाद), 'डॉ गरिकिपाटि नरससिम्हा राव सहस्त्रवधानी तेलुगु अनुवादक पुरस्कार'- वाई प्रभाकर (हैदराबाद), 'डॉ गिरिकिपाटि नरसिम्हा राव सहस्त्रवधानी हिंदी अनुवादक पुरस्कार'- वेंकटेश देवनपल्ली (बंगलौर), 'श्रीमती शान्ति अग्रवाल कहानी/उपन्यास लेखन पुरस्कार'- श्रीमती सुषमा मुनींद्र (सीहोर म. प्र.), 'आचार्य कृष्ण दत्त हिंदी साहित्य व्यंग्य / लघुकथा लेखन पुरस्कार'- संतोष सुपेकर (उज्जैन म. प्र.), 'चंपाई माधव कदम हिंदी लेखन पुरस्कार'- डॉ ज्योति गजभिए (नागपुर), 'सृजनात्मक तकनीक हिंदी सम्मान'- अंकुश कुमार (नई दिल्ली) 'कादम्बिनी क्लब साहित्य रत्न सम्मान'- डॉ मदन देवी पोकरना (हैदराबाद) एवं ऋशुभ्रा मोहन्तो संगीत साधना पुरस्कार'- अंकिता तिवारी (हैदराबाद) को प्रदान किया गया। सभी पुरस्कार ग्रहीताओं का सम्मान करते समय प्रायोजक उपस्थित रहे। प्रवीण प्रणव, पद्मश्री डॉ नरसिम्हा राव, शांति अग्रवाल, प्रदीप दत्त, अनत माधव कदम, डॉ अहिल्या मिश्र, मोहित एवं शुभ्रा मोहन्तो के द्वारा सम्मान राशि प्रदान की गई।

सभी पुरस्कार ग्रहीताओं को पुरस्कार स्वरूप क्रमशः पंद्रह हजार के तीन पुरस्कार ), ग्यारह हजार के दो पुरस्कार एवं पाँच हजार एक सौ के चार पुरस्कारों के साथ शॉल, माला, स्मृति-चिन्ह, सम्मान-पत्र प्रदान करके सभी पुरस्कार ग्रहीताओं को मुख्य अतिथि एवं समस्त अतिथियों के करकमलों द्वारा सम्मानित किया गया। पुरस्कार ग्रहीताओं का परिचय क्रमशः डॉ राशि सिन्हा, सरिता दीक्षित, देवा प्रसाद मायला, डॉ टी श्रीलक्ष्मी, जी परमेश्वर, तृप्ति मिश्रा, डॉ स्वाति गुप्ता, दीपक दीक्षित, ममता जायसवाल, गीता अग्रवाल, डॉ रवि वैद्य ने दिया।

द्वितीय सत्र में बहुभाषी काव्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। सत्र की अध्यक्षता प्रो ऋषभदेव शर्मा ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहस्त्रवधानी पद्मश्री डॉ गरिकिपाटि नरसिम्हा राव, विशिष्ट अतिथि प्रो गंगाधर वानोडे, डॉ अहिल्या मिश्र, शांति अग्रवाल एवं रामनारायण 'हलधर' मंचासीन रहे। अतिथियों का परिचय क्रमशः प्रियंका पांडे, ज्योति नारायण, एवं डॉ आशा मिश्र ने दिया। सभी अतिथियों का सम्मान शॉल एवं माला से किया गया। हिंदी, मराठी, भोजपुरी, अंग्रेजी, गुजराती, राजस्थानी, तेलुगु आदि भाषाओं में काव्यपाठ हुआ।प्रो ऋषभदेव शर्मा ने अपनी अध्यक्षीय टिपण्णी में कहा कि सभी की रचनाएं अच्छी रहीं, शब्दों पर और ध्यान दें और अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि रामनारायण 'हलधर' की रचनाओं में जीवन्तता के साथ आक्रोश, असंतोष और सामाजिक परिस्थितियों का सटीक चित्रण है। डॉ आशा मिश्र मुक्ता, प्रवीण प्रणव, देवा प्रसाद मायला, सीताराम माने, मोहित ओझल, भूपेंद्र, के राजन्ना ने व्यवस्था में सहयोग दिया। शांति अग्रवाल परिवार एवं मानवेन्द्र मिश्र का विशेष सहयोग के लिए संस्था ने धन्यवाद ज्ञापित किया।


शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

**CHANGE OF NAME**

I, VENKATA NAGABALA NIDAMANARU Spouse of Service No 6946123M Hav SIVA SANKAR NIDAMANURU of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana have changed my name from VENKATA NAGABALA NIDAMANARU to VENKATA NAGABALA NIDAMANURU vide affidavit dt:15-2-2025 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME & DOB**

I, Army No.JC 735753X Nb/Sub KAMLESH KUMAR YADAV of AdmBn, AOC Centre, C/o. 56 APO hereby declare that my Mother name and DOB is changed from PATIRAJEE DEVI, DOB:01-01-1957 to KALLUA DEVI, DOB:01-01-1961.

**CHANGE OF NAME**

I, Service No JC 735753X Nb/Sub KAMLESH KUMAR YADAV of AdmBn, AOC Centre, C/o. 56 APO hereby declare that my son name is to be changed SUBHASH KUMAR YADAV to SUBHASH YADAV.

**CHANGE OF NAME**

I, KAVITA Spouse of Service No. NYA-1483673L Nb Sub VINOD KUMAR, R/o.Vill and Po:Rajpura, Teh:Laxmangarh, Dist:Sikar, Rajasthan-332401 have changed my name from KAVITA to KAVITA DEVI vide affidavit dt:17-2-2025 before B.Ramesh, Advocate and Notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, No. JC 731537M Sub JARNAIL SINGH of Admbn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Daughter Name is changed from JASANPREET KAUR to JASHANPREET KAUR.

**CHANGE OF NAME**

I, MEDISI KIRANMAI Spouse of Service No.JC 441538K Sub MEDISI MURALI MOHAN, R/o.21-14-10 Lane, A1 Vilas, F-Block, Phoolbagh Road, Opp:APCOBhavan, Vizianagaram, Andhra Pradesh-535002 have changed my name from MEDISI KIRANMAI to TAMADA KIRANMAI, vide affidavit dt:5-2-2025 before K.H.V.A.Naidu, Advocate and Notary, GavaraVeedhi, Vizianagaram.

**CHANGE OF NAME**

I, SARBJIT KAUR spouse of Army No. JC 731537M SUB JARNAIL SINGH R/o.vill : HNO.292A Sukhmani Colony Khanna Post & Teh : Khanna, Dist : Ludhiana, Punjab 141401 have changed my name from SARBJIT KAUR to SARBJEET KAUR vide affidavit dt:17/02/2025 before C.V.N Rama Krishna, Advocate and notary, Secunderabad.

**CHANGE OF NAME**

I, No. JC 734576W Sub SUSHANTA KUMAR PAIKARAY of Adm bn, Aoc Centre, Secunderabad, TS that my Daughter Name is changed from SARDHAANJALI PAIKARAY to SARDHA ANJLI PAIKARAY

# आईपीएल 2025 : ओपनिंग मैच और फाइनल की मेजबानी करेगा ईडन गार्डन्स

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के कार्यक्रम की घोषणा हो गई है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मुकाबला 22 मार्च को कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा, जिसमें मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आमने-सामने होंगे। इसी मैदान पर 25 मई को फाइनल मुकाबला भी आयोजित होगा।

**कोलकाता में एक दशक बाद फाइनल** - ईडन गार्डन्स लगभग एक दशक बाद आईपीएल फाइनल की मेजबानी करेगा। इससे पहले इस मैदान ने 2013 और 2015 में खिताबी मुकाबलों की मेजबानी की थी। इसके अलावा, यहां 3 मई को क्वालीफायर 2 भी खेला जाएगा।

**हैदराबाद को भी मिला प्लेऑफ का मौका** - 2024 के उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के घरेलू मैदान को भी प्लेऑफ मुकाबलों की मेजबानी मिली है। क्वालीफायर 1 (20 मई) और एलिमिनेटर (21 मई) हैदराबाद में खेले जाएंगे।

**65 दिनों में खेले जाएंगे 74 मैच** - आईपीएल 2025 में 12 डबल-हेडर के साथ कुल 74 मुकाबले 65 दिनों में खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला डबल-हेडर 23 मार्च को होगा, जिसमें पहला मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच होगा। इसके बाद दिन का सबसे बड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा, जब चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस (एमआई) की प्रतिष्ठित भिड़ंत होगी।

**डबल-हेडर में कौन कितने दोपहर के मैच खेलेगा** - राजस्थान रॉयल्स, दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस - 3-3 दोपहर के मैच।

अन्य सात टीमें - 2-2 दोपहर के मैच।

पिछले साल की तरह इस बार भी दोपहर के मैच भारतीय समयानुसार 3:30 बजे शुरू होंगे।

**गुवाहाटी, विशाखापत्तनम और धर्मशाला को भी मिली मेजबानी**- इस बार भी कुछ टीमों के पास दूसरे घरेलू मैदान होंगे। गुवाहाटी (राजस्थान रॉयल्स) और विशाखापत्तनम (दिल्ली कैपिटल्स) में 2-2 मैच होंगे। धर्मशाला (पंजाब किंग्स) में 3 मुकाबले खेले जाएंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### एएफसी अंडर-20 एशियाई कपः ईरान और उज्बेकिस्तान क्वार्टर फाइनल में पहुंचे इराक ने सऊदी अरब को हराया

**शेनझेन।** एएफसी 20 एशियाई कप 2025 में रविवार को ईरान ने यमन को 6-0 से हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान बरकरार रखा, जबकि उज्बेकिस्तान ने इंडोनेशिया पर 3-1 से जीत दर्ज की। लगातार दूसरी जीत के साथ, दोनों टीमों ने क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली, जहां ईरान बेहतर गोल अंतर के चलते शीर्ष पर है। ग्रुप बी में रोमांचक मुकाबले ग्रुप बी में इराक ने सऊदी अरब को 1-0 से हराया, जिसमें अमीर फैसल ने निर्णायक गोल किया। वहीं, इब्राहिम सबरा के दो गोल की बदौलत जॉर्डन ने डीपीआर कोरिया को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ इराक चार अंकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया, जबकि सऊदी अरब और जॉर्डन तीन-तीन अंकों के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। डीपीआर कोरिया के खाते में अब तक सिर्फ एक अंक है, लेकिन एक मुकाबला बाकी होने के कारण सभी टीमें अब भी क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। ग्रुप डी में जापान और दक्षिण कोरिया के मुकाबले इस बीच, ग्रुप डी में जापान और दक्षिण कोरिया अपना दूसरा मैच क्रमशः सीरिया और थाईलैंड के खिलाफ खेलेंगे।

### चैम्पियंस ट्रॉफी में अर्शदीप को निशाना बनाये विरोधी टीमें : डेविड लॉयड

**लंदन।** इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने कहा है चैम्पियंस ट्रॉफ में भारतीय टीम को अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी। बुमराह पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। लॉयड का मानना है कि बुमराह की अनुपस्थिति विरोधी टीमों के बल्लेबाजों का अर्शदीप सिंह को निशाना बनाना चाहिये। लॉयड के अनुसार बुमराह के नहीं होने पर भारतीय गेंदबाजी आक्रमण कमजोर होगा जिसका लाभ विरोधी टीमों को मिलेगा। टीम के पास केवल एक अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी ही हैं। शमी भी लंबे समय के बाद चोट से उबरकर लौटे हैं। ऐसे में वह पहले जैसी गेंदबाजी शायद ही कर पाये। ऐसे में टीम के पास केवल युवा अर्शदीप और हर्षित राणा जैसे गेंदबाह हैं। इन दोनो ने कुल 12 एकदिवीसीय खेले हैं। जिसमें से 9 अर्शदीप ने खेले हैं जबकि हर्षित ने तीन मैच खेले हैं। लॉयड ने आगे कहा, अगर आप विरोध टीम के बल्लेबाज हैं, तो अर्शदीप को निशाना बनाये। आप आक्रमण कर उसे चुनौती दें। यह टी20 क्रिकेट नहीं आपको खेलने के लिए लंबा समय मिलेगा। अर्शदीप अब तक अधिककतर टी20 मैचों में ही सफल रहे हैं। 63 टी20 मैचों में उनके नाम 99 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर, 9 एकदिवसीय मैचों में अर्शदीप को कुछ ही विकेट मिले हैं।

### आकाश चोपड़ा बोले, चैम्पियंस ट्रॉफी हो सकता है इन खिलाड़ियों का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट

**नई दिल्ली।** पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद तीन भारतीय क्रिकेटर

रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा खेल से संन्यास ले सकते हैं। इन तीनों ने ही पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। चोपड़ा का मानना है कि बढ़ती उम्र और खराब फार्म को देखते हुए इन तीनो ही क्रिकेटरों के संन्यास का समय भी करीब आ गया है। ऐसे में उन्हें लगता है कि चैम्पियंस ट्रॉफी तीनो का ही अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा। इन क्रिकेटरों को ये अंदाजा है कि भविष्य की योजनाओं का वे हिस्सा नहीं है। ऐसे में ये स्वयं ही युवाओं के लिए जगह खाली कर देंगे। चोपड़ा ने कहा. चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद अगला आईसीसी इवेंट विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल है जिसमें भारतीय टीम नहीं पहुंची है। ऐसे में कोहली, रोहित या जडेजा के पास खेलने का कोई अवसर नहीं है। वहीं अगला आईसीसी इवेंट अगले साल टी20 विश्व कप है और इस प्रारुप से इन्होंने पहले ही संन्यास ले लिया है। इसके बाद 2027 में एकदिवसीय विश्व कप है और तब तक ये तीनो ही 40 के करीब पहुंच जाएंगे और ऐसे में इनके खेलने की कोई संभावना नहीं है। चोपड़ा ने कहा कोहली और जडेजा भले ही अपनी फिटनेस बनाये हुए हैं पर सवाल यह होना चाहिए कि क्या भारत को इन खिलाड़ियों की जरूरत है या उस समय बेहतर विकल्प हैं। अगर है तो हमें उसी दिशा में आगे बढ़ते हुए युवाओं को अवसर देना चाहिये।

# दुबई इंटरनेशनल स्टेडिम में पिछली हार का हिसाब बराबर कर पायेगी भारतीय टीम

**मुम्बई, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में 23 फरवरी को होने वाले मुकाबले का सभी प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस मैच में दोनो ही टीमों के प्रशंसकों की खासी तादाद भी रहेगी। मैच के सभी टिकट पहले ही बिक गये हैं और सभी को उम्मीद है कि उन्हें एक और रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। भारत और पाक का ये मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच जिस मैदान पर होने जा रहा है वहीं 2021 में पाक ने जीत हासिल की थी। ऐसे में देखना होगा होगा कि भारतीय टीम पिछल हार का हिसाब बराबर कर पाती है या नहीं। उसे इस बार उतरते समय सावधान रहना होगा क्योंकि उसपर मनोवैज्ञानिक दबाव रहेगा। पाक टीम तब हुए उस मुकाबले में 10 विकेट से जीत थी और उसे किसी आईसीसी विश्वकप में भारतीय टीम के खिलाफ पहली जीत मिली थी। उस मैच में शाहीन शाह अफरीदी ने 3 विकेट विकेट लिए थे जबकि बाबर आजम ने मोहम्मद रिजवान के साथ 152 रन का की साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई थी। तब जसप्रीत बुमराह भी विकेट लेने में विफल रहे थे। भारतीय टीम ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में कुल 6 एकदिवसीय खेले हैं जिसमें 5 में उसे जीत मिली है जबकि 1 मैच टाई रहा है। वहीं पाकिस्तान ने दुबई के इस मैदान पर 22 मैचों में से 8 जीते है जबकि 13 में वह हारी है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला। पाकिस्तान की टीम ने दुबई में भारत से ज्यादा टी20 मुकाबले खेले हैं , ऐसे में वह मैदानों की अभ्यस्त है। इसमें भी उसका रिकॉर्ड अच्छा रहा है।

### चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं रोहित

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में तीन अहम उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। रोहित एकदिवसीय क्रिकेट में 11000 रन के आंकड़े के करीब भी हैं। उन्हें यहां तक पहुंचने के लिए केवल 12 रन की जरुरत है! ऐसा करने पर वह सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली और विराट कोहली के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे भारतीय बन जाएंगे। उनके पास इस टूर्नामेंट में 50 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरे करने का भी मौका होगा। उनके नाम अभी तक 49 शतक हैं। ऐसे में उन्हें केवल एक शतक चाहिये। इसके अलावा रोहित के पास चैम्पियंस ट्रॉफी में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर भी है। रोहित ने अभी तक 260 पारियों में 338 छक्के लगाये हैं। वह अगर टूर्नामेंट में 12 छक्के और लगाते हैं तो 300 से कम पारियों में 350 छक्के लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। एकदिवसीय क्रिकेट में उनसे ज्यादा छक्के केवल शाहिद अफरीदी के नाम हैं। अफरीदी ने 369 पारियों में 351 छक्के लगाये हैं। वहीं रोहित 527 पारियों में 631 छक्कों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

# पाकिस्तान के तेज गेंदबाज राउफ फिट हुए, न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती मैच खेलने तैयार

**कराची, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ अब फिट हो गये हैं और उनके बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में खेलने की पूरी संभावनाएं हैं। पाक बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि हारिस की मांसपेशियों में हाल में मैं हुई त्रिकोणीय सीरीज के दौरान खिंचाव आ गया था पर अब वह पूरी तरह से ठीक है। साथ ही कहा कि कि त्रिकोणीय सीरीज के पहले मैच के बाद जो आराम उन्हें दिया गया था उसके कारण ही वह अपनी चोट से उबर पाये हैं। साथ ही कहा कि अन्य सभी खिलाड़ी पूरी तरह से फिट हैं। राहुल के फिट होने से टीम प्रबंधन को भी राहत मिली है।

हारिस अपनी तेज गति और बीच के ओवरों में विकेट लेने की क्षमता लिए जाने जाते हैं। इसी कारण टीम के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हारिस टीम के साथ बने हुए हैं हालांकि चयनकर्ताओं ने अकिफ जावेद को भी उनके विकल्प के तौर पर तैयार रखा है। हारिस ने 46 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 83 विकेट और 79 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 110 विकेट लिए हैं। पाक टीम का लक्ष्य अब अपनी धरती पर हो रही चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में न्यूजीलैंड को हराकर टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करना रहेगा।

### कार्तिक बोले- टी-20 रनों में धोनी आगे निकल जाएंगे:रिकॉर्ड्स मुझे आकर्षित नहीं करते

**मुम्बई ।** कार्तिक ने हाल ही में टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उन्होंने हाल ही में साउथ अफ्रीका के टी-20 लीग एसए20 के दौरान यह माइलस्टोन हासिल किया। कार्तिक ने रविवार को मीडिया से बातचात के दौरान दैनिक भास्कर के सवाल पर कहा, यह जानकर बहुत अच्छा लगा कि मैंने धोनी (माही) को पीछे छोड़ दिया, लेकिन बहुत जल्द ही वे मुझसे आगे निकल जाएंगे। उन्होंने हाल ही में खत्म हुए लीग के तीसरे सीजन में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलते हुए 11 मैचों में 144 रन बनाए। इस दौरान वे टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में अपने पूर्व साथी धोनी से आगे निकल गए।

### अम्बाराम प्रजापति स्मृति खुली मिनी और सब जूनियर जिला रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा 23 फरवरी से

अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी द्वारा इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन के तहत आयोजित अम्बाराम प्रजापति स्मृति खुली मिनी और सब जूनियर जिला रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा 23 से 25 फरवरी तक होगी। स्पर्धा में 11, 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका वर्ग के मुकाबले होंगे।
स्पर्धा सचिव हर्ष सारग और इन्दौर जिला बैडमिंटन संगठन सचिव आर.पी. सिंह नैयर ने बताया कि स्पर्धा में 13 और 15 वर्ष बालक और बालिका वर्ग में एकल के साथ ही युगल मुकाबले भी होंगे। स्पर्धा में आकर्षक इनाम दिए जाएंगे। दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। स्पर्धा के लिए प्रविष्टियां 21 फरवरी तक स्पर्धा सचिव हर्ष सारग, संगठन सह सचिव धर्मेश यशलहा, कोषाध्यक्ष विशाल चांदवानी, शिवाजी नंदवानी आदि को दी जा सकती हैं।
यह इस साल की दूसरी इन्दौर जिला रैंकिंग बैडमिंटन स्पर्धा हैं। पहली स्पर्धा इसी माह सरताज अकादमी ने नेहरु स्टेडियम बैडमिंटन हाल में विधायक ट्राफी 66वीं सरताज खुली बैडमिंटन स्पर्धा आयोजित की थी। यह स्पर्धा इन्दौर जिला टीम चयन आधार भी होगी।

# जोआओ फोंसेका ने अर्जेंटीना ओपन जीतकर रचा इतिहास

**नई दिल्ली, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

ब्राजील के युवा टेनिस खिलाड़ी जोआओ फोंसेका ने रविवार को अर्जेंटीना ओपन के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए घरेलू दावेदार फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को सीधे सेटों में 6-4, 7-6(1) से हराकर एटीपी टूर पर अपना पहला खिताब जीता।

18 वर्षीय फोंसेका 2006 में जन्मे पहले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने एटीपी टूर खिताब जीता। साथ ही, वह 1990 के बाद एटीपी खिताब जीतने वाले सबसे युवा दक्षिण अमेरिकी खिलाड़ी भी बन गए हैं।

#### कठिन मुकाबले में दिखाई मजबूती

दुनिया के 99वें नंबर के फोंसेका ने विश्व नंबर 28 और पांचवीं वरीयता प्राप्त सेरुंडोलो के खिलाफ जबरदस्त खेल दिखाया। फोंसेका ने मुकाबले के दौरान दो बार सर्विस गंवाई, लेकिन टाई-ब्रेक में शानदार वापसी कर जीत दर्ज की।

उन्होंने इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मारियानो नवोन के खिलाफ दो मैच प्वाइंट बचाकर जीत दर्ज की थी।

#### अविश्वसनीय सप्ताह - फोंसेका

जीत के बाद फोंसेका ने कहा, यह मेरे लिए अविश्वसनीय सप्ताह रहा है। अर्जेंटीना में भी कुछ ब्राजीलियाई लोग मुझे समर्थन दे रहे थे, जो शानदार था।

उन्होंने आगे कहा, बेशक, मैं नंबर 1 बनना चाहता हूं और ग्रैंड स्लैम जीतना चाहता हूं, लेकिन मेरा असली सपना सिर्फ टेनिस खेलना है और मैं इसे जी रहा हूं।

#### लगातार शानदार प्रदर्शन

फोंसेका के लिए यह खिताब बेहद खास है, क्योंकि एक साल पहले उन्होंने रियो डी जनेरियो में एटीपी 500 टूर्नामेंट में वाइल्डकार्ड एंट्री के जरिए अपना टूर-स्तरीय मुख्य ड्रॉ पदार्पण किया था, जब उनकी रैंकिंग 655वीं थी।

इसके बाद उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 2023 जूनियर यूएस ओपन जीता और नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स में खिताबी जीत हासिल की।

2025 सीज़न की शुरुआत उन्होंने कैनबरा चैलेंजर खिताब के साथ की और फिर ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में क्वालीफाई करते हुए विश्व नंबर 9 एंड्रे रुबलेव को हराकर सनसनी फैला दी।

#### एटीपी रैंकिंग में बड़ी छलांग

अर्जेंटीना ओपन खिताब जीतने के साथ ही फोंसेका अब एटीपी रैंकिंग में 68वें स्थान पर पहुंच जाएंगे और शीर्ष रैंकिंग वाले ब्राजीलियाई खिलाड़ी बन जाएंगे।

# आई.के. कॉलेज के छात्र औरंगजेब को 38वें राष्ट्रीय खेलों (कुश्ती) में कांस्य पदक

**इन्दौर, 17 फरवरी (एजेंसियां)।**

**औरंगजेब खान ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने वेट कैटिगरी 77 किग्रा ग्रीको-रोमन कुश्ती में उत्तराखंड के पुष्कर को हराकर कांस्य पदक प्राप्त किया है।**

उनकी इस उपलब्धि पर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी बधाई दी और कहां है कि की राष्ट्रीय खेलों की कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस्लामिया करीमिया समिति के अध्यक्ष इरफान मुल्तानी, शफीक मुल्तानी, अलानूर मुल्तानी, साबिर शाह, डॉ. जाकिर हुसैन, डॉ. रफीक खान, रेहान खान और समस्त स्टाफ एवं समस्त खिलाड़ियों ने उनको बधाई दी है और उनके भविष्य की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

इस्लामिया करीमिया महाविद्यालय के प्रिंसिपल डॉ. जाकिर हुसैन ने कहा कि हम औरंगजेब की उपलब्धि पर गर्व महसूस करते हैं और उनके कांस्य पदक जीतने पर बधाई देते हैं। यह हमारे कॉलेज के लिए एक गौरवशाली पल है और हमें औरंगजेब का हमारे कॉलेज का हिस्सा होने पर गर्व है। उनकी उपलब्धि पर खुश होकर यह कामना करते हैं कि वह जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करे और शहर के साथ ही प्रदेश का नाम रोशन करे।

### चैम्पियंस ट्रॉफी में फखर और बाबर से रहना होगा भारतीय टीम को सावधान

**मुम्बई।** भारतीय क्रिकेट टीम 19 फरवरी से शुरु हो रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई पहुंच गयी है। यहां भारतीय टीम को 23 फरवरी को पाकिस्तान से अहम मुकाबला खेलना है। ऐसे में भारतीय टीम पिछली बार हुए चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की यादों को भूलना चाहेगी। तब पाक टीम के फखर जमां और बाबर आजम के कारण भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भी ये दोनो ही खिलाड़ी पाक टीम में हैं जिनसे भारतीय टीम को निपटना होगा। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि ये इस बार अपने पहले वाले फार्म में नजर नहीं आ रहे। ऐसे में विराट कोहली की कप्तानी में मिली हार का हिसाब रोहित शर्मा की टीम लेना चाहेगी। पिछली बार बाबर आजम, फखर जमां और फहीम अशरफ ने पाक टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बार भी ये तीनो ही पाक टीम में शामिल हैं। बाबर आजम ने 2017 के फाइनल में 52 बॉल पर 46 रन की अहम पारी खेली थी। तब पाक टीम ने 338 रन बनाये थे। वहीं फखर जमां ने शतकीय पारी खेली थी। जिससे पाक टीम 338 रन बनाने में सफल रही थी।

# रेवंत ने गैर-कोड क्षेत्रों में नए राशन कार्ड जारी करने के निर्देश दिए

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को उन जिलों में सभी पात्र व्यक्तियों को नए राशन कार्ड जारी करने का निर्देश दिया है, जहां चुनाव संहिता लागू नहीं है। सोमवार को नागरिक आपूर्ति अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, सीएम ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी पात्र व्यक्ति बिना राशन कार्ड के नहीं रहना चाहिए। हालांकि, कई जिलों में एमएलसी चुनावों के लिए चुनाव संहिता लागू होने के कारण, उन्होंने अधिकारियों को केवल उन क्षेत्रों में आगे बढ़ने का निर्देश दिया, जहां इस तरह के प्रतिबंध नहीं हैं। सीएम ने नए राशन कार्डों के लिए विभिन्न डिजाइनों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि लाखों लोग पहले ही आवेदन कर चुके हैं, जिनमें मौजूदा कार्डधारक भी शामिल हैं जो परिवार के नए सदस्यों को जोड़ने का अनुरोध कर रहे हैं। प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, उन्होंने अधिकारियों को जागरूकता बढ़ाने और डुप्लिकेट आवेदनों को रोकने की सलाह दी।जिन जिलों में एमएलसी चुनाव आचार संहिता लागू नहीं है, वहां कार्ड जारी करने के लिए तत्काल कदम उठाने के आदेश दिए गए। सीएम ने नए राशन कार्ड के लिए विभिन्न डिजाइनों की भी समीक्षा की। सिंचाई क्षेत्र में सीएम रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाओं के तहत फसलों के लिए नियोजित आवंटन के अनुसार पानी छोड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने बढ़ते तापमान के कारण संभावित चुनौतियों का जल्द आकलन करने के महत्व पर जोर दिया और शीर्ष सिंचाई अधिकारियों से अगले तीन महीनों में सतर्क रहने का आग्रह किया। उभरते मुद्दों की निगरानी और सक्रिय रूप से समाधान करने के लिए फील्ड निरीक्षण अनिवार्य किए गए। कमांड कंट्रोल सेंटर में समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने श्रीशैलम, नागार्जुनसागर और एसआरएसपी सहित प्रमुख परियोजनाओं में जल भंडार और उपयोग का आकलन किया। सीएम ने सिंचाई और पीने के पानी दोनों के लिए कमी को रोकने के लिए उपलब्ध पानी के कुशल उपयोग पर जोर दिया। आने वाले महत्व-पूर्ण समय को स्वीकार करते हुए उन्होंने राज्य भर में सिंचाई के पानी और बिजली की बढ़ती मांग की चेतावनी दी। जिला कलेक्टरों को पीने और सिंचाई के पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष पहल करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने नागार्जुन सागर और एसआरएसपी परियोजनाओं के तहत जल वितरण की योजना बनाने के लिए सिंचाई इंजीनियरों के साथ तत्काल जिला स्तरीय बैठकें करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को परियोजनाओं, नहरों और अयाकट क्षेत्रों में जल वितरण का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने का निर्देश दिया। एजेंडा को अंतिम रूप देने और उचित निर्देश जारी करने के लिए जिला कलेक्टरों के साथ एक टेलीकांफ्रेंस आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने श्रीशैलम और नागार्जुन सागर से कृष्णा जल के उपयोग के बारे में चिंताओं को भी संबोधित किया, आंध्र प्रदेश द्वारा अनधिकृत जल हस्तांतरण को रोकने के लिए एक टेलीमेट्री प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया।अधिकारियों ने उन्हें सूचित किया कि एपी सरकार टेलीमेट्री प्रणाली को लागू करने की लागत को साझा करने के लिए सहमत नहीं हुई है।जवाब में, सीएम ने सिंचाई प्रमुख सचिव राहुल बोज्जा को कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड (केआरएमबी) को यह कहते हुए पत्र लिखने का निर्देश दिया कि तेलंगाना इस प्रणाली के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी लागत वहन करने को तैयार है।एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि केंद्रीय जल आयोग जल वितरण की निगरानी के लिए जिम्मेदार है और उन्हें केंद्र सरकार तक चिंताओं को बढ़ाने का निर्देश दिया।

# लोगों की आकांक्षा है कि केसीआर फिर से सीएम बनें : केटीआर

**तेलंगाना, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर तेलंगाना राष्ट्र के नायक हैं। केसीआर के 71वें जन्मदिन के अवसर पर तेलंगाना भवन में समारोह आयोजित किए गए। केटीआर और पार्टी के नेताओं ने 71 किलो का विशाल केक काटा। बाद में केटीआर ने कहा कि लोग उम्मीद कर रहे हैं कि वह फिर से सीएम बनेंगे। आइए केसीआर को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें। अगले साढ़े तीन साल में हमें इस लक्ष्य के साथ आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने इस कार्य के लिए समर्पित 60 लाख बीआरएस सैनिकों को जुटाने का आह्वान किया। उन्होंने इस प्रयास को बीआरएस प्रमुख के लिए अंतिम जन्मदिन का उपहार बताया, जिन्होंने तेलंगाना के गठन के लिए लड़ाई लड़ी। रामा राव ने अपने पिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि चंद्रशेखर राव सिर्फ उनके लिए ही नहीं, बल्कि चार करोड़ तेलंगानावासियों के लिए हीरो थे। उन्होंने तेलंगाना को शोषणकारी शासन से मुक्त कराया, इसके लिए अपनी जान जोखिम में डाली। उन्होंने तेलंगाना राज्य का दर्जा हासिल करने के लिए अपमान और कठिनाइयों का सामना करते हुए पार्टी को खरोंच से खड़ा किया। राज्य के मौजूदा संकट की ओर इशारा करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि सभी क्षेत्रों के लोग बीआरएस प्रमुख की वापसी के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने कहा, 14 महीनों से मैं जहां भी जाता हूं, लोग एक ही बात कहते हैं - चंद्रशेखर राव को फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहिए। यह सिर्फ एक इच्छा नहीं, बल्कि एक मिशन है। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री सिर्फ एक नेता नहीं थे, बल्कि तेलंगाना के लोगों के लिए एक भावना थे।कई लोग तेलंगाना के लिए श्रेय लेते हैं, लेकिन सच्चाई सरल है - अगर आज तेलंगाना अस्तित्व में है, तो यह चंद्रशेखर राव के अथक संघर्ष की वजह से है, उन्होंने कहा।हरीश राव ने चंद्रशेखर राव के बलिदानों को याद किया, जिसमें प्रमुख पदों से इस्तीफा देने से लेकर अनिश्चितकालीन उपवास शुरू करने तक शामिल है, जिसने केंद्र सरकार को 2009 में तेलंगाना राज्य के गठन की घोषणा करने के लिए मजबूर किया।

उन्होंने तेलंगाना के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया।

# फंड की कमी से परेशान टीजी सरकार ने सीएम ब्रेकफास्ट योजना रद्द की

**हैदराबाद, 17 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना सरकार ने फंड की कमी के कारण सभी सरकारी स्कूलों में सीएम ब्रेकफास्ट योजना को खत्म कर दिया है। पिछली सरकार ने 2023 में इस योजना को शुरू किया था। हालांकि, कांग्रेस सरकार ने इस योजना को खत्म कर दिया। 2023 में, पिछली सरकार ने 400 करोड़ रुपये की लागत से पायलट आधार पर इस योजना को शुरू की थी, जिससे लगभग 23 लाख छात्रों को लाभ मिल रहा था और इस योजना को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया था। शुरुआत में, इसे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक स्कूल के साथ 119 सरकारी स्कूलों में लॉन्च किया गया था और बाद में इसे 3,500 स्कूलों तक विस्तारित किया गया। सरकार ने शुरू में इस योजना को तेलंगाना के सभी 27,147 स्कूलों तक विस्तारित करने की योजना बनाई थी, लेकिन ऐसा करने में असमर्थ रही। मौजूदा सरकार के गठन के साथ ही इस योजना को पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। पहल का ठेका एनजीओ मन्ना ट्रस्ट को दिया गया था। नाश्ते के मेन्यू में इडली और सांभर, गेहूं रवा उपमा, पूरी और आलू कुर्मा, टमाटर बाथ, उपमा, चावल रवा खिचड़ी, बाजरा इडली, पोंगल, उगगनी, पोहा और बाजरा इडली शामिल थे।सूत्रों ने बताया कि सरकार बदलने के साथ ही इस योजना को बंद कर दिया गया। चालू शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में अटकलें लगाई जा रही थीं कि मिड-डे मील योजना की तरह- जिसमें केंद्र और राज्य सरकारें लागत साझा करती हैं- नाश्ते की योजना पर भी यही तरीका लागू किया जाएगा। हालांकि, यह आगे नहीं बढ़ा। इसका मुख्य कारण उचित फंड आवंटन की कमी है, जिसने इस शैक्षणिक वर्ष में सरकारी स्कूलों में कम नामांकन में भी योगदान दिया है। एएसईआर की वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना ने 2024 में 73.5 प्रतिशत औसत स्कूल नामांकन दर्ज किया, जो पहले 75.5 प्रतिशत था।सरकारी स्कूलों के कुछ शिक्षकों ने बताया कि छात्रों को पिछले शैक्षणिक वर्ष के अंत तक नाश्ता मिलता था और इस शैक्षणिक वर्ष में यह योजना बंद हो गई।एक शिक्षक ने कहा, अगर राज्य सरकार नाश्ता योजना को फिर से शुरू करती है तो यह बेहतर होगा, क्योंकि इससे नामांकन बढ़ाने के साथ-साथ दैनिक उपस्थिति भी बढ़ेगी। नाम न बताने की शर्त पर, मिड-डे मील योजना से जुड़े मन्ना ट्रस्ट के एक कर्मचारी ने कहा, 2023 में, हमने राज्य सरकार से नाश्ता उपलब्ध कराने का अनुबंध हासिल किया, जो तीन जिलों- मेडचल, हैदराबाद और रंगारेड्डी में चरणों में शुरू होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.